शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार दिल्ली के लिए... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 02 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-212

मालेगांव के बहाने कांग्रेस ने रचा था भगवा-आतंकवाद का कुचक्र

भागवत और योगी को गिरफ्तार करने का दिया था आदेश

मुंबई, 01 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदू आतंकवाद की व्याख्या स्थापित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की तत्कालीन सरकार ने खतरनाक साजिश रची थी। इस साजिश के तहत सेनाधिकारियों और हिंदू साधु-संन्यासियों के साथ संघ के पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर उन्हें आतंकवादी साबित करने का कुचक्र रचा गया था। महाराष्ट्र पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड के पूर्व इंसपेक्टर और मालेगांव मामले के जांच अधिकारी महबूब मुजावर ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मुजावर ने कहा है कि मालेगांव बम धमाका मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और गोरखपुर के तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ को गिरफ्तार करने का ऊपर से आदेश दिया गया था। इंसपेक्टर महबूब मुजावर ने यह आदेश मानने से इन्कार कर दिया तो आईपीएस अधिकारी परमवीर सिंह ने इंसपेक्टर मुजावर पर ही झूठे केस लाद दिए और उनका पूरा करियर नष्ट कर डाला।

मालेगांव ब्लास्ट मामले की जांच में शामिल रहे महाराष्ट्र एटीएस के इंस्पेक्टर महबूब मुजावर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और खास हिंदूवादी नेताओं को गिरफ्तार करने का ऊपर से गुप्त आदेश दिया गया था। इनमें सबसे पहला नाम आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का था। इसके साथ ही उन्हें गोरखपुर के तत्कालीन भाजपा सांसद योगी आदित्यनाथ, राम कालसंगरा, संदीप डांगे, दिलीप पाटीदार जैसे लोगों को भी पकड़ने के लिए कहा गया था। तत्कालीन जांच अधिकारी महबूब मुजावर ने साफ-साफ कहा कि इन गोपनीय निर्देशों का मकसद भगवा आतंकवाद की झूठी कहानी गढ़ना था। उन्होंने यह आदेश मानने से इन्कार कर दिया। उनका कहना है कि मोहन भागवत जैसी बड़ी शख्सियत को बिना किसी ठोस वजह और सबूत के पकड़ना उनके बस की बात नहीं थी। आदेश न मानने पर ऊपर के अधिकारी नाराज हो गए और आईपीएस अधिकारी परमवीर सिंह ने महबूब मुजावर पर ही झूठे केस डाल दिए और उनकी 40 साल का करियर नष्ट कर दिया। महबूब मुजावर ने बेहद गंभीर आरोप लगाया कि मालेगांव मामले की पूरी जांच ही एक फर्जी अफसर के नेतृत्व में हुई थी और जांच का पूरा ढांचा झूठ पर आधारित था।

आदेश न मानने पर पुलिस अफसर का करियर नष्ट कर डाला

एटीएस के अफसर शेखर बागड़े ने प्लांट किया था आरडीएक्स

एटीएस ने आरोपियों के खिलाफ तैयार किए थे फर्जी दस्तावेज

एनआईए कोर्ट ने फर्जी सबूत गढ़ने की जांच का आदेश दिया

मुजावर ने कोर्ट के हालिया फैसले का जिक्र करते हुए कहा, इस फैसले से यह साबित हो गया है कि उस समय जो कुछ भी हुआ वह गलत था।

उल्लेखनीय है कि इंसपेक्टर महबूब मुजावर के इस खुलासे के पहले भी यह उजागर हुआ था कि महाराष्ट्र एटीएस योगी आदित्यनाथ एवं विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों को फंसाना चाहती थी। इसके लिए एटीएस ने मालेगांव बम धमाकों के मामले में फंसाए जा चुके लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित और साध्वी प्रज्ञा को भीषण प्रताड़ित किया था। कर्नल पुरोहित ने मुंबई के एक कोर्ट को बताया था, मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया गया जो किसी जानवर के साथ भी नहीं किया जाता। मेरे साथ युद्ध बंदी से भी बदतर व्यवहार किया गया। हेमंत करकरे, परमबीर सिंह और कर्नल श्रीवास्तव लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि मैं मालेगांव बम धमाके के लिए खुद को जिम्मेदार बता दूं। मुझ पर दबाव दिया जा रहा था कि मैं आरएसएस, वीएचपी के वरिष्ठ नेताओं और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ का नाम लूं। उन्होंने मुझे गंभीर यातनाएं दीं।

गौरतलब है कि 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने कर्नल पुरोहित और साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। यह खुलासा हुआ कि एटीएस के एसीपी शेखर बागड़े ने फर्जी सबूत गढ़े थे। कोर्ट ने फर्जी सबूत गढ़े जाने की जांच का आदेश भी दिया है। एनआईए की जांच में साफ हुआ कि शेखर बागड़े ने फर्जी सबूत प्लांट किए ते। इस पर एटीएस ने कोर्ट में कोई ठोस जवाब नहीं दिया। इस पर कोर्ट ने एसीपी शेखर बागड़े के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं।

इस केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी, लेकिन 2011 में मामला एनआईए को सौंपा गया। जांच के दौरान दो सेना अधिकारियों ने बताया कि एटीएस के अधिकारी (अब एसीपी) शेखर बागड़े 3 नवंबर 2008 को आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी की गैरमौजूदगी में उनके घर में घुसे थे।

▶10पर

भारत-रूस संबंधों पर चिढ़े ट्रंप को दो टूक जवाब

भारत-रूस की दोस्ती स्थिर और 'टाइम-टेस्टेड' है

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका को यह साफ-साफ बता दिया है कि भारत के किसी भी देश से संबंध योग्यता और परस्परता पर आधारित हैं। इस संदेश से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समक्ष यह स्पष्ट हो गया है कि भारत और रूस के बीच का संबंध योग्यता और परस्परता पर आधारित है, जो अमेरिका के साथ नहीं है। भारत ने बेबाकी से कहा, भारत और रूस की दोस्ती और साझेदारी स्थिर और समय-परीक्षित (टाइम-टेस्टेड) है। भारत पर 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लागू किए जाने पर भारत के विदेश मंत्रालय ने सीधी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के रूस के साथ व्यापार और तेल खरीद को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी और टैरिफ का ऐलान किया था, इसके साथ ही उन्होंने एक जुर्माना भी लगाया था। ट्रंप के फैसले का भारत पर कोई असर नहीं है, विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अन्य देशों के साथ हमारे संबंध कोई अन्य देश तय नहीं कर सकता।

हमारे संबंध योग्यता और परस्परता पर आधारित हैं

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसके साथ ही अन्य कई अहम अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भारत की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने अमेरिका की तरफ से कुछ भारतीय कंपनियों पर ईरान से व्यापार करने के कारण लगाए गए प्रतिबंधों और रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी बौखलाहट पर अपना स्पष्ट स्टैंड रखा। विदेश मंत्रालय ने यमन में मौत की सजा का सामना कर रही निमिषा प्रिया के मामले में भी बयान दिया है। अमेरिका की तरफ से कुछ भारतीय कंपनियों पर ईरान से व्यापार के चलते लगाए गए प्रतिबंधों पर बोलते हुए रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने इन प्रतिबंधों को नोट किया है और इस पर गौर कर रहे हैं। किसी भी देश के साथ हमारे संबंध उसकी योग्यता और उपादेयता पर आधारित हैं और उन्हें किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जहां तक भारत-रूस संबंधों का सवाल है, हमारे बीच एक स्थिर और समय-परीक्षित साझेदारी है।

भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित है। यह रिश्ता कई बदलावों और चुनौतियों के बावजूद मजबूत बना रहा है। हम अपने साझा एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और हमें विश्वास है कि यह संबंध आगे भी प्रगति करेगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कुछ भारतीय तेल कंपनियों ने रूस से तेल लेना बंद कर दिया है। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, आप हमारे ऊर्जा जरूरतों को लेकर समग्र दृष्टिकोण से अवगत हैं। हम बाजार में उपलब्ध विकल्पों और वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखकर निर्णय लेते हैं। हमें इस बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर कि एक दिन भारत पाकिस्तान से तेल खरीद सकता है, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, इस मामले पर मेरे पास कोई टिप्पणी नहीं है। यमन में एक हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रहीं भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के मामले में विदेश मंत्रालय ने कहा, यह एक संवेदनशील मामला है। भारत सरकार इस मामले में हरसंभव सहायता दे रही है। हमारी लगातार कोशिशों के कारण सजा पर अमल फिलहाल टल गया है।

▶10पर

भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ का सटीक जवाब

अमेरिका से एफ-35 फाइटर जेट नहीं खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका से एफ-35 फाइटर जेट खरीदने से मना कर दिया है। भारत रूस का एसयू-57 फिफ्थ जनरेशन जेट खरीदेगा। रूसी विमान भारत में ही बनेगा और इसकी तकनीक भी भारत को हस्तांतरित होगी। विमान के करीब 60 फीसदी पुर्जे भारत में ही निर्मित होंगे। इससे भारत भविष्य में इसका निर्माण कर पाएगा। अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ के बीच भारत का यह करारा जवाब है। भारत ने साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ-35 फाइटर जेट नहीं खरीदेगा। इसके बजाए भारत रूस का एसयू-57 फिफ्थ जनरेशन जेट खरीदेगा। रूसी विमान भारत में ही बनेगा और इसकी तकनीक भी भारत से साझा की जाएगी।

रूस से खरीदा जाएगा पांचवीं पीढ़ी का एसयू-57 लड़ाकू विमान

भारत अमेरिका से कुछ उत्पादों की खरीद कर सकता है, लेकिन रक्षा से जुड़े किसी भी उपकरण को अमेरिका से खरीदने की फिलहाल भारत सरकार की कोई योजना नहीं है। भारत अमेरिका से प्राकृतिक गैस, संचार उपकरण और सोने की खरीद बढ़ाने पर विचार कर रहा है। लेकिन अमेरिकी रक्षा उपकरण, खासकर एफ-35 फाइटर जेट खरीदने के लिए भारत सरकार तैयार नहीं है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट देने की पेशकश की थी। भारत सरकार चाहती है कि रक्षा उपकरणों का संयुक्त रूप से विकास और निर्माण भारत में ही हो।

ट्रंप भारत पर रूस से हथियार और तेल खरीदने पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन भारत पर इस धमकी का कोई असर नहीं है। भारत अमेरिका से नया रक्षा सौदे नहीं करना चाहता। पहले से ऑर्डर किए गए अमेरिकी उपकरणों की डिलीवरी में ही वर्षों की देरी हो रही है। अमेरिका से एफ-35 विमान नहीं खरीद कर भारत रूस से 50-60 एसयू-57 फिफ्थ जनरेशन जेट खरीदेगा। भारतीय वायुसेना को अगले कुछ वर्षों में चीन और पाकिस्तान की हवाई ताकत का मुकाबला करने के लिए करीब तीन स्काड्रन फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट्स की जरूरत है। भारत अपने खुद के एएमसीए फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट पर भी काम कर रहा है, लेकिन इसके 2035 से पहले तैयार होने की संभावना नहीं है। इसलिए, जब तक स्वदेशी जेट तैयार नहीं होता, तब तक भारत को विदेशी विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इस समय केवल एफ-35 (अमेरिका) और एसयू-57 (रूस) ही ऐसे उपलब्ध विकल्प हैं। जिसमें भारत ने एसयू-57 को चुना है।

इस तरह भारत सरकार ने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि वह एएफ-35 समेत निकट भविष्य में कोई भी बड़ी रक्षा खरीद नहीं करने जा रही है। भारत रक्षा खरीद में हथियारों के संयुक्त विकास, तकनीक के हस्तांतरण, भारत में निर्माण और आत्मनिर्भरता जैसी शर्तों को प्राथमिकता देता रहेगा। भारत सरकार ने यह निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की घोषणा के बाद लिया। भारत सरकार ने अमेरिकी स्टिल्थ फाइटर जेट एफ-35 खरीदने की किसी भी योजना से साफ-साफ इन्कार कर दिया। भारत सरकार ने अमेरिका को बता दिया है कि वह एएफ-35 समेत निकट भविष्य में उससे कोई भी बड़ी रक्षा खरीद नहीं करने जा रही है।

लंबे समय से अमेरिकी रक्षा अधिकारी यह संकेत देते रहे हैं कि ▶10पर

रोहिंग्या शरणार्थी हैं या घुसपैठिए, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं रोहिंग्या घुसपैठिए : केंद्र

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में रोहिंग्या समुदाय के लोगों की स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम सुनवाई शुरू हुई है। म्यांमार से आए रोहिंग्या, जो दशकों से हिंसा और उत्पीड़न से बचने के लिए भारत में शरण लिए हुए हैं, अब एक बड़े सवाल के केंद्र में है कि क्या वे शरणार्थी हैं, जिन्हें सुरक्षा और अधिकार मिलना चाहिए या वे अवैध घुसपैठिए हैं, जिन्हें देश से बाहर किया जाना चाहिए। गुरुवार 31 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में चार बड़े सवालों को चिह्नित किया, जिनका जवाब उनकी नियति तय करेगा।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनवाई के दौरान इस मामले को व्यवस्थित करने के लिए चार मुख्य सवालों पर ध्यान केंद्रित किया। पहला और सबसे बड़ा सवाल है कि क्या रोहिंग्या को शरणार्थी माना जाए या अवैध प्रवासी? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह तय होने के बाद ही बाकी मुद्दों पर विचार होगा। अगर वे शरणार्थी हैं, तो दूसरा सवाल है कि उन्हें भारत में कौन से अधिकार और सुरक्षा मिलनी चाहिए। तीसरा, अगर वे अवैध प्रवासी साबित हुए, ▶10पर

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने जारी की अधिसूचना

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को

उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 का कार्यक्रम

अधिसूचना जारी होने की तिथि	7 अगस्त
नामांकन की अंतिम तिथि	21 अगस्त
नामांकन की जांच	22 अगस्त
नाम वापस लेने की तिथि	25 अगस्त
चुनाव का तारीख	9 सितंबर
मतदान का समय	सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक
मतगणना	9 सितंबर

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति के चुनाव की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के मुताबिक 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए वोट डाले जाएंगे। जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने की वजह से उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया है और अब इसे लेकर फिर से चुनाव कराया जा रहा है।

धनखड़ भारत के 14वें उपराष्ट्रपति रहे और उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 को समाप्त होना था। 2022 में हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी और विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था। धनखड़ के इस्तीफे के बाद से ही यह सवाल खड़ा हुआ कि आखिर उन्हें अचानक यह फैसला लेना क्यों पड़ा? कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने इसे मुद्दा बनाया और मोदी सरकार से जवाब मांगा कि आखिर धनखड़ के इस्तीफे के पीछे क्या वजह है? ▶10पर

भारत ने डोकलाम के पास बनाया स्ट्रैटेजिक रोड

भूटान के प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने भूटान की हा घाटी में 254 करोड़ रुपए की लागत से एक स्ट्रैटेजिक ऑल-वेदर रोड बनाई है, जो डोकलाम के पास है। भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन दाशो शेरिंग तोबगे ने आज इस सड़क का उद्घाटन किया। इस मौके पर बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन भी मौजूद थे। यह सड़क वानाखा से हा तक जाती है और इसमें 5 नए पुल, बेहतर सड़क और सुरक्षा उपाय शामिल हैं। यह सड़क हर मौसम में काम करेगी, जिससे भारत और भूटान की सेनाओं को तेजी से मूवमेंट में मदद मिलेगी।

2017 में डोकलाम में भारत-चीन तनाव के बाद यह सड़क रणनीतिक रूप से अहम है। चीन की चुंबी वैली में बढ़ती मौजूदगी और भूटान की जमीन पर दावे भारत के लिए चिंता का विषय हैं। यह सड़क न सिर्फ सैन्य रसद को बेहतर बनाएगी, बल्कि पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा देगी।

राहुल गांधी के आरोपों को चुनाव आयोग ने निंदनीय कहा

गैर जिम्मेदाराना बयानों पर ध्यान न दें अफसर

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद और गैर जिम्मेदाराना बताते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों को हिदायत दी है कि वे अफवाहों और आरोपों से प्रभावित न हों और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए निष्पक्षता एवं ईमानदारी से अपना कार्य करें। चुनाव आयोग ने कहा, चुनाव आयोग राहुल गांधी को उनके आरोपों के सिलसिले में तथ्य पेश करने के लिए बुलाता है तो वे आते नहीं हैं। लेकिन आरोप लगाते रहते हैं। चुनाव आयोग उन्हें पत्र भेजता है तो वह पत्र का जवाब नहीं देते। उन्होंने कभी भी किसी भी मुद्दे पर चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं भेजा है।

फिर यह अत्यंत अजीब है कि वह बेतुके आरोप लगा रहे हैं और अब उन्होंने चुनाव आयोग और उसके कर्मचारियों को धमकाना भी शुरू कर दिया है। यह बेहद निंदनीय है। चुनाव आयोग ने कहा, ऐसे सभी गैर-जिम्मेदाराना बयानों को आयोग नजरअंदाज करता है और अपने सभी कर्मचारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करते रहने का अनुरोध करता है। ▶10पर

मंत्र हमारी प्राणशक्ति को बढ़ाता है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि मंत्र हमारी प्राणशक्ति को बढ़ाता है, सिद्धि देता है, यंत्र एक अभेध सुरक्षा कवच है, उन्नति का रक्षा कवच है, और कार्य सिद्धि प्रदान करने वाला है।

वही ऊर्जा का अखंड स्रोत, दुर्लभ दिव्य शक्तियों का आह्वान है - तंत्र। यंत्र-मंत्र और तंत्र ये तीनों महान पवित्र एवं गरिमामय में शब्द है। महा मांगलिक सर्व सिद्धि प्रदायक, सर्व शांति कारक, सर्वग्रह पीडा निवारक, ऋद्धि, सिद्धि समृद्धि दायक, बीजमंत्रों द्वारा साधित, विशिष्ट मंत्र साधना का अमृत कुंभ याने कि दिव्य प्रभावशाली चमत्कारी महा मांगलिक का मंगलमय आयोजन जप और तप की आध्यात्मिक साधना और आराधना से निर्मित तरंगों का जब शरीर में समावेश होता है तो अद्भुत अलौकिक शक्ति का एहसास होता है। साधना से इम्युनिटी पावर के माध्यम से रोग प्रतिरोधक का निर्माण होता है। रोम रोम में असीम शक्ति का संचार होता है। आराधना साधना से तामसिक विचारों का अंत और सात्विक विचारों का निर्माण होता है। जिससे कर्मों से आत्मा की शुद्धि मन को विकारों से मुक्ति और तन को रोगों से मुक्ति मिलती है। साधना की तरंगों का प्रभाव इंसान पर ही नहीं पशु पक्षी और प्राणी मात्र के ऊपर सकारात्मक असर आता है। विज्ञान ने भी सिद्ध कर दिया है मंत्रों की शक्ति का प्रभाव है।

विकार और वासना परमाणु बम से भी खतरनाक है। व्यक्ति के जीवन को बर्बाद कर देती है। साधना के द्वारा ही इन पर नियंत्रण लाया जा सकता है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि साधना में दिखावा प्रदर्शन आडंबर से दूर होकर सेवा और सहयोग से जोड़ते हुए सात्विकता सदाचार सादगी और पवित्र विचारों का समावेश होना भी जरूरी है। तभी जीवन की सार्थकता है। पेड़ कभी भी फूलों के गिरने से परेशान नहीं होता है।

बल्कि वह सदैव नए फूलों के खिलने तथा फलों के निर्माण में व्यस्त रहता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। 2 अगस्त को सुबह नव बजे महा मंगलकारी का आयोजन होगा। 3 अगस्त से नव दिवसीय नवग्रह अनुष्ठान जाप पूजन एकासणा का कार्यक्रम प्रारंभ होगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल बेंगलूरु के चेयरमैन नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष रूपचंद कुमट, महामंत्री दिनेश खिंवेसरा, महिला विंग चेयरमैन शारदा चौधरी और कामधेनु गौशाला मंत्री राधा गुलेछा ने विकास सौधा में आईएएस रोहिणी सिंदूरी से मुलाकात कर श्री भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल के निर्माण में सरकार के सहयोग हेतु चर्चा की। इस दौरान प्राणियों के इलाज व इनकी सुरक्षा और इससे संबंधित सरकारी अस्पतालों के बारे में जानकारी प्राप्त की। ताकि ज्यादा से ज्यादा असहाय प्राणियों की सेवा व इलाज हो सके। इस मौके पर उतमचंद जैन व बसवराज भी उपस्थित रहे।

सुमति कंवरजी के 21वें स्मृति दिवस पर गुणानुवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने सुमति कंवर जी के 21 वें स्मृति दिवस पर गुणानुवाद करते हुए कहा कि सुमतिकंवर जी ने निर्मल निर्दोष और आदर्श संयम का पालन करते हुए पंडित मरण को प्राप्त कर मृत्यु को भी महोत्सव बना लिया था। उनके भीतर उद-ारता और अनुकंपा जीवंत रहती थी और दूसरों को परेशान देख कर व्यथा दूर करने में लग जाती थी। उन्हें 8 दिन का संथारा आया था। यह संथारा यात्रा उन्होंने बहुत ही धैर्य और धर्म के साथ व्यतीत की थी। इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आत्म विजेता जिनेन्द्र बन जाते हैं। संसार के युद्ध करना सरल है किंतु स्वयं की विकृतियों से युद्ध करना दुष्कर है। आत्मा से घनघोर युद्ध कर के साधक आत्मा को निर्मल बना लेता है और निर्मल आत्मा ही मोक्षगामी होती है। साधना मार्ग में उपसर्ग आते हैं जो हमारे धैर्य की परीक्षा करते हैं। साध्वी श्री सुमतिकंवर जी ने भी सारे परिषहो को समता भाव से सहन किया और आदर्श संयम जीवन जिया था। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए संघ की ओर से सुमतिकंवर जी को गुणानुवाद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तप संपूर्ण कर रहे तपस्वियों का अभिनंदन किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

नगर राजभाषा कार्यान्यवन समिति की वर्ष 2025-26 की प्रथम बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बेंगलूरु के सभागार में बुधवार को नराकास (का-4) की वर्ष 2025-26 की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान सभा में सदस्य कार्यालयों के प्रमुख और हिंदी अधिकारी, संपर्क अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान मंच पर अध्यक्ष, नराकास (का-4), बेंगलूरु, सदस्य कार्यालय प्रमुख एवं वेंकटाचलम जी., मु.प्र.अ., सीएमटीआई उपस्थित थे। सलमा एम, प्रवर श्रेणी लिपिक, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान ने मंच संचालन तथा मधुलिका, प्रशासनिक अधिकारी, आईसीटीएस ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अनिल कुमार साहू, प्रभारी एवं सहायक निदेशक केहिप्रसं एवं हिशियो ने हिंदी प्रशिक्षण से सम्बंधित विस्तृत जानकारी साझा की। अनिर्बान कुमार विश्वास, उप-निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राजभाषा हिंदी से सारे संवैधानिक नियमों और अनुच्छेदों की व्याख्या के साथ उसके अनुपालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नराकास (का-4) के सदस्यों की हिंदी प्रगति रिपोर्टो की समीक्षा के साथ उनमें होने वाली त्रुटि के निवारण पर चर्चा भी किया। हिंदी में विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करने वाले सदस्य कार्यालयों के सम्मान के साथ अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में डॉ नागहनुमय्या, निदेशक, सीएमटीआई ने कहा कि हम सभी तकनीकी और मीडिया के माध्यम से हिंदी को सीख सकते है। उन्होंने राजभाषा हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार- प्रसार के लिए सीएमटीआई से होने वाले हर संभव सहयोग का आश्वाशन दिया। राजभवन, सदस्य सचिव, नराकास(का-4), बेगलूरु ने कहा कि हम सभी भारतीयों को हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीखनी चाहिए ताकि अन्य भारतीय भाषाओं का भी प्रचार-प्रसार हो सके। अमरेन्द्र कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय (वि.स.), सीमा सुरक्षा बल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा भारतीयों को एक सूत्र में बांधती है।

उन्होंने कहा कि जब देश के विभिन्न राज्यों से जवान अर्धसैनिक बल में आते हैं तब सभी प्रशिक्षण के दौरान सभी अपनी-अपनी मातृभाषाओं में वार्तालाप करते है। लेकिन प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी जवान केवल हिंदी में ही बातचीत करते है। सभी भारतीय भाषाएं बहुत ही समृध्द है। सभी को हिंदी के साथ-साथ मौका मिले तो अन्य भारतीय भाषाओं को भी जरुर सीखना चाहिए।

धन में मग्न होकर धर्म को ना भूलें: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने शुक्रवार को भगवान महावीर के उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से फरमाया कि भाग्य अच्छा है तो भजन करो। समय रहते ही ऐसा करना संभव हैं। एक बार समय गया तो कुछ नहीं कर पाएंगे। अगर अकल है तो लोगों की मदद करो। धन और धर्म की राशि एक है। लेकिन धर्म से बड़ा कुछ नहीं है। संसार में तो धन जरूरी है। लेकिन इतना भी इस धन में मग्न नहीं होना की धर्म को ही भूल जाओ। संसार से मनुष्य का पार धन से नहीं धर्म से ही होना है। लेकिन मनुष्य संसार में फंस कर धर्म के बजाय धन को महत्व दे रहा है। धन संसार तक सीमित रहेगा लेकिन धर्म जन्म जन्मांतर तक रहेगा। संसार है तो सब काम होता ही रहेगा। लेकिन धर्म भी करते रहो। बहुत समय सो लिए अब जागने का समय आ गया है। सोते हुए जीवन के अनमोल समय को व्यर्थ ना करें। एक बार समय गया तो वापस कभी नहीं आने वाला है। गुरुदेव ने कहा कि इस दुनिया का सबसे बलवान चीज समय होता है। एक बार समय गया तो वापस कभी लौट कर नहीं आता है। सांसारिक मोह माया में फंस कर इस समय को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। अब जागने का समय आ गया है। अगर अब भी नहीं जागे तो जीवन में कभी जाग नहीं पाएंगे। मनुष्य की सोच अब बिल्कुल बदल चुकी है। पहले के समय में कई बच्चे होते थे और सब साथ रहते थे। लेकिन आज के समय में हम दो हमारे दो को लेकर लोग चल रहे है। सिर्फ अपना ही देखते हैं। लेकिन यह सोच सही नहीं है। क्योंकि एक बार बुढ़ापा आएगा तो सब कुछ बेकार हो जाएगा। आज के समय में लोग एडवांस होने की कोशिश में सबसे दूर हो रहे हैं। वैसे ही सारे रिश्ते नाते टूट रहे हैं। इस लिए कहा जाता है कि बहुत सो लिए अब तो जाग जाओ। संसार की यही सच्चाई हैं। जीवन में भोजन नहीं भजन काम आएगा। ऊपर जाने पर भगवान भजन ही पूछते हैं। गरीब को कोई पूछता नहीं है। गरीब कितना भी समझदार हो लेकिन उसकी बात कोई नहीं सुनता है। यही संसार की सच्चाई है। इसलिए भाग्य अच्छा है तो पूरा ध्यान भोजन पर लगाने के बजाय भजन भी कर लो। भजन ही आपके जीवन की नैया पार लगाने वाला हैं। श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार के प्रवचन में जयमल सम्प्रदाय के आचार्य श्री शुभ चन्द्र जी महाराज की जन्म जयंती पर गुणगान किए जाएंगे।

यातायात सुगम के लिए सड़कों पर लगाए गए रेडियम फ्लेक्स बोर्ड

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लॉयन ग्रीनलैंड के तत्वावधान में बन्नूर कस्बा के मुख्य रास्तों पर चलने वाले वाहन चालकों के लिए यातायात सुगम करने के उद्देश्य से सड़कों पर यातायात चिह्न दर्शाते हुए रेडियम फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए। पर्यावरण जागृती वैदिक के बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित में बताया कि वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जब भी हम सड़क पर पैदल या किसी वाहन से यात्रा कर रहे हों, हमारी सुरक्षा हमारे हाथों में है। हमें सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों के प्रति बहुत सावधान रहना चाहिए। सड़क पर हमारी सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है जब हम यातायात नियमों का पालन करेंगे।

हम सभी ने मिलकर कस्बा के सड़कों पर यातायात नियमों के संबंधित सांकेतिक चिन्ह के बोर्ड लगाए है। इस अवसर पर लॉयन्स ग्रीनलैंड के अध्यक्ष प्रदीप, सचिव महेंद्र, कोषाध्यक्ष अनंत, सदस्य राजेश सिंह, अशोक भाटी, मोतीसिंह, लादूलाल जैन, योगेश, श्रीनिवास, गुरु चक्रवर्ती, पनीर, मलेश, यासीन आदि उपस्थित रहे।

अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करने वाला ही सफलता के सोपान चढ़ता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर राज-ाजीनगर एवं हनुमंतनगर द्वारा संयुक्त रूप से बारह व्रत कार्यशाला का शुभारम्भ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के सानिध्य में अर्हम भवन, विजयनगर मे किया गया। साध्वी श्री संयमलता जी ने व्रतो की महत्ता बताते हुए कहा कि व्रत संकल्प शक्ति का विकास करने वाले होते है, अपनी इच्छा पर नियंत्रण करने वाला ही सफलता के सोपान चढ़ता है, किसी भी क्षेत्र को ले चाहे व्यापार व व्यवसाय का उद्योग या राजनीति का चाहे सामाजिक कार्य क्षेत्र वही सफल होता है जिसका संकल्प बल मजबूत होता है, व्रत कार्यशाला में साध्वीश्री ने लेदर कैसे बनता है उसे समझाया जिसके पश्चात लगभग 125 व्यक्तियों ने लेदर से बनने वाली चीजों के उपयोग लेने का त्याग किया। साध्वी रौनक प्रभाजी ने अहिंसा अणुव्रतो की चर्चा की। साध्वी मार्दव श्री जी ने कहा जिसके भीतर करुणा होती है वही अणुव्रतो का पालन कर सकता है।

सुचना की कड़ी में साध्वी श्री ने बताया कि आने वाले रविवार को अर्हम भवन में मासखमण एवं ऐतिहासिक 11 रंगी तपोयज्ञ में शामिल होने वालों का अभिनंदन रखा गया है। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया, राजाजीनगर अध्यक्ष जितेश दक, हनुमंतनगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र आंचलिया, महिला मंडल विजयनगर अध्यक्षा महिमा पटावरी अन्य पदाधिकारीगण एवं श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

धर्म चर्चा का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हासन में शुक्रवार को धर्म चर्चा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। वक्ता प्राशिक्षिका ज्ञानशाला ममता कोठारी ने संचालन एवं आचार्य श्री भिक्षु के जीवन इतिहास पर अद्भुत जानकारी दी। ज्ञानशाला प्रशिक्षिका संतोष भंसाली ने इसके बाद आचार्य श्री तुलसी के जीवन इतिहास के बारे में जानकारी दी। टीपीएफ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने सभा को संबोधित किया और कार्यक्रम में योगदान के लिए वक्ताओं का धन्यवाद किया। मलनाड समिति के अध्यक्ष महावीर भंसाली ने भी इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए टीपीएफ की सराहना की। टीवाईपी के अध्यक्ष नितेश सुराणा ने इस तरह के और अधिक आयोजन करने पर जोर दिया और हर रविवार को इस तरह के सत्र आयोजित करने की सिफारिश की। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सोहन लाल तातेड़, टीपीएफ के उपाध्यक्ष सुरेश तातेड़, पूर्व सभा अध्यक्ष और टीपीएफ सदस्य जयंतीलाल कोठारी, तेयुप मंत्री मनीष तातेड़ और महिला मंडल सदस्य, टीपीएफ मंत्री प्रणव कोठारी भी कार्यक्रम का हिस्सा थे।

गुरुकुल विद्यापीठ में अन्नदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ परिषद के त्रि-आयामी कार्यक्रम सेवा, संगठन, संस्कार के अंतर्गत तेयुप राजराजेश्वरी नगर द्वारा अन्नदान सेवा कार्य का आयोजन किया गया। अध्यक्ष विक्रम महेर की अध्यक्षता में गुरुकुल विद्यापीठ कंगेरी में अध्यन कर रहे विद्यार्थियों के लिए नाश्ते (अल्पाहार) की व्यवस्था की गई। यह सेवा कार्य प्रीति मुलगे स्वर्गीय पति किरण मुलगे के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में प्रायोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान से हुई। परिषद अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया और बताया कि परिषद समय-समय पर ऐसे सेवा कार्यों का आयोजन कर मानव सेवा के कार्य करती है। इस अवसर पर स्कूल के संचालिका ने तेयुप सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। सभी बच्चों ने प्रसन्नतापूर्वक तेयुप सदस्यों को धन्यवाद दिया। सहमंत्री महेश मांडोत का विशेष सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार दिल्ली के लिए हुए रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं और विभिन्न पार्टी व सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए दो दिन दिल्ली में रहेंगे। पिछले एक महीने में सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार का यह पाँचवाँ दिल्ली दौरा है। हालाँकि ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों नेता विभिन्न पार्टी बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि वे सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रहे हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि दिल्ली में दोनों के बीच की नाराजगी को दूर करने की कवायद चल रही है। नेतृत्व के मुद्दे को

लेकर डी.के. शिवकुमार गुट द्वारा सिद्धरामैया के खिलाफ कई तरह की अफवाहें फैलाई गई थीं। दिल्ली के नेताओं के साथ चर्चा से पहले, सिद्धरामैया ने कहा था कि वह पाँच साल तक सत्ता में बने रहेंगे और डी.के. शिवकुमार को ज्यादा विधायकों का समर्थन नहीं है। इसके बाद, सिद्धरामैया ने विधायकों और जिला प्रभारी मंत्री के साथ बैठक से डी.के. शिवकुमार को बाहर कर दिया था। हालाँकि इसे सामान्य दिखाने की कोशिश की गई, लेकिन यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सामंजस्य नहीं है। एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बेंगलूरु में विधायकों और मंत्रियों के साथ एक अलग बैठक की और कुछ राय ली। इसके बाद, सिद्धरामैया ने विधायकों और मंत्रियों के संबंध में एक बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद और आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी मौजूद थे। पार्टी के एक प्रमुख नेता डी.के. शिवकुमार को बैठक में शामिल न किए जाने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएँ हुईं। मुख्यमंत्री ने 7 अगस्त को होने वाली रामनगर जिले के विधायकों और मंत्रियों की बैठक में डी.के. शिवकुमार को आमंत्रित किया है। इससे ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री का यह मानना है कि डी.के. शिवकुमार भी सभी विधायकों की तरह एक विधायक हैं। यही कारण है कि डी.के. शिवकुमार गुट में उथल-पुथल मची हुई है और अंदर ही अंदर असंतोष पनप रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला बेंगलूरु पहुँच चुके हैं और उन्होंने 5 अगस्त को बेंगलूरु में होने वाले विशाल विरोध प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर बैठक और स्थल का निरीक्षण किया है। इस समय भी, ऐसा लग रहा है कि डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया के बीच सुलह नाममात्र की ही हुई है। नेतृत्व के मुद्दे पर दोनों के बीच शुरू से ही परोक्ष टकराव रहा है और दिल्ली में बार-बार मध्यस्थता बैठकें करने की नौबत आ गई है।

फर्जी खबरें फैलाने के खिलाफ बनेगी सख्त कानून: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने फर्जी खबरों और नफरत भरे प्रचार के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। राज्य की मुख्य सचिव शालिनी राजनीश, पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम, आंतरिक सुरक्षा के पुलिस महानिदेशक प्रणव मोहंती और अन्य अधिकारी विधान सौधा स्थित गृह मंत्री के कार्यालय में मौजूद थे।

राज्य सरकार देश भर में एक बड़ी समस्या बन चुके फर्जी खबरों, ऑनलाइन जुए, अभद्र भाषा और भावनात्मक उकसावे के खिलाफ सख्त कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पिछले विधानसभा सत्र में विधायकों ने ऑनलाइन गेम्स के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया था। बाद में, कुछ घटनाओं में ऑनलाइन गेम्स के आदी कुछ लोगों द्वारा आत्महत्या करने के मामले सामने आए। सरकार अगले सत्र में सख्त कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी तरह, फर्जी खबरें और अफवाहें सार्वजनिक क्षेत्र में शांति भंग का कारण बन रही हैं। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि बैठक में इन पर लगाम लगाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंत्री परमेश्वर ने गृह विभाग द्वारा बनाए जाने वाले नियमों पर सुझाव दिए।

एनडीआरएफ नेत्रावती नदी के किनारे लापता युवक की गहन खोज में शामिल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के कदेशवाल्या निवासी हेमंत आचार्य के लापता होने के चार दिन बाद, नेत्रावती नदी के किनारे विशेषज्ञ गोताख-ोर ईश्वर मालपे और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम के नेतृत्व में व्यापक खोज अभियान चल रहा है। एनडीआरएफ की एक टीम स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए बंटवाल पहुँची थी।

हेमंत को आखिरी बार 27 जुलाई को देखा गया था और 28 जुलाई को बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 29 जुलाई को, उनका दोपहिया वाहन

जकरीबेट्टू के पास लावारिस हालत में मिला, जिसमें उनका मोबाइल फोन भी पड़ा था, जिससे डूबकर आत्महत्या के प्रयास की आशंका बढ़ गई है। मंगलवार से, गोताखोर निसार, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों, और शहरी एवं ग्रामीण पुलिस थानों की टीमों के साथ स्थानीय बचाव अभियान नदी के किनारे के इलाके में तलाशी अभियान चला रहा है। अग्निशमन कर्मियों ने बुधवार तक प्रयास जारी रखा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार को गोताखोर ईश्वर मालपे और एनडीआरएफ ने सुबह से दोपहर तक गहन खोजबीन की, लेकिन कोई महत्वपूर्ण सुराग नहीं मिला। खोज देर रात तक जारी रही। मौके पर बोलते हुए, ईश्वर मालपे ने कहा हम इस उम्मीद में खोज कर रहे हैं कि हेमंत जीवित है। लेकिन अगर वह डूब गया है, तो हमारा लक्ष्य उसे जल्द से जल्द ढूंढ निकालना है। यह निराशा-जनक है कि आजकल इतने सारे युवा आत्महत्या की ओर रुख कर रहे हैं। मैं सभी से आग्रह करता हूँ0कृपया, ऐसे अतिवादी कदम न उठाएँ। कई नेता और स्वयंसेवक घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने बचाव दल को सहायता प्रदान की। उपस्थित लोगों में भाजपा बंटवाल मंडल के सचिव सुदर्शन बाज और शिवप्रसाद शेट्टी, भाजपा नेता रवि शेट्टी करकला, शशिकांत शेट्टी आरमुडी, कार्तिक बल्लाल, हरीश शेट्टी हदुकड़े, शिवाला ग्राम पंचायत सदस्य सनथ अल्वा और भाजपा युवा मोर्चा के महासचिव संपत सुवर्णा शामिल थे।

भगदड़ मौत मामला : बी दयानंद को एडीजीपी जेल नियुक्त किया गया, विकास कुमार का निलंबन रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद हुए बड़े फेरबदल में, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी. दयानंद को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), कारागार नियुक्त किया गया है। साथ ही, राज्य सरकार ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिम) विकास कुमार का निलंबन भी रद्द कर दिया है। यह फैसला पुलिस महानिदेशक (कारागार) मालिनी कृष्णमूर्ति के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद आया है। दयानंद, जो निलंबित थे और नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे थे, को अब तत्काल प्रभाव से एडीजीपी, कारागार के पदावनत पद पर नियुक्त किया गया है। दयानंद और विकास, दोनों उन

पाँच अधिकारियों में शामिल थे जिन्हें 4 जून को स्टेडियम में एक कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ के बाद निलंबित कर दिया गया था। इस भगदड़ में भीड़ के बढ़ने से 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। राज्य सरकार ने पहले दयानंद और विकास को छोड़कर अन्य अधिकारियों को बहाल कर दिया था। विकास का निलंबन उच्च न्यायालय में लंबित जाँच के कारण जारी रहा। हालाँकि, विकाश द्वारा दायर एक याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने निलंबन आदेश को रद्द कर दिया था और राज्य को व्यवहार में समानता लाने का निर्देश दिया था। हालाँकि सरकार ने कैट के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, लेकिन अब उसने विकाश का निलंबन भी रद्द कर दिया है। इस बीच, घटना के दौरान पुलिस उपायुक्त (मध्य) रहे शेखर एच. टेक्कन्नावर को बेंगलूरु में खुफिया विभाग का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। दो अन्य अधिकारियों – तत्कालीन सहायक पुलिस आयुक्त (कब्बन पार्क) सी. बालकृष्ण और तत्कालीन कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन निरीक्षक ए. के. गिरीश – का निलंबन भी हटा दिया गया है। उनकी नई तैनाती की घोषणा अभी बाकी है। सरकार ने स्पष्ट किया कि औपचारिक अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू होने तक निलंबन रद्द कर दिया गया है।

अन्नदाताओं की पूरी तरह अनदेखी करने वाली किसान विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को शिवमोग्गा में भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, जिसने केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए उर्वरक और यूरिया को कालाबाजारी के दामों पर बेचकर किसानों के साथ धोखाधड़ी की है। राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों की निंदा की गई, जो जिले के बागर हुकुम किसानों को लगातार परेशान कर रही है और एक भी किसान हितैषी योजना को लागू किए बिना लापरवाह रवैया अपना रही है। शिवमोग्गा जिला भाजपा रायता मोर्चा द्वारा शिवमोग्गा शहर के गोपी सर्कल से जिला कलेक्टर कार्यालय तक एक विशाल विरोध मार्च निकाला गया, जिसमें राज्य कांग्रेस सरकार की किसान विरोधी नीति की निंदा की गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शिकारीपुरा विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, शिवमोग्गा लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र, राज्य उपाध्यक्ष हरतालू हलप्पा, पूर्व गृह मंत्री, विधायक अरगा ज्ञानेंद्र, पूर्व विधायक के.बी. अशोक नाइक, राज्य रायता मोर्चा महासचिव डॉ. नवीन ने विरोध मार्च में भाग लिया और विरोध प्रदर्शन को संबोधित किया। इस अवसर पर राज्य सचिव, विधान परिषद सदस्य डी.एस. अरुण, शिवमोग्गा शहर के विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, विधान परिषद सदस्य डॉ. धनंजय सरजी, पूर्व विधायक स्वामी राव, आर.पी.ई. सिद्धारमन्ना, जिला अध्यक्ष एन.के. जगदीश, जिला के तत्काल पूर्व अध्यक्ष टी.डी. मेघराज, राज्य प्रकोष्ठ समन्वयक एस. दत्तात्री, रायता मोर्चा जिला महासचिव गणेश बिलाकी, कुमार नायडू, जिला उपाध्यक्ष, जिला महासचिव, मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी, रायता मोर्चा पदाधिकारी, निर्वाचित प्रतिनिधि, पार्टी नेता, तालुक किसान नेता, जिले के किसान और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धूम्रपान क्षेत्र रहित बारों को नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी ने शहर के सैकड़ों होटलों, बार और रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने धूम्रपान क्षेत्र नहीं बनाए हैं। तंबाकू नियंत्रण अधिनियम के तहत बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 412 होटलों, बार और रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किए गए हैं। यह नोटिस नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किया गया है, जिसमें उनसे तुरंत धूम्रपान क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया गया है।

शहर के अधिकांश बार, होटल और रेस्टोरेंट में धूम्रपान क्षेत्र नहीं हैं। बीबीएमपी के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि तंबाकू नियंत्रण अधिनियम के तहत धूम्रपान क्षेत्र अनिवार्य हैं, इसलिए यह नोटिस जारी किया जा रहा है। 30 से अधिक सीटों वाले पब, बार, रेस्टोरेंट और होटलों में धूम्रपान क्षेत्र बनाना अनिवार्य है। हालाँकि, शहर के सैकड़ों होटलों, बार और रेस्टोरेंट में धूम्रपान क्षेत्र नहीं हैं।

इस संदर्भ में, निगम ने शहर के 412 पब, बार, होटल और रेस्टोरेंट को नोटिस जारी कर उन्हें 7 दिनों के भीतर धूम्रपान क्षेत्र स्थापित करने को कहा है। यदि समय सीमा के भीतर धूम्रपान क्षेत्र स्थापित नहीं किए गए तो उनके व्यापार लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

आठवीं कक्षा के छात्र की हत्या, पुलिस ने गोलीबारी कर दो अपहरणकर्ता-हत्यारों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के बन्नेरघट्टा जंगल में गुरुवार शाम को फिरौती के लिए अपहृत 13 वर्षीय निश्चिथ ए. का अधजला शव मिलने के कुछ घंटों बाद, पुलिस ने दो कथित अपहरणकर्ता-हत्यारों के पैरों में गोली मार दी। दोनों को उसी जंगल से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में बन्नेरघट्टा रोड निवासी 25 वर्षीय शिवप्रकाश शामिल है, जो कथित तौर पर पहले ड्राइवर का काम करता था और लड़के और उसके माता-पिता को जानता था, और 27 वर्षीय गोपी। दोनों कथित तौर पर बिलवरदहल्ली के पास बन्नेरघट्टा जंगल में छिपे हुए थे, जहाँ लड़के का शव मिला था। जब पुलिस उन्हें पकड़ने गई, तो उन्होंने कथित तौर पर पुलिस अधिकारियों पर चाकू और खंजर से हमला करने की कोशिश की और भागने की कोशिश की। शिवप्रकाश के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि गोपी के दाहिने पैर में गोली लगने से पहले ही उनकी गिरफ्तारी हो गई। दोनों आरोपियों का विक्टोरिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। माना जा रहा है कि आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

शिवप्रकाश ने पहले लड़के की माँ से दोस्ती की और उसके जरिए पीड़ित को भी जान लिया। पारिवारिक पृष्ठभूमि जानने के बाद,

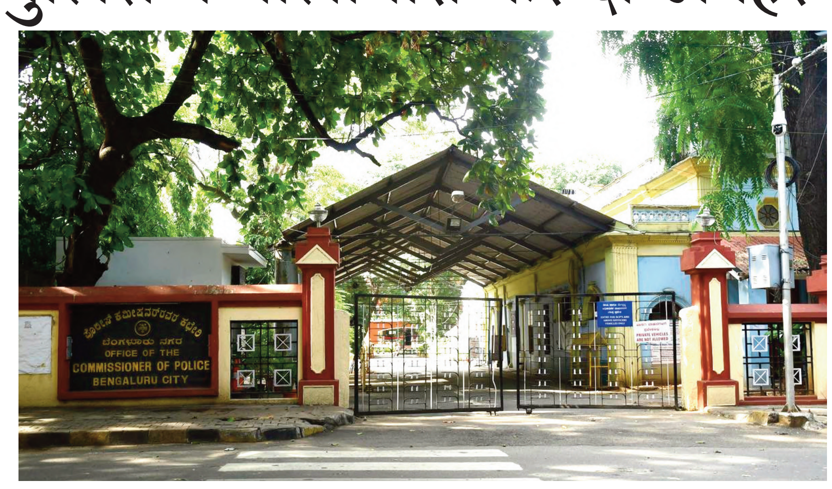

उसने लड़के का अपहरण कर लिया और उसकी माँ को व्हाट्सऐप पर एक संदेश भेजकर लड़के को छोड़ने के लिए 5 लाख की फिरौती माँगी। हालाँकि, चूँकि लड़का उसे जानता था, इसलिए वह कथित तौर पर इस डर से घबरा गया कि अगर उसे छोड़ दिया गया तो लड़का उसे पहचान लेगा, और उसने खंजर से उसका गला काट दिया।

फिर, उसने शव को जलाकर सबूत मिटाने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि उन्हें शिवप्रकाश के एक अन्य साथी के शामिल होने का संदेह है और वे उसकी तलाश कर रहे हैं। 13 वर्षीय निश्चिथ ए. 30 जुलाई की रात को ट्यूशन क्लास से घर लौटते समय लापता हो गया था। जब उसके माता-पिता उसकी तलाश कर रहे थे, तो उन्हें अरकेरे पार्क के पास उसकी साइकिल मिली। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिली है जिसमें लड़का एक आरोपी के साथ बाइक पर पीछे बैठा हुआ है। अगले दिन, लड़के की माँ को व्हाट्सऐप पर 5 लाख की फिरौती का एक मैसेज मिला, जिससे अपहरणकर्ताओं के बारे में सुराग मिला। हालाँकि, पुलिस उन्हें पकड़ पाती, उससे पहले ही 31 जुलाई को शाम लगभग 5 बजे बन्नेरघट्टा के जंगल में लड़के का अधजला शव बरामद हुआ।

मडिगा समुदाय के लोगों ने किया आंदोलन

हम जानते हैं कि अगर हम सड़कों पर उतरेंगे तो आपको घर भेज देंगे: ए. नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी ने चेतावनी दी है कि अगर आंतरिक आरक्षण तुरंत लागू नहीं किया गया, तो मडिगा लोग राज्य सरकार के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू करेंगे। कर्नाटक मडिगा संगठन महासंघ द्वारा फ्रीडम पार्क में आंतरिक आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मडिगा लोग अब और इंतजार नहीं करेंगे।

वे तुष्ट नहीं होंगे। वे अगले चुनाव तक इंतजार नहीं करेंगे। राज्य के सभी जिलों में संघर्ष चल रहा है। उन्होंने बताया कि दलगत मतभेदों को भुलाकर संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा का संघर्ष नहीं है। उन्होंने पूछा कि कर्नाटक सरकार के लिए कुर्सी जरूरी है या समस्याएँ। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार के लिए विकास जरूरी है या कुर्सी। मडिगा लोगों को न्याय नहीं मिला है। हमारा धैर्य टूट गया है। हम अब और इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अगर हम सड़कों पर उतरेंगे, तो हमें पता है कि आपको घर भेज दिया जाएगा। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि अगर आप 1976 से मडिगाओं के साथ हुए अन्याय की रिपोर्ट देंगे, तो मुख्य सचिव बैठक नहीं करेंगे। आरक्षण केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं है। लगभग 40 वर्षों से हो रहे अन्याय को देखते हुए आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कई दशकों से हो रहे अन्याय को देखते हुए और आरक्षण नहीं दिया गया, तो राज्य के मडिगा संघर्ष के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने मांग की कि सभी बकाया राशि का भुगतान किया जाए। अगर पुराने बकाया का भुगतान नहीं किया गया, तो वे उग्र संघर्ष करेंगे। आज राज्य के 26 जिलों में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन हो रहा है। यह मडिगाओं की जागरूकता का संकेत है। उन्होंने कहा कि इस राज्य के कई विधायक यह याद दिलाना चाहते हैं कि मडिगाओं के वोट के बिना विधायक बनना असंभव है। उन्होंने आलोचना की कि जिन लोगों ने मडिगाओं के वोट प्राप्त किए और विधान सभा की सीढ़ियाँ चढ़ीं, उनकी जुबान फिसल गई है। क्या इसमें कहा गया है कि इस देश के मडिगाओं को आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने सवाल किया वे जिला पंचायत और अन्य संस्थाओं के चुनावों में आरक्षण की बात करते हैं। इस राज्य और देश के शोषित वर्ग, अछूत मडिगाओं के साथ आजादी के बाद से लगातार अन्याय होता रहा है। कई मडिगा बच्चे बिना पैसे के एमबीबीएस नहीं कर पा रहे हैं। क्या आप यह सब समझते हैं? उन्होंने पूछा कि सबको न्याय दिलाने की बात कहने वाले समाजवादी मुख्यमंत्री किस बात के हिमायती हैं? उन्होंने आपत्ति जताई कि पिछड़े मडिगाओं को सभी मोर्चों पर एक भी योजना नहीं दी गई है। मडिगा हर जगह पिछड़े हैं। आपका समाजवाद कहाँ चला गया?

केंद्र उत्तर कर्नाटक में राजमार्गों के उन्नयन में सहयोग करेगा: जगदीश शेट्टर

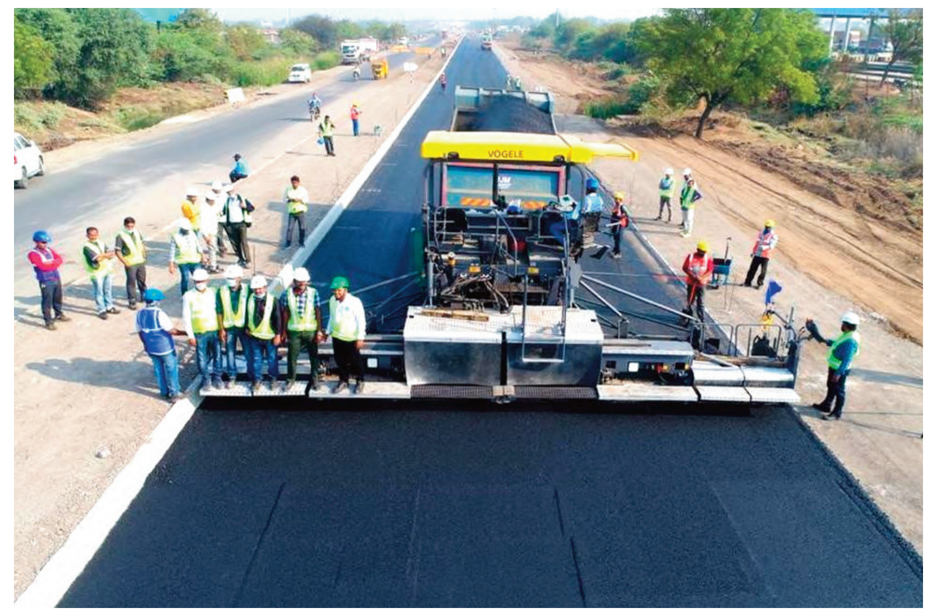

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर कर्नाटक के तीन राज्य राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्गों में उन्नत करने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का वादा किया है। शेट्टर ने दो दिन पहले नई दिल्ली में गडकरी से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर को बताया कि परियोजनाओं को मामला-दर-मामला आधार पर मंजूरी दी जाएगी, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि कर्नाटक सरकार इन परियोजनाओं पर कितनी तेजी से काम करती है। तीनों परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 1,775 करोड़ है। इन परियोजनाओं में सड़कों के आकार और गुणवत्ता में सुधार, और रास्ते में सहायक बुनियादी ढाँचा और यात्री सुविधाएँ प्रदान करना शामिल है। परियोजना प्रस्तावों में किमी 348.30 और किमी 355.18 के बीच के खंड को दो लेन से चार लेन में उन्नत करना और 60 किमी लंबे चार लेन वाले संकेश्वर-हुक्केरी-घाटप्रभा-गोकक-मनोली-सौंदत्ती-धारवाड़ मार्ग का उन्नयन शामिल है। प्रस्ताव के अनुसार, इन्हें राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में विकसित करने से क्षेत्र में यातायात की भीड़भाड़ और सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

राग द्वेष को दूर करके आत्मा को हल्का करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मृत्यु आने वाली है यह निश्चित है। हमें परमात्मा से प्रार्थना करना है कि हमारी मृत्यु महोत्सव बन जाए। हमें हर क्षण प्रतिपल परमात्मा में मग्न बनना है।

हमें परमात्मा की शरण में हर क्षण रहना है। जैसे परमात्मा राग द्वेष से मुक्त बनकर वितरागी बने, इसी प्रकार हमें भी राग द्वेष को दूर करके हमारी आत्मा को अगली यात्रा के लिए हल्का करना है। हमें पर से स्व में आकर हमारी आत्मा का चिंतन करना है। हमें अपनी आत्मा में रहे शुद्ध ज्ञान का उपयोग करके हमारे अपने ज्ञान के पटल को खोलना है। हम विषय वासना से दूर होकर अपनी आत्मा को निर्मल बनाएंगे और हमारे जीवन को साक्षी भाव में लाने के लिए मार्गानुसारी जीवन में प्रवेश करेंगे। जीवन में धर्म और संस्कार है तो जीवन में आनंद ही आनंद होगा, अगर यह नहीं है तो जीवन नीरस होगा और आत्मा का कल्याण विरल है। रविवार को गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी महाराज साहब के मार्गदर्शन में नुक्कड़ नाटिका 'सोशल मीडिया- एक भ्रमजाल' विषय पर आयोजित की जाएगी जिसमें अनेक किशोर बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

धर्मस्थल मामले में 7वें स्थल पर खुदाई शुरू

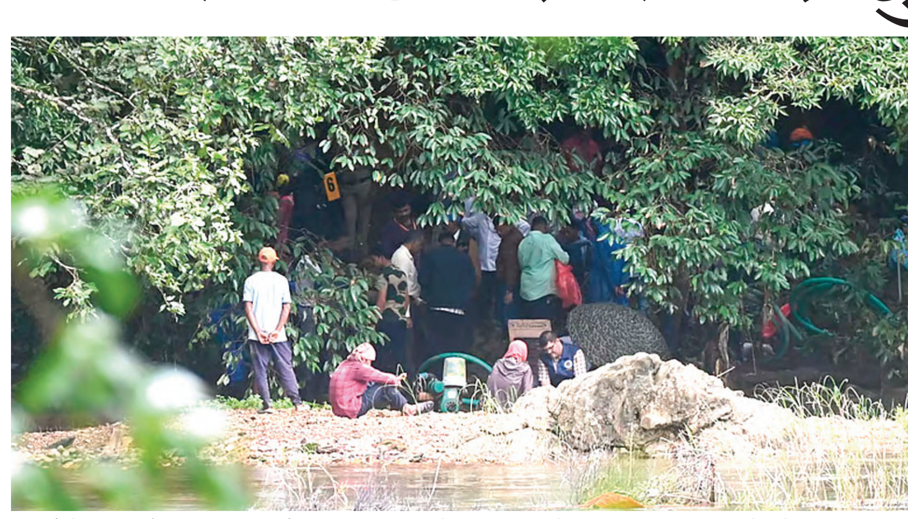

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल के आसपास के कब्रिस्तानों में खुदाई का काम जारी है और बिंदु 6 पर गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बिंदु 7 पर भी खुदाई शुरू हो गई है। बिंदु 6 पर 7 फीट खुदाई के बाद, बताया जा रहा है कि न केवल 12 हड्डियाँ, बल्कि एक पूरा कंकाल भी मिला है, जिसके किसी पुरुष का होने का संदेह है। पूरे कंकाल के अवशेष एकत्र कर लिए गए हैं। हड्डियों को उडुपी के केएमसी मेडिकल कॉलेज में एकत्र किया गया है और संभावना है कि उन्हें आगे की जाँच के लिए बेंगलूरु या किसी अन्य फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि कंकाल के बारे में सटीक जानकारी मिलने के बाद एसआईटी अधिकारी आगे की कार्रवाई करेंगे। बिंदु 6 की खुदाई के दौरान, अज्ञात शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर खुदाई रोक दी और 3 फीट खुदाई के बाद कोई शव न मिलने पर किसी अन्य स्थान पर खुदाई करने का सुझाव दिया। हालाँकि, अधिकारियों ने हार नहीं मानी और एक जेसीबी मँगवाई और लगभग 7 फीट खुदाई की, और कंकाल मिल गया। एसआईटी अधिकारियों ने छठे और सातवें स्थान पर भी खुदाई की। पहले स्थान पर मिले पहचान पत्रों की जाँच की गई तो उनमें सुरेश नाम के एक व्यक्ति का नाम मिला। एसआईटी अधिकारियों ने उस नंबर पर कॉल किया तो वह बंद था। जानकारी के आधार पर, जब उन्होंने सुरेश नाम के व्यक्ति की तलाश की, तो पता चला कि वह नेलमंगला तालुका के एक गाँव का रहने वाला था। हालाँकि, कुछ दिन पहले सुरेश की अस्थमा से मृत्यु हो गई थी और उसके परिवार वालों ने बताया था कि उसका अंतिम संस्कार उसके ही गाँव में किया गया था। अगर ऐसा है, तो इस बात पर संदेह होने लगा है कि सुरेश से जुड़े दस्ता-वेज कैसे मिले। छठे स्थान के अलावा, शुक्रवार को सातवें स्थान पर भी खुदाई की जा रही है, जिसकी पहचान एक अज्ञात व्यक्ति ने की थी। खुदाई के दौरान मिली हड्डियों और अन्य वस्तुओं को एकत्रित किया जा रहा है, मौके पर ही पंचनामा रिपोर्ट तैयार की जा रही है और उप-विभागीय अधिकारी व तहसीलदार सहित राजस्व अधिकारियों के हस्ताक्षर लिए जा रहे हैं। एसआईटी प्रमुख प्रणव मोहंती ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से मुलाकात की। उन्होंने अब तक हुई खुदाई में उपलब्ध जानकारी गृह मंत्री के साथ साझा की। इसके अलावा, प्रणव मोहंती का नाम राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय सेवा में जाने वाले अधिकारियों की सूची में भी है। इसलिए, इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति है कि क्या वह केंद्रीय सेवा में जाएंगे या राज्य में ही रहकर एसआईटी में बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि इस संबंध में गृह मंत्री से मिले प्रणव मोहंती ने अपनी राय साझा की।

कर्नाटक में बाल गर्भावस्था में चिंताजनक वृद्धि दर्ज

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े चौंकाने वाले

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में बाल गर्भधारण की संख्या में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा अप्रैल 2024 और मई 2025 के बीच किए गए एक सर्वेक्षण के आधार पर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। हजारों लड़कियाँ, जिनमें से कई स्कूल जाने वाली उम्र की हैं, गर्भवती पाई गई हैं - जिनमें 8, 9 और 10 साल की छोटी लड़कियाँ भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक साल की अवधि में कुल 31,663 लड़कियाँ गर्भवती हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इनमें 9 से 12 साल की उम्र की 33 लड़कियाँ शामिल हैं, जो एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य सेवा संकट का संकेत है। सरकार के प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य (आर-सीएच) पोर्टल के आंकड़े बेहद परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं। 2024-2025 की अवधि के दौरान 9 साल की 16 लड़कियाँ, 10 साल की 7 लड़कियाँ, 11 साल की 4 लड़कियाँ और 12 साल की 8 लड़कियाँ गर्भवती पाई गईं। इन मामलों में ऐसे बच्चे शामिल हैं जो मातृत्व की शारीरिक और भावनात्मक जिम्मेदारियों को उठाने के लिए बहुत छोटे हैं। किशोरावस्था में यह संख्या तेजी से बढ़ी है। 13 से 17 वर्ष की आयु की कुल 5,037 लड़कियाँ गर्भवती पाई गईं, जबकि 18 वर्ष की आयु की लड़कियों में यह संख्या 26,393 है। इसके अतिरिक्त, 19 वर्ष की लड़कियों में 198 गर्भधारण दर्ज किए गए। ये आँकड़े एक चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर करते हैं जहाँ हजारों लड़कियाँ, जिनमें से कई अभी भी स्कूल जाती हैं, समय से पहले माँ बन रही हैं। इसी अवधि के जिलेवार आँकड़े बताते हैं कि बेंगलूरु शहरी क्षेत्र 3,271 मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद बेलगावी 3,158, विजयपुरा 2,278, रायचूर 2,012 और मैसूरु 1,623 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। महत्वपूर्ण संख्या वाले अन्य जिलों में बागलकोट (1,092), बल्लारी (1,077), बीदर (1,016) और चित्रदुर्ग (1,246) शामिल हैं। ये आँकड़े शहरी और ग्रामीण कर्नाटक दोनों में इस संकट की व्यापक प्रकृति को दर्शाते हैं।

विशेषज्ञों ने बाल गर्भधारण की बढ़ती संख्या के लिए बाल विवाह, यौन शोषण, शिक्षा की कमी और सामाजिक-आर्थिक कमजोरियों को जिम्मेदार ठहराया है। कुछ परिवार, गरीबी या सामाजिक दबाव के कारण, अपनी बेटियों की शादी बहुत कम उम्र में कर देते हैं, खासकर बेल-गावी, बागलकोट और विजयपुरा जैसे उत्तरी जिलों में। कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (केएससीपीसीआर) के अध्यक्ष, नागन्ना गौड़ा ने बताया कि सोशल मीडिया का प्रभाव, यौन जागरूकता की कमी और शैक्षिक अंतराल प्रमुख योगदान कारक हैं। उन्होंने कई मामलों में शोषणकारी संबंधों और यौन हिंसा की भूमिका पर भी जोर दिया। इतनी कम उम्र में गर्भधारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। इन लड़कियों में कुपोषण, एनीमिया और गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं का खतरा ज्यादा होता है, जिससे माँ और बच्चे दोनों को खतरा होता है। इसके अलावा, गर्भावस्था के कारण स्कूल छोड़ने से उनके शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक भविष्य पर असर पड़ता है, जबकि सामाजिक कलंक दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघात का कारण बनता है।

इस समस्या से निपटने के लिए, कर्नाटक सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 का सख्ती से पालन और आरसीएच पोर्टल के माध्यम से गर्भावस्था के आंकड़ों पर नजर रखना शामिल है। बाल अधिकार आयोग भी शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चला रहा है, खासकर यौन शिक्षा और गर्भनिरोधक के बारे में।

स्वास्थ्य विभाग गर्भवती नाबालिगों को चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिए काम कर रहा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्रीय कर्मचारियों की कमी और जागरूकता का कम स्तर जैसी चुनौतियाँ पूर्ण कार्यान्वयन में बाधा डालती हैं। अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि कुछ क्षेत्रों में राजनीतिक दबाव भी बाल विवाह रोकने के प्रयासों में बाधा डालता है। इस बढ़ते संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, विशेषज्ञ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हैं। सबसे पहले, बाल विवाह निषेध अधिनियम का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए ताकि कम उम्र में और अवैध विवाहों को रोका जा सके, जो अक्सर बाल गर्भधारण का कारण बनते हैं। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जाना चाहिए, जहाँ पहुँच सीमित है। किशोरियों को प्रजनन स्वास्थ्य और गर्भनिरोधक के बारे में जानकारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों में अनिवार्य यौन शिक्षा शुरू करना महत्वपूर्ण है। गर्भवती नाबालिगों की सहायता के लिए, सरकार को ऐसे परामर्श केंद्र स्थापित करने चाहिए जो मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा मार्गदर्शन दोनों प्रदान करें। अंत में, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से निपटने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, जिसे किशोरों के बीच कम उम्र में और असुरक्षित संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचाना गया है।

ट्रंप को सबक सिखा सकते हैं भारत के छोटे व्यापारी-किसान: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर आश्चर्य जताया। उन्होंने कहा अन्य सभी लोगों की तरह मैं भी ट्रंप के भारत और भारतीय अर्थव्यवस्था पर बेवजह बयानों से हैरान हूं। मुझे नहीं लगता कि आधुनिक इतिहास में किसी देश को ऐसा कोई राष्ट्राध्यक्ष मिला है, जो इतना अस्थिर, असभ्य और गैर-जिम्मेदार रहा हो। उन्होंने आगे कहा भारत का एक छोटा व्यापारी और गरीब किसान भी सम्मान, ईमानदारी और मानवता के साथ अपना व्यवसाय करता है। वह भी ट्रंप को सबक सिखा सकता है। देवेगौड़ा ने कहा, जैसे बाकी लोग हैरान हैं, वैसे ही मैं भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बेबुनियाद और आक्रोश भरे बयानों से आश्चर्यचकित हूं। मुझे नहीं लगता कि आधुनिक इतिहास में किसी दूसरे राष्ट्र प्रमुख ने इतनी अस्थिर, असभ्य और गैर-जिम्मेदाराना बातें की होंगी। उन्होंने आगे कहा, ट्रंप ने सिर्फ भारत के साथ नहीं, बल्कि दुनिया के बाकी देशों के साथ भी गलत व्यवहार किया है। उन्होंने अपने पुराने और करीबी सहयोगी देशों को भी नहीं छोड़ा है। ऐसा लगता है कि उनके व्यवहार में कुछ बुनियादी गड़बड़ी है, जिसे तर्क, कूटनीति या शासन कौशल से समझना और सुधारना मुश्किल है। उनके इस आक्रोश भरे रवैये पर और ज्यादा कुछ कहना शायद हमारे अपने स्तर को गिराने जैसा होगा। भारत का एक छोटा व्यापारी या गरीब किसान भी उन्हें बहुत कुछ सिखा सकता है, जो बहुत सम्मान और ईमानदारी से काम करता है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा भारत एक संप्रभु, विविधताओं से भरा और लोकतांत्रिक देश है। आजादी के बाद से भारत ने हमेशा अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय हित में फैसले लिए हैं। भारत के पास ईश्वर-प्रदत्त ताकत और क्षमता है कि वह हर मुश्किल का सामना कर सके और पहले से ज्यादा मजबूत बनकर उभरे। मुझे इस बात की खुशी और गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं किया है। राज्यसभा सदस्य देवेगौड़ा ने कहा, भारत ने ट्रंप की धमकियों के आगे झुकने की कोई भी कोशिश नहीं की, बल्कि साफ कर दिया है कि हम किसी भी धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। इसके उलट, (नरेंद्र) मोदी सरकार ने भारतीय कृषि क्षेत्र और छोटे-मझोले कारोबारों की पूरी तरह से रक्षा की है, जिन पर देश की आधी से ज्यादा आबादी निर्भर है। मोदी सरकार के इस मजबूत रुख से देश में एक ऐतिहासिक स्तर पर राष्ट्रीय पुनर्जागरण की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इस समय दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगर ट्रंप ने हमारी अर्थव्यवस्था को 'मरी हुई' कहा है, तो या तो वह अंधे हैं या उन्हें सही जानकारी नहीं है। मैं विपक्ष के उन नेताओं को भी एक चेतावनी देना चाहता हूं, जो ट्रंप के बयानों से खुश होकर जैसे-तैसे उनके प्रवक्ता बन गए हैं। मैं उनकी निराशा को समझता हूं, लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे खुद को, अपनी पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं और जल्द ही वे ट्रंप के साथ इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिए जाएंगे।

खराब मौसम के कारण अधर में अमरनाथ और वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू, 01 अगस्त (ब्यूरो)।
पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में खराब मौसम का सबसे ज्यादा असर वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्राओं पर भी हुआ है। जहां वैष्णो देवी की यात्रा में शिरकत करने वालों की संख्या लगातार कम हो रही है वहीं अमरनाथ यात्रा के जत्थों को जम्मू से भेजना अब स्थगित कर दिया है। बारिश और खराब मौसम की मार माता वैष्णो देवी के भक्तों पर भी पड़ी है। लगातार हुई बारिश की वजह से यात्रियों की संख्या में गिरावट देखी गई है। वहीं, मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए हेलिकाप्टर सेवा पर भी रोक लगा दी गई है। यह इसी से स्पष्ट होता है कि बुधवार को माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या 20,998 थी, जो गुरुवार को शाम 5 बजे तक गिरकर 15,200 पर आ गई।

गुरुवार को दर्शन के लिए होने वाले रजिस्ट्रेशन में गिरावट देखी गई है। मौसम में सुधार के बावजूद माता वैष्णो देवी यात्रा में गुरुवार को हेलिकाप्टर सेवा संचालित नहीं हो सकी, दिन भर त्रिकुटा पर्वत पर बादल छाए रहे। इसकी वजह से कई श्रद्धालुओं को पैदल, घोड़ा, पिट्ठू अथवा पालकी से यात्रा करनी पड़ी। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी अमरनाथ यात्रा स्थगित रही। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। यात्रा के लिए बाहर से आए तीर्थयात्रियों को मौसम की स्थिति की समीक्षा के बाद पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों की आगे की यात्रा के लिए उच्च सुरक्षा वाले भगवती नगर आधार शिविर में ठहराया गया है।

3 जुलाई को घाटी से शुरू हुई 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के बाद से 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में भगवान शिव के बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा सूचना अधिकारी ने बताया कि जम्मू से गुफा मंदिर की यात्रा आज स्थगित रही। एहतियाती उपायों के अलावा खराब मौसम को देखते हुए ऐसा किया गया है। जम्मू से अमरनाथ की ओर किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। यह दूसरी बार है जब जम्मू से यात्रा स्थगित की गई है। 17 जुलाई को कश्मीर के दोनों आधार शिविरों में भारी बारिश के कारण यात्रा रद्द कर दी गई थी।

तीन साल बाद अपनी ही पार्टी से आजाद हो जाएंगे गुलाम नबी आजाद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 अगस्त।
पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद अपनी ही पार्टी से तीन साल के उपरांत आजाद होने जा रहे हैं। फिलहाल उनकी पार्टी डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी–डीपीएपी में उनके सिवाय कोई नेता इसलिए नहीं बचा है क्योंकि कुछ महीने पहले उन्होंने सभी समितियों को भंग कर दिया था। 26 सितंबर 2022 को गठित डीपीएपी का अस्तित्व पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान ही खतरे में इसलिए आ गया था क्योंकि उनकी पार्टी के अधिकतर नेता उनका साथ छोड़ने लगे थे। विधानसभा चुनावों में तो हालत यह थी कि घोषणा के बावजूद खुद आजाद चुनाव मैदान में नहीं उतरे थे।

अब वे पत्रकारों से बात करते हुए खुद स्वीकार करते हैं कि जम्मू कश्मीर में राजनीति भावनाओं का खेल बन कर रह गया है और जो एक बार मंत्री पद पा लेता है वह हमेशा ही मंत्री बने रहने के लिए पाला बदलता रहता है। हालांकि वे दावा करते हैं कि वे हमेशा सच का साथ देते आए हैं जिस कारण उन्हें लगता नहीं है कि वे अपनी पार्टी के अस्तित्व को ज्यादा दिनों तक बचा कर रख पाएंगे।

उनकी पार्टी डीपीएपी के अधिकतर नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं। जबकि चर्चाओं का बाजार यह भी कहता है कि खुद गुलाम नबी आजाद अपनी पुरानी पार्टी कांग्रेस में शामिल होने के लिए राहुल गांधी से मुलाकात कर चुके हैं। फिलहाल सबकी नजरें आजाद की घोषणा पर टिकी हैं जो वे अगले कुछ दिनों में करने जा रहे हैं।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना रेप केस में दोषी करार

हाईकोर्ट शनिवार को करेगी सजा का ऐलान

बेंगलुरु, 01 अगस्त (एजेंसियां)।
कर्नाटक हाईकोर्ट ने जेडीएस के निलंबित नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में दोषी करार दिया है। बेंगलुरु की अतिरिक्त सिटी सिविल और सत्र जज संतोष गजानन भाट ने शुक्रवार (1 अगस्त 2025) को यह फैसला सुनाया। सजा की घोषणा शनिवार को होगी। फैसला सुनते ही रेवन्ना कोर्ट में फूट-फूटकर रोने लगे।

रेवन्ना पर 2021 में कोविड लॉकडाउन के दौरान अपनी नौकरानी का यौन शोषण करने और वीडियो बनाकर धमकाने का आरोप है।

पीड़िता ने डर की वजह से पहले चुप्पी साधी, लेकिन 2024 में 2,900 से ज्यादा अश्लील वीडियो लीक होने के बाद शिकायत दर्ज की। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में वीडियो फॉरेंसिक रूप से सही पाए गए। रेवन्ना पर आईपीसी की धारा 376, 354ए, 354बी, 354सी, 506, 201 और आईटी एक्ट की धारा 66ई के तहत केस दर्ज हुआ था। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद रेवन्ना जर्मनी भाग गए थे, लेकिन 31 मई को भारत लौटने पर गिरफ्तार हुए। डखढ ने अगस्त 2024 में चार्जशीट दाखिल की थी।

पाकिस्तानी लड़की से सिपाही की शादी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

जम्मू, 01 अगस्त (ब्यूरो)।
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय में कांस्टेबल मुनीर अहमद को बर्खास्त करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए एक पाकिस्तानी महिला से गुप्त विवाह, जाली दस्तावेज और संवेदनशील जानकारी छिपाने जैसे गंभीर कदाचार का हवाला दिया है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

अदालत को दिए अपने आधिकारिक जवाब में, सीआरपीएफ ने आरोप लगाया कि मुनीर अहमद ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किए बिना फरवरी 2025 में पर्यटक वीजा पर भारत आई पाकिस्तानी नागरिक मेनल खान से शादी कर ली। बल का दावा है कि अहमद ने न केवल शादी की बात छिपाई, बल्कि निकाहनामा (विवाह दस्तावेज) पर उसके जाली हस्ताक्षर भी किए। उनका तर्क है कि यह एक गंभीर कानूनी और अनुशासनात्मक उल्लंघन है। चिंता को और बढ़ाते हुए, सीआरपीएफ ने कहा कि मेनल का वीजा समाप्त हो गया था, और अधिकारियों को सूचित करने के बजाय, अहमद ने बल को सूचित किए बिना उसे दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन करने में मदद की। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद यह मुद्दा और भी गंभीर जांच के दायरे में आ गया, जब सरकार ने भारत में रहने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित करने का आदेश दिया। इसी दौरान मुनीर अहमद कथित तौर पर अपनी कानूनी स्थिति का खुलासा किए बिना छह दिनों की छुट्टी पर चले गए थे।

सीआरपीएफ ने यह भी तर्क दिया कि निकाहनामे में उस तारीख का जिक्र था जब मेनल खान कथित तौर पर पाकिस्तान में ही थीं, जिससे यह संकेत मिलता है कि दस्तावेज पर उनके हस्ताक्षर जाली थे।

बल ने जोर देकर कहा कि अहमद, अपने पद के कारण, संवेदनशील स्थानों और संचालन संबंधी जानकारी तक पहुंच रखते थे, और उनके कार्यों से सुरक्षा में संभावित सेंध लग सकती थी, खासकर ऐसे समय में जब पाकिस्तान को एक शत्रुतापूर्ण राष्ट्र माना जाता है। अपने बचाव में, मुनीर अहमद ने बर्खास्तगी को चुनौती दी है, और अपने साफ-सुथरे सेवा रिकार्ड, अपनी शादी की योजनाओं के बारे में सीआरपीएफ अधिकारियों के साथ पूर्व संवाद और अपनी पत्नी के लिए वीजा नियमितीकरण के समर्थन में भाजपा सांसदों के पत्रों का हवाला दिया है। उनका तर्क है कि उनके कार्यों से किसी भी स्पष्ट आचरण नियम का उल्लंघन नहीं हुआ और बर्खास्तगी अनुचित थी।

हालांकि, सीआरपीएफ का कहना है कि यह मुद्दा सेवा आचरण से परे राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में आता है, जिसके लिए उनके अनुसार शून्य सहनशीलता की आवश्यकता है।

बांग्लादेशी अभिनेत्री शांता पॉल कोलकाता में गिरफ्तार

दो फर्जी आधार कार्ड और भारतीय दस्तावेज बरामद

कोलकाता, 01 अगस्त (एजेंसियां)।
28 साल की बांग्लादेशी अभिनेत्री और मॉडल शांता पॉल को दो जाली आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड सहित कई फर्जी भारतीय दस्तावेजों के साथ कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शांता पॉल 2023 से कोलकाता के विजयगढ़, जाधवपुर में किराए के मकान में रह रही थी। वह बांग्लादेश के बरिशाल की रहने वाली हैं और मिस एशिया ग्लोबल प्रतियोगिता 2019 में हिस्सा ले चुकी हैं।

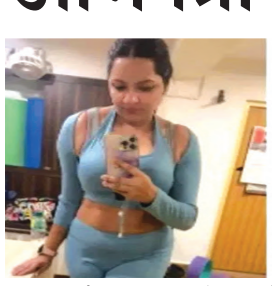

उनके पास बांग्लादेशी पासपोर्ट, एयरलाइन आईडी और ढाका की स्कूल परीक्षा का प्रवेश पत्र भी मिला। पुलिस को शक है कि वह फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए विदेश यात्रा की योजना बना रही थी। शांता ने ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी की शिकायत भी दर्ज की थी, जिसमें अलग पता बताया गया था। पुलिस ने लालबाजार डिटेक्टिव डिपार्टमेंट के नेतृत्व में छापेमारी की और दस्तावेज़ जब्त किए। अब यूआईडीएआई, चुनाव आयोग और खाद्य विभाग से दस्तावेज़ों की जांच हो रही है। शांता के पति आंध्र प्रदेश के हैं और उनके माता-पिता की भी जांच हो रही है। पुलिस को एक बड़े दस्तावेज़ रैकेट का शक है। शांता को 8 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

एनआईए ने पाकिस्तान स्थित डी-कंपनी के सहयोगी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2015 के भरूच दोहरे हत्याकांड मामले में पाकिस्तान स्थित डी-कंपनी गिरोह के सहयोगी मोहम्मद यूनुस उर्फ मंजर की दो अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, अहमदाबाद की एनआईए विशेष अदालत के आदेश पर गिरफ्तार आरोपियों की संपत्तियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूए(पी) एक्ट) की धारा 33(1) के तहत कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों में भरूच शहर के वार्ड नंबर 3, सिटी सर्वे नंबर 3614 (कुल क्षेत्रफल: 143.96 वर्ग मीटर) और सिटी सर्वे नंबर 3615 (कुल क्षेत्रफल: 29.59 वर्ग मीटर) में स्थित आवासीय घर शामिल हैं।

नोएडा में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 18 गिरफ्तार

नोएडा, 01 अगस्त (एजेंसियां)
नोएडा पुलिस ने सेक्टर-65 में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 2 महिलाओं समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया, जो विदेशी नागरिकों से लाखों की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने 23 लैपटॉप, 25 हेडसेट, 17 मोबाइल फोन, और फर्जी माइक्रोसॉफ्ट आईडी कार्ड बरामद किए।

आरोपी गूगल ऐप्स के जरिए अमेरिकी डेटा वेंडर्स से डेटा खरीदते थे और एक्स-लाइट, आईबीएम जैसे एप्लिकेशनों के माध्यम से विदेशी नागरिकों को कॉल कर माइक्रोसॉफ्ट सपोर्ट के तकनीकी विशेषज्ञ होने का दावा करते थे। वे रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए कंप्यूटर पर नियंत्रण लेकर वायरस और डेटा लीक का डर दिखाकर ठगी करते थे। पैसे ऐप या क्रिप्टोकरेंसी के जरिए वसूले जाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में ध्रुव अरोड़ा, आकाश तिवारी, तरुण, मयूर नायक, गुरविंदर सिंह, और अन्य शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह था, जिसका नेटवर्क देश के कई हिस्सों में फैला है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे का सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में 31 जुलाई 2025 को केंद्र पर एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. गंगाधर वानोडे और उनकी पत्नी श्रीमती शीला गंगाधर वानोडे का मंच पर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रदेव कवडे, अध्यक्ष, हिंदी प्रचार सभा, नामपल्ली, हैदराबाद ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. सोनबा साल्वे, डीन, फैकल्टी ऑफ आर्ट्स, इफ्लू, हैदराबाद और सम्मानित अतिथि डॉ. रेखा रानी, डॉ. सुमनलता, और डॉ. अनीता गांगुली मंच पर उपस्थित रहीं।

प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक ने स्वागत भाषण में कहा कि वे 2024 से संस्थान से जुड़े हैं और प्रो. वानोडे के मार्गदर्शन में उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उन्होंने वानोडे जी को अनुशासनप्रिय, व्यक्तित्व के धनी और एक सफल प्रशासक बताया, जिनका कार्यकाल हमेशा स्मरणीय रहेगा।

समारोह में हैदराबाद केंद्र के कर्मचारियों ने स्मृति चिह्न भेंट किए। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच, साहित्य सेवा समिति, कादंबिनी क्लब, अफगानिस्तान के विद्यार्थी फहीम जलांद, अर्मेनिया की आलिना, विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, और तेलंगाना के राजभाषा अधिकारियों ने प्रो. वानोडे को सम्मानित किया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और दिल्ली की ओर से भी उन्हें सम्मानित किया गया। नगर के हिंदी प्रेमियों, साहित्यकारों, प्राध्यापकों, और साहित्यिक संस्थाओं ने शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे ने कहा कि वानोडे जी का समर्पण और कार्य हमेशा याद किया जाएगा। संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने उनके योगदान की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. अनीता गांगुली ने हैदराबाद केंद्र के नवभूमि निर्माण और 'समन्वय दक्षिण' पत्रिका पर प्रकाश डाला। तेलंगाना साहित्य भारती की पूर्व प्रभारी डॉ. सुरभिदत्त ने हिंदी साहित्यिक गतिविधियों को गति देने में उनके योगदान की प्रशंसा की। राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त लेखक साकेत सहाय और पूर्व राजभाषा अधिकारी डॉ. वेंकटेश्वर राव ने उन्हें अजातशत्रु और समर्पित व्यक्तित्व बताया। इफ्लू की प्रो. रेखा रानी और डॉ. प्रियदर्शिनी ने उनके मैराथन नवीकरण पाठ्यक्रमों की सराहना की।

केंद्र की कार्यालय अधीक्षक डॉ. राधा ने कहा कि प्रो. वानोडे ने सभी को परिवार की तरह प्यार और सम्मान दिया। उनकी कार्यप्रणाली प्रेरणादायक है। अतिथि प्रवक्ता डॉ. दीपेश व्यास ने प्रशस्ति पत्र पढ़ा और अपने अनुभव साझा किए। पुस्तकालय लिपिक श्री सजग तिवारी ने उनके अनुशासन और कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राधा ने किया।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर सस्पेंस, केंद्र करेगा पुनर्मूल्यांकन

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को 2022 में कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' का पुनर्मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने पूछा कि क्या केंद्र सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत संपादन और कट का आदेश दे सकता है। पुनर्मूल्यांकन 6 अगस्त तक पूरा करने और कानूनी मानदंडों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सरकार पिछले आदेश को वापस ले रही है और नए सिरे से निर्णय लेगी। न्यायालय ने सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत केंद्र के अधिकार क्षेत्र की जांच की और स्पष्ट किया कि सरकार केवल सामान्य सिद्धांत जारी कर सकती है या फिल्म को प्रमाणन के लिए अयोग्य घोषित कर सकती है।

श्रद्धा, सुरक्षा और स्वावलंबन की धरती बनेगा चित्रकूट : सीएम योगी

गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर पहुंचे योगी आदित्यनाथ

चित्रकूट, 01 अगस्त (ब्यूरो)। गोस्वामी तुलसीदास जी की 528वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी जन्मस्थली राजापुर पहुंचे। उन्होंने तुलसी जन्मकुटीर में गोस्वामी तुलसीदास जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर दर्शन किए और मानस मंदिर में रखी गई हस्तलिखित श्रीरामचरितमानस की प्रति का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने तुलसी रिसॉर्ट में आयोजित तुलसी साहित्य समागम में भाग लिया जहां उन्होंने पूज्य संत मुरारी बापू जी एवं जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज से भेंट की। इस मौके पर साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने चित्रकूट की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का गौरवपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट श्रद्धा, सुरक्षा और स्वावलंबन की धरती बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी गनीवां स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचे जहां उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया और हरिशंकरी पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

यहां उन्होंने कृषि विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय में बच्चों से भेंट कर उन्हें चॉकलेट वितरित की और फोटोग्राफ भी खिंचवाए। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की पावन धरती पर भगवान श्रीराम ने साढ़े ग्यारह वर्ष बिताए। यही धरती तुलसी, वाल्मीकि और नानाजी देशमुख जैसी महान विभूतियों का कार्यक्षेत्र रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चित्रकूट में राम वनगमन मार्ग, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर और विस्तृत पर्यटन विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना नदी के किनारे रिवरफ्रंट का निर्माण कराया जाएगा जिससे क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में दलहन, तिलहन, मक्का आदि फसलों की पैदावार में वृद्धि हुई है और मृदा परीक्षण से लेकर कृषि बीमा तक किसानों को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंच से पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान भारत की तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से देश की सामरिक शक्ति को मजबूती मिलेगी और चित्रकूट जैसे क्षेत्रों को भी रक्षा उत्पादन का केंद्र बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की धरती आज भयमुक्त और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। उन्होंने ग्रामोदय विश्वविद्यालय, आश्रम पद्धति विद्यालय, वाल्मीकि आश्रम और कामदगिरि जैसे पावन स्थलों के सौंदर्यीकरण और विकास की योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला हैं। चित्रकूट की महिमा को जन-जन तक पहुंचाना हम सबका कर्तव्य है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रभारी मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। दीनदयाल शोध संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा भेंट की गई।

गुलामी के युग में भी तुलसीदास ने जाग्रत रखी जनचेतना

चित्रकूट, 01 अगस्त (ब्यूरो)। धार्मिक नगरी चित्रकूट में संत तुलसीदास के जयंती समारोह (तुलसी जयंती) में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 500 वर्ष पूर्व जब इस गांव की स्थिति शायद साधनों के अभाव और कठिनाइयों से ग्रस्त रही होगी, ऐसे समय में एक दिव्य आत्मा ने जन्म लिया और बाल्यावस्था में ही प्रभु श्रीराम के चरणों में स्वयं को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि उस कालखंड में जब अकबर का साम्राज्य विस्तार पर था और दरबार में जगह पाने की होड़ थी, तब तुलसीदास जी ने रामबोला के रूप में खुद को किसी दरबारी की सेवा में नहीं बल्कि केवल प्रभु श्रीराम की भक्ति में समर्पित किया।

सीएम योगी ने कहा कि जब देश के राजे-रजवाड़े विदेशी आक्रांता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, उस समय तुलसीदास जैसे संत भक्ति और शक्ति के अद्भुत संगम के रूप में जनचेतना को जाग्रत कर रहे थे। उन्होंने प्रतिकार का मार्ग तलवार नहीं, रामलीला और रामचरितमानस के माध्यम से चुना। मुख्यमंत्री ने उस समय की राजनीतिक चालबाजियों की ओर भी संकेत किया। उन्होंने कहा कि अकबर ने अपने शासन का एक सॉफ्ट चेहरा प्रस्तुत किया, पर उसके पीछे की क्रूरता आज भी हमें दिखती है। संतों की परंपरा उस समय भी दृढ़तापूर्वक उसका प्रतिकार कर रही थी। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने पर जगतगुरु रामभद्राचार्य जी और पूज्य मुरारी बापू के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम में रामकथा के प्रचारकों को तुलसी अवार्ड व रत्नावली अवार्ड से सम्मानित किया गया।

चित्रकूट की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही धरती है जहां ऋषि-मुनियों ने तप किया, जहां भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का सबसे लंबा समय बिताया। यह वही धरती है जिसने रामायण और रामचरितमानस जैसे ग्रंथों की रचना की आधारभूमि प्रदान की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पूज्य संतों के दर्शन के लिए हम यहां आ सके, यह हमारा सौभाग्य है। संत तुलसीदास जी की स्मृति को जीवित रखने के लिए पूज्य मुरारी बापू द्वारा किया गया प्रयास सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में चित्रकूट को विरासत के साथ विकास से जोड़ने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। यह स्थान केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और प्रेरणा का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने रामजन्मभूमि आंदोलन के संदर्भ में जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के योगदान की भी चर्चा की और कहा कि जब प्रमाण मांगे गए तो उनके सामने महाराज जी ने धाराप्रवाह बोलना शुरू किया, तो वे भौचक्के रह गए। यही भगवान की सिद्धि है। उन्होंने पूज्य मुरारी बापू द्वारा आगामी रामकथा आयोजनों को प्रयागराज, अयोध्या और काशी में किए जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि राम नाम का स्मरण कर हर कोई अपने जन्म को धन्य करेगा।

सांसद प्रिया सरोज की वजह से हटाए गए क्रिकेटर रिंकू सिंह

लखनऊ, 01 अगस्त (ब्यूरो)। क्रिकेटर रिंकू सिंह मतदाता जागरूक अभियान के लिए अब यूपी में चुनाव आयोग के आईकॉन नहीं रहे। रिंकू सिंह को मतदाता जागरूकता अभियान से हटा दिया गया है। सपा सांसद प्रिया सरोज से सगाई के कारण यह फैसला लिया गया। आयोग की तरफ से सभी प्रचार सामग्री से क्रिकेटर की फोटो हटाने के आदेश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक, रिंकू सिंह हमारे प्रदेश के आइकन हैं। इसलिए उन्हें मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ा गया था। लेकिन, जब कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ जाता है, या फिर शंका होती है कि वह किसी तरह चुनाव से जुड़ सकता है, तो ऐसे में उसे जागरूकता अभियान से नहीं जोड़ा जा सकता है। इससे उनके निजी हित टकरा सकते हैं।

आयोग ने इसे रुटीन प्रक्रिया बताया है, क्योंकि आईकॉन बनाने के लिए यह जरूर देखा जाता है कि उस व्यक्ति का किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ाव न हो। साथ ही निकट भविष्य में उसके चुनाव लड़ने की संभावना भी न हो। आयोग की तरफ से सभी प्रचार सामग्री से क्रिकेटर रिंकू सिंह की फोटो हटाने के आदेश दिए गए हैं। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने बताया कि पिछले साल रिंकू सिंह को प्रदेश स्तर पर आईकॉन बनाया गया । इसके लिए कोई भुगतान नहीं किया जाता। सिर्फ संबंधित व्यक्ति की सहमति ली जाती है। अब रिंकू सिंह को पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए इस पर भी उनकी सहमति ले गई है कि उन्हें आईकॉन न रखने का फैसला लिया गया है।

स्कूलों के विलय पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दी सफाई

खत्म नहीं होगा कोई पद, न बंद होंगे कोई स्कूल

लखनऊ, 01 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी में प्राथमिक स्कूलों के विलय पर चल रहे विवाद के बीच बेसिक शिक्षा विभाग ने पहली बार पत्रकार वार्ता करके इस बारे में विस्तार से सफाई पेश की है। सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एक किलोमीटर से ज्यादा दूर और 50 से ज्यादा छात्र वाले स्कूलों का विलय नहीं होगा। इतना ही नहीं अगर इस मानक के विपरीत किसी स्कूल का विलय पूर्व में भी हुआ है तो इसे निरस्त करके, पूर्व की जगह पर ही चलाया जाएगा। यह प्रक्रिया एक सप्ताह के अंदर पूरी होगी।

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूलों का विलय छात्रहित, संसाधनों की बेहतरी, शिक्षकों की पूरी उपलब्धता के लिए किया गया है। उत्तर प्रदेश ऐसा करना वाला कोई पहला राज्य नहीं है। 2014 में राजस्थान ने 20 हजार, मध्य प्रदेश ने 2018 में 36 हजार, उड़ीसा में 2018 में 18000, हिमांचल में दो चरणों में स्कूलों का विलय किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि विलय के दौरान मिली जानकारी और दिक्कत को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर कोई भी विद्यालय मर्ज नहीं किया जाएगा। शिक्षक-छात्र अनुपात हर विद्यालय में सही किया जाएगा। इसी क्रम में यह भी निर्देश दिया गया है कि 50 से कम छात्र वाले विद्यालयों का ही विलय किया जाएगा। प्रदेश में एक भी विद्यालय बंद नहीं होगा, सभी 132886 स्कूल चलेंगे। इन सभी का यू-डायस कोड चलता रहेगा।

मंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड आदि में नदी, नाले, रेलवे क्रासिंग व दूरी आदि को देखते हुए यह भी कहा गया है कि यह कोई अंतिम निर्णय नहीं है। अगर जरूरत हुई और छात्रों को दिक्कत हुई तो संबंधित स्कूल के विलय को निरस्त कर देंगे। इतना ही नहीं आगे चलकर अगर विलय वाले विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ती है तो पहले वाले स्कूल का फिर से संचालन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है कि शिक्षकों का पद, हेड का पद समाप्त हो जाएगा।

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी पद समाप्त नहीं होगा। कोई भी स्कूल बंद नहीं होगा। कोई भी शिक्षक नहीं हटेगा। जो विद्यालय खाली हो रहे हैं, वहां पर बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के साथ मिलकर बाल वाटिका चलाई जाएगी। यहां पर 3 से 4 साल, 4 से 5 साल और 5 से 6 साल वाले बच्चों की अलग-अलग पढ़ाई होगी। इनके लिए टेक्सट बुक तैयार करा दी गई हैं। वंडर बॉक्स, बिग बुक आदि का भी प्रयोग करेंगे।

इनके लिए 19000 ईसीसीई एजुकेटर की भर्ती चल रही है। मंत्री ने कहा कि विलय के बाद 50 छात्र संख्या वाले विद्यालय में दो शिक्षक, एक शिक्षामित्र यानी कुल तीन शिक्षकों की तैनाती होगी। इतना ही नहीं प्राइमरी में 30 छात्र पर एक शिक्षक, अपर प्राइमरी में 35 छात्र पर एक शिक्षक होना चाहिए। अगर विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात सही नहीं है तो नई भर्ती भी करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल में शिक्षक, अच्छे संसाधन व बेहतर व्यवस्था की कोई कमी नहीं होगी। आने वाले समय में विद्यालयों के विलय के भी बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

लखनऊ में होगा 19वां अयोध्या फिल्म फेस्टिवल

6 से 8 अगस्त के बीच होगा आयोजन

लखनऊ, 01 अगस्त (ब्यूरो)। ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी के मौके पर इस बार 19वां अयोध्या फिल्म फेस्टिवल पहली बार राजधानी लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। 6 से 8 अगस्त के बीच तीन दिवसीय आयोजन बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सभागार में होगा। फेस्टिवल का पोस्टर विमोचन कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल की अध्यक्षता में शुक्रवार को बीबीएयू परिसर में हुआ। फिल्म फेस्टिवल में इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी 290 चुनिंदा फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी।

फेस्टिवल फाउंडर डॉ. शाह आलम राणा और चेयरमैन प्रो. मोहन दास ने बताया कि इस बार भी दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहेगा। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में महुआ डाबर संग्रहालय और बीबीएयू के इतिहास विभाग की भूमिका प्रमुख रही। डॉ. शाह आलम राणा, प्रो. शाह अयाज सिद्दीकी, जीपी. सिन्हा, किरण बाला चौधरी, अरविंद सिंह और प्रतीक्षित सिंह शामिल रहे। महोत्सव के दौरान काकोरी एक्शन से जुड़ी दुर्लभ सामग्रियों की प्रदर्शनी, ऐतिहासिक फिल्मों का प्रदर्शन, सेमिनार, किस्सागोई, चित्रकला और क्विज, फिल्म कार्यशाला और पुस्तक विमोचन जैसे कार्यक्रम होंगे। इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी 290 चुनिंदा फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। फिल्मों के चयन में इटली के निर्देशक आंद्रेआ फॉर्टिस, फ्रांस से संगीतकार रघुनाथ मानेट, लेखक व पर्यावरण कार्यकर्ता अनुषा श्रीनिवासन अय्यर फिल्म निर्माता धीरज कश्यप, टीवी पत्रकार डॉ. दीप्ति शर्मा, अभिनेता संजीव विरमानी जैसे नाम शामिल हैं।

इस बार फेस्टिवल में अमर सेनानियों को राखी के जरिये श्रद्धांजलि दी जाएगी। साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। फेस्टिवल में 32 से अधिक देशों से फिल्मकार, लेखक, इतिहासकार और शोधार्थी शामिल हो रहे हैं। इसमें जापान, अमेरिका, फ्रांस, ब्राजील, यूके, रूस, नेपाल, तुर्की, मेक्सिको, इटली सहित अन्य देश शामिल हैं।

घोषित हुई सेना की अग्निवीर भर्ती रैली की तारीख

पांच अगस्त को भर्ती रैली में शामिल होंगे 13 जिले

लखनऊ, 01 अगस्त (ब्यूरो)। अयोध्या में होने वाली अग्निवीर रैली की तारीख घोषित हो गई है। पांच अगस्त को होने वाली इस रैली में 13 जिले के प्रतिभागी शामिल होंगे। सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) अमेठी के तहत आने वाले 13 जिलों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली 5 अगस्त से शुरू होगी। यह 18 अगस्त तक चलेगी। रैली अयोध्या कैंट स्थित डोगरा रेजिमेंटल ग्राउंड पर आयोजित की जा रही है। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 के लिए रैली की पहली श्रृंखला होगी।

इसमें 30 जून से 10 जुलाई तक आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास करने वाले अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। भर्ती अग्निवीर जनरल ड्यूटी(जीडी), अग्निवीर क्लर्क, क्लर्क-एसकेटी, अग्निवीर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन(8वीं और 10वीं पास) के रिक्त पदों के लिए हो रही है। रैली के दौरान सिपाही नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेटरनरी और सिपाही फार्मा श्रेणियों के लिए भी भर्तियां की जाएंगी। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को अपने पंजीकृत ईमेल पर रैली के लिए प्रवेशपत्र दिए गए हैं। डोगरा रेजिमेंटल ग्राउंड अयोध्या में होने वाली रैली में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे रैली अधिसूचना में दिए गए अनुसार दौड़ और अन्य परीक्षणों के लिए अभ्यास करें। प्रवेश पत्र और अन्य सभी दस्तावेज मूल रूप में साथ लाने होंगे।

पीआरओ ने आगे बताया कि एआरओ अमेठी के अंतर्गत आनेवाले 13 जिलों अमेठी, कौशाम्बी, रायबरेली, प्रतापगढ़, अयोध्या, सिद्धार्थनगर, प्रयागराज, बस्ती, सुलतानपुर, अंबेदकरनगर, महाराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के अभ्यर्थियों के लिए रैली कराई जा रही है। रैली के लिए 11,000 अभ्यर्थियों को चुना गया है और ऑनलाइन सीईई उत्तीर्ण करने वाले इन जिलों के सभी अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 28 जुलाई को जारी किए जा चुके हैं।

रैली के शेड्यूल के मुताबिक 5 अगस्त को अमेठी और कौशाम्बी जिलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी रैली होगी। 6 अगस्त को रायबरेली जिले के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी रैली होगी।

जेहादी बनने की स्पेशल ट्रेनिंग दे रहा धर्मांतरण गिरोह

आगरा, 01 अगस्त (ब्यूरो)। अवैध धर्मांतरण गिरोह के सरगना के मोबाइल से पाकिस्तान के छह नंबर मिले हैं। उसकी व्हाट्सएप चैट भी सामने आई है, जिसमें सामूहिक धर्मांतरण की योजना का खुलासा हुआ है।

अवैध धर्मांतरण गिरोह के सरगना दिल्ली निवासी अब्दुल रहमान की कॉल डिटेल में पाकिस्तान के छह नंबरों पर आरोपी लगातार बातचीत किया करता था। मोबाइल में मिले व्हाट्सएप चैट से सामने आया है कि वह सामूहिक धर्मांतरण की भी योजना बना रहा था। इसके लिए उसके साथी अलग-अलग राज्यों की युवतियों के सम्पर्क में थे। पुलिस के मुताबिक, युवतियों को एक साथ लाकर धर्मांतरण कराया जाता।

सदर की रहने वाली दो सगी बहनों को पुलिस ने 18 जुलाई को कोलकाता के तपसिया इलाके से बरामद किया था। उनका धर्मांतरण कराया गया था। पुलिस ने एक साथ कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को पकड़ा था। बाद में चार लोग और पकड़े गए। पूरे गिरोह में मुख्य रूप से दिल्ली का अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह, गोवा की एसबी कृष्णा उर्फ आयशा और सराय ख्वाजा का रहमान कुरैशी शामिल थे। अब्दुल रहमान जेल में सजा काट रहे कलीम सिद्दीकी के लिए काम कर रहा था। पुलिस ने अब्दुल रहमान की कॉल डिटेल निकाली है। साथ ही व्हाट्सएप चैट को रिकवर किया गया है।

जांच टीमों को इसमें सामूहिक धर्मांतरण की योजना पर काम करने की बात का पता चला है। पुलिस के मुताबिक, वह महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में सामूहिक धर्मांतरण कराने की योजना बना रहा था।

इसके लिए अपने साथियों को सक्रिय कर रखा था। वह व्हाट्सएप पर चैट किया करता था। छह पाकिस्तानी नंबर पर भी उसकी लगातार बातचीत मिली है। जांच टीमें उससे पूछताछ में लगी हैं। इन नंबरों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। यह देखा जा रहा है कि जिन लोगों से बातचीत हो रही है, वो कहां के रहने वाले हैं। वह अब्दुल रहमान से क्या करवाना चाहते थे।

अब्दुल रहमान ही नहीं गिरोह में आयशा, रहमान कुरैशी, हसन अली और मोहम्मद अली की भी बड़ी सक्रियता सामने आई है। यह लोग युवतियों को धर्मांतरण के लिए तैयार करते थे। उन तक फंडिंग पहुंचाते थे। उनके रहने का इंतजाम करते थे। रहमान कुरैशी यूट्यूब चैनल चला रहा था। इस पर वह वीडियो डाला करता था। उसके डेढ़ लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं।

इन आरोपियों की भी कॉल डिटेल और व्हाट्सएप चैट निकाली गई है। इससे भी पुलिस के हाथ कई सुराग लगे हैं। इस पर टीमें कार्य कर रही हैं। सभी से अलग-अलग सवाल किए जा रहे हैं।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि अवैध धर्मांतरण के मामले में पुलिस लगातार पड़ताल में जुटी है। रिमांड पर लिए गए अब्दुल रहमान से कई जानकारी हाथ लगी हैं। उसकी कॉल डिटेल में पाकिस्तानी नंबर से बातचीत होने का पता चला है। व्हाट्सएप चैट भी निकाली गई। इसमें सामूहिक धर्मांतरण कराने की योजना बनाए जाने की पुष्टि हुई है। अन्य आरोपियों से भी पूछताछ की गई है।

संपादकीय

खोखा प्रवृत्ति न अपनाएं

कोई पूछे हिमाचल के दिन कैसे गुजर रहे, तो हर कोई अपनी-अपनी सुविधा, अपनी-अपनी सियासत और अपने-अपने स्वार्थ को देखकर बताएगा। दिन, हर दिन कहर बन कर टूट रहा, तो क्या विधानसभा का मानसून सत्र, इस बार पर्वतीय राज्य के अस्तित्व और भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा कर पाएगा। हम खोखा प्रवृत्ति का राज्य बन रहे हैं, जहां सरकारें दिहाड़ी पर दिन गुजार कर जनता को सिर्फ मुलायम संदेश दे रही हैं। कांगड़ा जिला परिषद की बैठक में पार्षदों की सोच का अंदाजा लगाया जाए, तो न कभी सुशासन आएगा और न ही राज्य अपने पैरों पर खड़ा हो पाएगा। पार्षद अपने-अपने चुनावी घूंट पीकर बेहतरीन मांग पत्र रखते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कहीं राज्य की आत्मनिर्भरता के उसूल कोई शुल्क मांग सकें। धर्मशाला के डीसी आफिस पार्किंग की व्यवस्था में अगर वाहन पार्किंग शुल्क मांग लिया जाए, तो यह अर्थगणित उनकी आंख में चुभता है। आश्चर्य प्रदेश की सहमति, विवेक, विवाद और बहस के बिंदुओं पर भी होता है, जहां अतिक्रमण की गलियों में विमर्श होने लगा है। अब सोशल मीडिया के कुछ ऐसे पैरोकार जो प्रदेश को अपने पांव पर चलते हुए नहीं देखना चाहते। अतिक्रमण के खिलाफ कोई स्थानीय निकाय जुर्रत करता भी है, तो मोबाइल की टॉर्च में सोशल मीडिया की ठोकरें गिनने वालों को यह दर्द है कि शहर में अवांछित रेहडियां क्यों हटा दीं। क्यों अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन सक्रिय होता दिखा। जरा अपने बच्चों से पूछो जो रोजगार के सख्त कदमों पर देश के विभिन्न इलाकों में बिजली का बिल अदा कर रहे हैं। नोएडा-मुंबई या गुड़गांव की पलकों के नीचे आपके अपने बच्चे कितना कर अदा कर रहे, क्या कभी सोचा। हम निश्चिंत हिमाचली हैं, इसलिए सराज को मिले प्राकृतिक आपदा के दंश, सियासी मुखौटा पहन लेते हैं। फिर सारा मुकद्दमा सिर फोडऩे लगता है कि इस कहर में एक बागबानी कालेज की गीली हो चुकी नींव से हटा कर छात्रों को क्यों कहीं अन्यत्र सुरक्षित जगह शिफ्ट किया। हम नहीं चाहते प्रदेश में टीसीपी कानून हो, इसलिए हमारे विधायकों की अर्जियां कहती हैं, ये ग्रीन बेल्ट से निर्माण का प्रतिबंध हटा दो या साडा से पूरा दर्जा मिटा दो। प्रदेश का हर नागरिक बताए कि हिमाचल आत्मनिर्भर कैसे बनेगा। इस प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय तो बढ़ गई, लेकिन राज्य में प्रति व्यक्ति कर्जा भी तो बढ़ गया। हमारे सोच का सार्वजनिक चेहरा अलग है, जबकि निजी व्यवहार में हमें आज भी ऐसी सरकारी नौकरी चाहिए जहां कोई जवाबदेही, कोई ट्रांसफर या कोई काम के प्रति निष्ठा का सवाल न हो। हमें पूरा ढांचा व ढर्रा सरकारी चाहिए। कांगड़ा जिला परिषद के पार्षदों से पूछें कि बताएं कि एडीबी से लाखों के उधार से बनी पार्किंग अधोसंरचना में शुल्क न लेंगे, तो इन इमारतों की रखवाली या कर्ज की वापसी होगी कैसे। क्या पार्षदों ने कभी सोचा कि उनके क्षेत्र में दबी हुई पानी की कितनी पाइपें यूं ही व्यर्थ हो गईं। सरकार के कितने ढांचे, कितने निर्देश, कितनी योजनाएं और कितनी परिकल्पनाएं व्यर्थ हो गईं। आधे अधूरे निर्माण छोडऩे वाली सियासत, फिजूलखर्ची की शानोशौकत में चलने वाली राजनीति या सत्ता की जी हुजूरी में जाया होते समय की रखवाली कौन करेगा। हमें गांव के छोटे से स्कूल में शिक्षा का द्वार मिले न मिले, लेकिन वार्षिक समारोह के तोरणद्वार पर सजा संवरा कोई नेता जरूर मिलेगा और उसकी चाटुकारिता में शिक्षक समाज की खातिरदारी का हलवा खाकर हम यह सोचते हैं कि इन्हीं परंपराओं से शिक्षा समृद्ध होगी या हमारा अपना बच्चा हटकर कोई काम करेगा, तो हम मुगालते में नहीं-खुद ही खुद धोखा खानेवालों में से एक जैसे अनेक हैं।

> कांगड़ा जिला परिषद की बैठक में पार्षदों की सोच का अंदाजा लगाया जाए, तो न कभी सुशासन आएगा और न ही राज्य अपने पैरों पर खड़ा हो पाएगा। पार्षद अपने-अपने चुनावी घूंट पीकर बेहतरीन मांग पत्र रखते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कहीं राज्य की आत्मनिर्भरता के उसूल कोई शुल्क मांग सकें। धर्मशाला के डीसी आफिस पार्किंग की व्यवस्था में अगर वाहन पार्किंग शुल्क मांग लिया जाए, तो यह अर्थगणित उनकी आंख में चुभता है। आश्चर्य प्रदेश की सहमति, विवेक, विवाद और बहस के बिंदुओं पर भी होता है, जहां अतिक्रमण की गलियों में विमर्श होने लगा है। अब सोशल मीडिया के कुछ ऐसे पैरोकार जो प्रदेश को अपने पांव पर चलते हुए नहीं देखना चाहते। अतिक्रमण के खिलाफ कोई स्थानीय निकाय जुर्रत करता भी है, तो मोबाइल की टॉर्च में सोशल मीडिया की ठोकरें गिनने वालों को यह दर्द है कि शहर में अवांछित रेहडियां क्यों हटा दीं। क्यों अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन सक्रिय होता दिखा। जरा अपने बच्चों से पूछो जो रोजगार के सख्त कदमों पर देश के विभिन्न इलाकों में बिजली का बिल अदा कर रहे हैं।

भारत-भूमि पर पनपा प्रमाणिक हिमालयी तथ्य है कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

राकेश सैन

> कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा

आपरेशन सिन्दूर पर संसद में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।' गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है? निष्पक्ष हो कर अमित शाह के ब्यान को जांचा-परखा जाए तो सामने आता है कि इसमें न तो अतिरंजना है न मनोवेश या अतिश्योक्ति, बल्कि यह एतिहासिक सत्य, भारत-भूमि पर पनपा प्रमाणिक हिमालयी तथ्य है कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। आओ सबसे पहले जानें कि आतंकवाद आता कहां से है, इसका वीर्य क्या है? असल में विश्व में ईश्वर को लेकर दो तरह की अवधारणाएं या मार्ग हैं, एक सनातन व दूसरा सेमेस्टिक या सामी। सभी मार्ग सम्मानित हैं, पर इनमें मौलिक अन्तर हैं। सेमेस्टिक मजहब में ईश्वर का एक निश्चित संदेशवाहक या पैगम्बर या दूत, एक ही धर्म ग्रन्थ रहता है- जैसे इस्लाम, ईसाई व यहूदी मजहब। उक्त सभी मजहब अपने-अपने पैगम्बर को ईश्वर का अंतिम दूत और अपने-अपने

धर्म ग्रन्थों में वर्णित बातों को ही ईश्वर का अंतिम सन्देश मानते हैं। सामी मजहब वाले केवल ऐसा मानते ही नहीं बल्कि अपने पैगम्बर व ग्रन्थों की बातों को दूसरे से श्रेष्ठ मानते हुए उन पर थोपने का प्रयास भी करते हैं। धीरे-धीरे इनके अनुयायियों में श्रेष्ठता की यही ग्रन्थी केवल मजहबी उन्माद तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि रहन-सहन, खान-पीन, भाषा-वाणी अर्थात जीवन के हर क्षेत्र को संक्रमित कर देती है। दूसरे को हीन समझ उस पर अपने विचार व आस्था लादने के लिए कोई क्रूसेड करता है तो कोई जिहाद। दुनिया में ईसाईयत व इस्लाम के नाम पर जो अत्याचार, हिंसा, खूनखराबा हुआ सभी इसी श्रेष्ठा की ग्रन्थी के संक्रमण के चलते हुआ। दूसरे की आस्था के प्रति असम्मान, हिकारत, तिरस्कार में ही आतंकवाद के बीज छिपे रहते हैं। मध्ययुग में ईसाईयत के नाम पर आतंकवाद फैला परन्तु पश्चिमी समाज में आई नवचेतना के चलते इसने रूप बदल कर सेवा व लालच का ले लिया परन्तु इस्लाम के प्रचार-प्रसार का अमानवीय ढंग निरंतर जारी रहा, जिसे आज इस्लामिक आतंकवाद कहा जाने लगा है। आज ईसाई मिशनरीश सेवा व लालच के बल पर धर्मपरिवर्तन करते हैं और जिहादी बंदूक की नोक पर, दोनों का लक्ष्य एक ही है कि अपने-अपने मजहबों की संख्या बढ़ाना चाहे साधन अलग-अलग हैं। इस्लामिक जिहाद की तरह अगर ईसाईयों की सेवा व प्रलोभन के प्रपंचों को भी आतंकवाद का नाम दे दिया जाए तो कोई विषयभटकाव नहीं होगा।

सामी मजहबों के विपरीत दूसरी विचारधारा है सनातन, जिसे हिन्दू धर्म भी कहते हैं। 'श्री अरविन्द की दृष्टि में हिन्दू धर्म और सामी मजहब' पुस्तक में महर्षि अरविन्द कहते हैं-''जिस धार्मिक संस्कृति को हम आज हिन्दू धर्म के नाम से पुकारते हैं उसने अपना कोई नाम नहीं रखा, क्योंकि उसने स्वयं अपनी कोई साम्प्रदायिक सीमा नहीं बांधी। उसने सारे संसार को अपना अनुयायी बनाने का कोई दावा नहीं किया, किसी एकमात्र निर्दोष सिद्धांत की प्रस्थापना नहीं की, मुक्ति का कोई एक ही संकीर्ण पथ या द्वार निश्चित नहीं किया। वह कोई मत या पन्थ की अपेक्षा कहीं अधिक मानवआत्मा के ईश्वरोन्मुख प्रयास की एक सतत विकासशील परम्परा है।'' सनातन का विचार है 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है जिसे विद्वान उसे विभिन्न नामों से बुलाते हैं। 'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।। अर्थात तेरे-मेरे की भावना छोटे मन का प्रतीक है, उदारचित्त वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही एक परिवार है। सनातन धर्म मानता है तेरा धर्म तुझे मुबारक और मेरी आस्था मुझे। दोनों की मार्ग श्रेष्ठ हैं। मार्ग अलग-अलग हैं परन्तु सभी की मंजिल एक है, जैसे सभी नदियां अंततः एक समुद्र में विलीन हो जाती हैं उसी तरह सभी पथ उसी एक मंजिल पर ही मिलते हैं। यही भावना है जो हिन्दू को आतंकवादी बनने से रोकती है। इतिहास साक्षी है कभी भारत ने तलवार के जोर पर न तो किसी के भू-भाग को कब्जाया और न ही दूसरे पर अपना धर्म या विचार थोपा। इसी सर्वसमावेशी व सर्वपन्थ समादर भाव वाली जीवन शैली के आधार पर ही अमित शाह ने राज्यसभा में डंके की चोट पर दावा किया कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। केवल आस्था ही क्यों, हिन्दू ने तो कभी नास्तिक या अनिश्वरवादियों को भी नहीं दुत्कारा। महर्षि चारवाक ईश्वरवाद के उलट और पूर्णतः भौतिकवादी थे। वेदों के बारे उनके विचार नकारात्मक थे परन्तु हिन्दू समाज ने उन्हें भी महर्षि की उपाधि दी। जबकि सेमस्टिक मजहबों में नास्तिकों को 'नोन-बिलीवर या काफिर' कह कर दण्डित करने का प्रचलन है। सनातन समाज ने कभी अपने आप को किसी देव विशेष, ग्रन्थ विशेष या व्यक्ति विशेष से नहीं बांधा बल्कि सत्य की यात्रा को अनवरत बताया। हमारी परम्परा में देह वासना और लोकवासना की भान्ति देववासना व शास्त्र वासना को भी मुक्ति मार्ग की बाधा बताया गया है। इसी तरह की अनेक विशेषताएं हैं जो सत्य सनातन धर्म के मानने वाले अनुयायी को संकीर्ण, कट्टर व आततायी होने की अनुमति नहीं देती। अमित शाह ने संसद में हिन्दू धर्म को लेकर जो दावा किया है वह एतिहासिक सत्यता व प्रमाणिकता की कसौटी पर सौ टंच खरा उतरता है।

देश दुनिया से

निर्मला पंथ व खालसा पंथ का अंतरसंबंध

निर्मला पंथ की स्थापना के लगभग तेरह साल बाद 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी ने सतलुज के किनारे खालसा पंथ की स्थापना की। यमुना तट पर निर्मला पंथ का उदय हुआ था और सतलुज तट पर खालसा पंथ ने आकार ग्रहण किया था। गुरु गोबिंद सिंह जी ने ज्ञान और शौर्य के प्रतीक निर्मला पंथ व खालसा पंथ की क्रमशः यमुना और सतलुज के तट पर स्थापना करके मानों एक बार फिर सरस्वती को प्रकट कर दिया हो। निर्मला पंथ ज्ञान की सनातन परंपरा का प्रतीक था और खालसा पंथ शौर्य के तेज और प्रताप का पंथ था। लेकिन इन दोनों प्रयोगों में गुरु जी ने माध्यम उन्हीं लोगों को बनाया जिन्हें समाज ने मुख्य धारा से बाहर रखा हुआ था। निर्मला पंथ के साधक साधु गुलाब सिंह अपने ग्रंथ 'अध्यात्म रामायण' में लिखते हैं- 'गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने सिखों को दो वर्गों में बांट दिया था। पहले वर्ग में युद्ध करने वाले शूरवीर और दूसरे वर्ग में परम विवेकी विद्वान थे जिन्हें निर्मला की संज्ञा दी गई।' निर्मला पंथ का काम मूलतः संस्कृत ग्रन्थों का पंजाबी भाषा में टीका/भाष्य प्रस्तुत करना और मौलिक रचना करना था, ताकि ज्ञान की यह गंगा समाज के किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर जन जन तक पहुंच सके। एक प्रश्न कई बार उठता है कि अपने शिष्यों को काशी भेजे जाने की घटना 1686 की है और खालसा पंथ की स्थापना की घटना 1699 की है, यानी निर्मला पंथ की स्थापना के लगभग तेरह वर्ष बाद बाद खालसा पंथ की स्थापना हुई। उस समय के इतिहास में खालसा पंथ का जिक्र तो मिल जाता है, लेकिन निर्मला पंथ के बारे में समकालीन ग्रंथों में कहीं जिक्र क्यों नहीं मिलता? यह प्रश्न उचित ही है। इसका उत्तर जानने के लिए इन दोनों पंथों के अंतर और गठन की प्रक्रिया को समझना होगा। खालसा पंथ का गठन एक सार्वजनिक घटना थी। बाकायदा एक राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया गया था, जिसमें देश भर से लगभग एक लाख व्यक्ति पहुंचे थे। उसमें देश धर्म की रक्षा के उपाय खोजते हुए गहरा चिंतन हुआ था। उस प्रक्रिया में से खालसा पंथ की स्थापना की सार्वजनिक घोषणा गुरु गोबिंद सिंह जी ने स्वयं की थी। स्थापना की पद्धति भी न्यारी थी। विश्व के इतिहास में किसी संगठन के लिए प्राणों की आहुति मांगने की पद्धति पहली बार अपनाई गई थी और उससे भी न्यारी बात यह थी कि पांच लोग गुरुजी के मांगने पर अपने प्राण अर्पित करने के लिए तैयार हो गए थे। उनको गुरुजी ने स्वयं अमृतपान कराया और फिर उन्हीं के हाथों स्वयं अमृतपान कर खालसा पंथ में दीक्षित हुए। यह संत से सिपाही बनने की यात्रा थी। यह भारतीय इतिहास का सही अर्थों में अमृतकाल था। प्रत्येक परिवार ने यथासंभव अपना बड़ा बेटा खालसा पंथ को समर्पित कर दिया। खालसा पंथ अपने जन्म काल से ही मुगल सत्ता के सामने आ गया था। जाहिर है इससे समकालीन लेखन में खालसा पंथ की चर्चा भी हुई। इसके विपरीत निर्मला पंथ की स्थापना सार्वजनिक घटना नहीं थी। पांच लोग काशी में संस्कृत पढने के लिए भेजे गए थे। वे लगभग तेरह साल बाद विद्याध्ययन कर वापस आए। तब तक खालसा पंथ स्थापित हो चुका था। ये पांच साधु आनंदपुर में रहकर कथा कीर्तन करने लगे। कुछ नए लोगों को भी संस्कृत पढ़ाने लगे। लेकिन जल्दी ही गुरुजी को आनंदपुर छोडऩा पड़ा। उसके साथ ही ये पांच साधु और उनके कुछ नए शिष्य भी देश भर में छितर गए। ये साधु मोटे तौर पर व्यक्तिगत तौर पर ही निरंतर प्रवास में रहते हुए गुरुवाणी की कथा व प्रवचन में संलग्न रहे थे। श्री गोबिंद सिंह जी के देह त्यागने के समय नांदेड़ में भी, ऐसा कहा जाता है, लगभग पच्चीस निर्मला पंथ के साधु विद्यमान थे। गुरुजी के देहावसान के बाद वे देश के अलग-अलग हिस्सों में चले गए। संगठित होकर स्थायी आश्रम या मठ बनाने की योजनाएं बहुत बाद की बात है। इसलिए शुरू से ही निर्मला पंथ के साधु तो थे, लेकिन खालसा पंथ की तरह उनका कोई संगठन नहीं था। संगठन के आश्रम स्थापित करने की प्रक्रिया बाद की है। यही कारण है कि एक लंबे अरसे तक निर्मला पंथ की पहचान एक संगठन के रूप में नहीं उभर पाई। लेकिन सामाजिक जीवन में कुंभ के अवसर पर हरिद्वार व अन्य स्थानों पर देश भर से साधु संतों के एकत्रित होने की परंपरा तो प्राचीन काल से चली आ रही थी। कुंभ एक प्रकार से देश भर के विद्वानों में चिंतन मनन व मंथन का आसन था। लेकिन आखिर इन दिनों साधु संतों के रहने की व्यवस्था की आवश्यकता भी तो पड़ती ही होगी। इसी आवश्यकता में साधुओं की जमात की संकल्पना निकली होगी। विभिन्न सम्प्रदायों के अखाड़े हरिद्वार व अन्य स्थानों पर पहले बने लेकिन निर्मला पंथ के साधु इस परम्परा में बाद में शामिल हुए। इसलिए उनके अखाड़े बाद की उपज है। निर्मला पंथ में जमात की शुरुआत महाराजा रणजीत सिंह के काल में दिखाई देने लगती है। निर्मला पंथ और खालसा पंथ में एक मौलिक अंतर है। निर्मला पंथ ज्ञान और दर्शन का मार्ग है। किसी सीमा तक इसे तुलनात्मक दर्शन का मार्ग भी कहा जाता है। यह मार्ग ज्ञान की यात्रा की निरंतरता में निरंतर यात्रा करते रहने वाले साधकों का पंथ है। यहां यात्रा का अभिप्राय सामान्य यात्रा से नहीं है, जिसमें शरीर की गतिशीलता होती है। निर्मला पंथ में यात्रा का अर्थ ज्ञान की यात्रा से है जिसमें बुद्धि और मेधा सक्रिय व गतिशील होती है, स्थूल शरीर चाहे एक ही स्थान पर स्थिर क्यों न रहे। इसके विपरीत खालसा पंथ का उद्देश्य देश व धर्म की रक्षा के लिए एक पंथ संगठित करना था जिसके सदस्य देश-धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण अर्पित करने में भी न हिचकिचाएं। जाहिर है जो संगठन सिर पर कफन बांध कर देश धर्म की रक्षा के लिए निकलता है, वहां प्राथमिकता संख्या बल की होगी और उसके प्रशिक्षण की व्यवस्था भी उसी के अनुरूप की जाएगी।

आप का नजरिया

ट्रंप ने थोपा टैरिफ

यदि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना बयान नहीं बदला, तो आज (1 अगस्त) से ही अमरीका निर्यात किए जाने वाले भारतीय उत्पादों, वस्तुओं और सेवाओं पर 25 फीसदी टैरिफ लग जाएगा। टैरिफ के साथ-साथ जुर्माने की भी घोषणा की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह घोषणा तब की है, जब भारत-अमरीका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत अंतिम चरण में है। अगस्त में 'अंतरिम समझौते' के सामने आने की भी संभावनाएं हैं। बुनियादी पेंच कृषि, डेयरी, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, इलेक्ट्रिक वाहन, वाइन आदि को लेकर फंसा है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों, छोटे व्यापारियों, उद्यमों के हितों के मद्देनजर ये क्षेत्र व्यापार के लिए पूरी तरह खोलना नहीं चाहता अथवा शुल्क को कम करने को भी तैयार नहीं है, लेकिन अमरीका आमादा है कि उसे भी इन क्षेत्रों में कारोबार करने की अनुमति दी जाए। अमरीकी टैरिफ से भारत की अर्थव्यवस्था पर कितने और क्या प्रभाव पड़ेंगे, उसकी समीक्षा सरकार ने शुरू कर दी है। बहरहाल अमरीकी रुख में कई विरोधाभास रहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक ओर भारत और प्रधानमंत्री मोदी को 'दोस्त' और रणनीतिक साझेदार कहते नहीं थकते। दूसरी ओर व्यापार समझौते के विमर्श के बावजूद 25 फीसदी टैरिफ थोपने का बयान दिया है। आखिर भारत के लिए अमरीका के किस किरदार को स्वीकार किया जाए? बीते वित्त वर्ष के दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का कारोबार किया गया। अमरीका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में भारत ने 7.51 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया और अमरीका से 3.52 लाख करोड़ रुपए का आयात किया। भारत मुनाफे की स्थिति में है। दरअसल अमरीका सबसे ज्यादा रूस के साथ भारत के तेल और हथियारों के व्यापार पर बहुत चिढ़ता है। राष्ट्रपति ट्रंप का बार-बार कहना है कि भारत के साथ अमरीका का कारोबार कम हुआ है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाता है। अमरीका उसे संतुलित करना चाहता है। भारत रूस से कच्चा तेल 15-20 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर खरीदता है। नतीजतन 2023 में 10 अरब डॉलर की बचत हुई। 2024 में भारत ने करीब 43 फीसदी तेल रूस से खरीदा। रूस से ही हर साल 2-3 अरब डॉलर के रक्षा उपकरण भारत खरीदता है। बीते 10 साल में जरूरत का 70 फीसदी सामान रूस से ही खरीदा गया, जबकि 2008 के बाद अमरीका से 24 अरब डॉलर के रक्षा-सौदे हुए। बहरहाल अमरीकी टैरिफ से भारत का निर्यात जरूर प्रभावित होगा। सबसे अधिक प्रभावित फार्मा क्षेत्र होगा, जो 8.1 अरब डॉलर का निर्यात करता है। अमरीका 40 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से ही लेता है। 2025 में निर्यात 85,000 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा, टेलीकॉम उपकरण, हीरे, रत्न, कीमती पत्थर, सोना और जेवरात, कपड़े, लोहा और इस्पात, ऑटो कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रो केमिकल, ऑर्गेनिक केमिकल आदि का अरबों डॉलर में निर्यात अमरीका को किया जाता है। 2024-25 में भारत ने 86.51 अरब डॉलर का निर्यात किया और 45.33 अरब डॉलर का आयात अमरीका से किया। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि टैरिफ से निर्यात में 7 अरब डॉलर सालाना की गिरावट आ

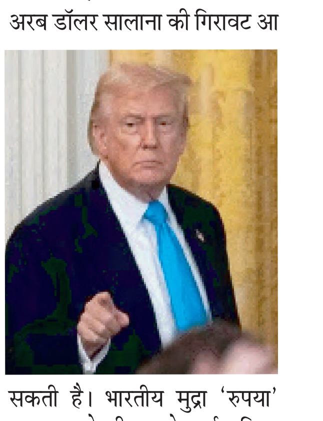

सकती है। भारतीय मुद्रा 'रुपया' बुधवार को ही अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। अमरीका में कार्यरत आईटी कंपनियों पर भी कर का बोझ बढ़ सकता है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ थोप दिए जाने से वे अमरीकी बाजार में महंगे हो जाएंगे, लिहाजा उनकी मांग तुलनात्मक तौर पर कम होना स्वाभाविक है। तुलना में कनाडा और मैक्सिको की वस्तुओं की मांग बढ़ सकती है, क्योंकि अभी तक उन पर ट्रंप का टैरिफ नहीं लगा है। भारत कूटनीति के तहत एक उच्चस्तरीय दल अमरीका भेजकर बातचीत कर सकता है और टैरिफ को 10 फीसदी तक लाने की कोशिश कर सकता है। भारत विश्व व्यापार संगठन में शिकायत कर सकता है कि यह टैरिफ संगठन की बाध्य-दरों का उल्लंघन है, लेकिन यह संगठन तो पहले से ही लुंज-पुंज है और अमरीका ने अपना समर्थन भी समाप्त कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछली मुलाकात में संकल्प लिया था कि वे द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर तक लेकर जाएंगे। क्या यह एकतरफा निर्णय से संभव हो सकता है? इस बीच खबर यह भी है कि भारत में शेयर बाजार लुढ़क गया है। निवेशकों के लिए यह घाटे का सौदा बनता जा रहा है।

कुछ अलग

बकरी का मैरिज रिजेक्शन

बकरी के दुल्हन बनने का समय नजदीक आ चुका है। बस तीन दिन बाद शादी है। मेहंदी के गीत के सपने उसे बेहद सुहा रहे थे। फिर पता नहीं उसने कहां से सुन लिया है कि उसके वुड-बी प्रीतम कुमार की शादी उसके अपने मंगली ग्रह को काटने के लिए उससे हो रही है। बकरी ने भी अपनी पत्री पंडित जी को दिखा डाली। क्यों? नहीं दिखा सकती क्या? हां तो, पंडित जी ने कहा- 'इनसानों से बच कर रहना बच्चा...ये दोगले किस्म के होते हैं...आज अपने ग्रह काटने के लिए छद्म ब्याह रचाएगा और बकरी को ही अपनी जिह्वा के स्वाद मात्र के लिए, रेते से घिस भी डालेगा और फिर चपड़-चपड़ स्वाद लेकर बोटियां भी इसी बकरी की चूसेगा। दूसरों की बोटियां चूसने में वैसे भी पता नहीं इन इनसानों को क्यों इतना मजा आता है? राम-राम। शिव-शिव...इनसान से शादी करने से तो अच्छा है कि तुम एक गधे से शादी कर लो...और तो और फिर इनसान तुमसे फेरे लेने के बाद तुरंत ही अपनी पसंद की एक दूसरी लडक़ी से चक्कर चलाएगा, उसके साथ घूमेगा और फिर हो सकता है उससे भी ब्याह रचा ले। तुम तो फिर हर तरह से उसकी सौतन ही कहलाओगी। है कि नहीं?' बकरी ने फिर बहुत सोचा। तुलना की। उसे पंडित जी की बात में दम लगा। सोचा सचमुच गधे के साथ ही मेरा जीवन ज्यादा सुरक्षित रहेगा।

दृष्टि कोण

प्रदेश के एथलेटिक्स प्रशिक्षकों का इतिहास

प्रौद्यौगिकी में शोध के लिए आईआईटी व चिकित्सा के लिए एम्स की आधारशिला रखने के बाद तत्कालीन सरकार ने अन्य विधाओं के लिए भी राष्ट्रीय संस्थान बनाने थे, उसी कड़ी में पटियाला महाराज के शाही महल मोती बाग परिसर में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की शुरुआत 1961 में हुई। किसी भी विषय को सही तरीके से पढ़ाने के लिए उस विषय का शिक्षक जरूरी होता है, उसी तरह हर खेल को सिखाने के लिए उस खेल का प्रशिक्षक चाहिए होता है। विद्यालयों व महाविद्यालयों में नियुक्त शारीरिक शिक्षा के शिक्षक इस कार्य को नहीं कर सकते हैं। इसलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ। विज्ञान के कारण चिकित्सा व अभियांत्रिकी क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व आविष्कारों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल परिणाम अपने उच्च स्तर तक पहुंच गए हैं। इस स्तर को प्राप्त करने के लिए राज्य में जहां जिस जिस खेल की सुविधा उपलब्ध है, वहां पर उस खेल का प्रशिक्षक होना चाहिए। इसलिए भी राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की जरूरत और अधिक हो गई थी। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है, इसलिए पहले एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की कहनी से शुरुआत करते हैं। 1961 में बैठे पहले बैच में मंडी के टीएल वैद्य को हिमाचल का पहला क्वालीफाईड एथलेटिक्स प्रशिक्षक होने का गौरव मिला है। हिमाचल में खेल विभाग न होने के कारण पहले पंजाब में नौकरी की, फिर हिमाचल प्रदेश सरकार ने जब राज्य में खेल विभाग का गठन किया तो अधिकारी के रूप में वैद्य साहब ने अपनी नई पारी की शुरुआत की और विभाग के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद आजकल यह जिंदादिल इनसान मंडी में अपने गृहनगर में

रह रहे हैं। हिमाचल के दूसरे एथलेटिक प्रशिक्षक बनने का गौरव स्वर्गीय सुरेश कुमार पठानिया को मिला था। हमेशा एथलेटिक्स पर चर्चा के लिए तैयार रहने वाला यह प्रशिक्षक पहले राज्य शिक्षा विभाग में नौकरी के बाद हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में विद्यार्थी कल्याण अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वे अपनी मृत्यु तक ऊना में ही रहे। पठानिया राज्य के विभिन्न खेल संघों का गठन करने के लिए जाने जाते हैं। बाद में वे लंबे समय तक मास्टर एथलेटिक्स संघ के सचिव भी रहे हैं। बालाराम हिमालयन भी एनआईएस से एथलेटिक्स प्रशिक्षक का कोर्स पास कर महाराष्ट्र में नौकरी लगे और महाराष्ट्र सरकार खेल विभाग से निदेशक जैसे सर्वोच्च पद से सेवानिवृत्त होकर आजकल पुणे में रह रहे हैं। हिमाचल में एथलेटिक्स का जो आज बहुत बडटा महल रूपी परिवार दिखाई देता है, उसकी नींव रखने वाले हिमाचल एथलेटिक्स संघ के प्रथम सचिव प्रोफेसर डाक्टर पदम सिंह गुलेरिया कालेज प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद आजकल सुंदरनगर में एक सीनियर सिटीजन होम चलाते हैं तथा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर नौकायन खेल महासंघ में पदाधिकारी हैं। एथलेटिक्स प्रशिक्षक राजेंद्र चौहान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा व अन्य गतिविधियों के उप निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद आजकल जोगिंद्रनगर में रह कर समाज सेवा कर रहे हैं। हमीरपुर के प्रोफेसर उत्तम ठाकुर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध हनुमान व्यायामशाला शारीरिक महाविद्यालय अमरावती से सेवानिवृत्त होकर अमरावती व कभी अपने गांव में रहते हैं। प्रोफेसर हरभजन सिंह अटवाल रीवा विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा व अन्य गतिविधियों के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे मणिपुर व असम में उच्च पद पर रहे हैं। प्रशिक्षक मोहिंद्र सैनी भारतीय खेल प्राधिकरण से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गृह नगर मंडी में रह रहे हैं। प्रशिक्षण में निपुण केहर सिंह पटियाल ने कई एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनाया है। अभी जर्मनी में चल रही विश्व विश्वविद्यालय खेलों की पांच हजार मीटर की रजत पदक विजेता सीमा उनकी ही नर्सरी से निकली है।

बलूचिस्तान हाई कोर्ट ने लापता बुजुर्ग की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर पाकिस्तान के विदेश, गृह मंत्रालय के सचिव को तलब किया

क्वेटा,01 अगस्त (एजेंसियां) ।

बलूचिस्तान उच्च न्यायालय ने बुजुर्ग नागरिक वाहिद कंबर बलूच के लापता होने के संबंध में गुरुवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय और पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को तलब किया। 19 जुलाई 2024 को ईरान से कथित तौर पर उनका अपहरण कर लिया गया था। अपहरण के एक साल बाद भी उनका कोई अता-पता नहीं है। उच्च न्यायालय ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की सुनवाई करते हुए दोनों को अगली तारीख में पेश होने का आदेश दिया।

खबर के अनुसार, बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका वाहिद कंबर बलूच की ओर से अधिवक्ता हबीब ताहिर और शारी बलूच ने दायर की है। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने पूर्व में पांच प्रतिवादियों को दिए गए नोटिसों की स्थिति के बारे में पूछताछ की। केवल दो जवाब प्रस्तुत किए गए, दोनों ही विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों की ओर से थे। एक जवाब में संकेत दिया गया कि मंत्रालय ने तेहरान स्थित पाकिस्तान के दूतावास से संपर्क किया। दूतावास ने बताया कि ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। फिर भी दूतावास ने कहा कि जल्द से जल्द एक आधिकारिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। विदेश मंत्रालय के दूसरे जवाब में कहा गया कि यह मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। वकील ने इस पर न्यायमूर्ति आमिर राणा से आग्रह किया कि वे संबंधित विभागों पर सख्त निर्देश जारी करें और उनकी बरामदगी सुनिश्चित करने और उनकी स्थिति के बारे में आधिकारिक बयान प्राप्त करने के लिए दबाव डालें। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायमूर्ति राणा ने कहा कि न्यायालय तदनुसार कार्यवाही करेगा। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अधिकार क्षेत्र का मुद्दा भी उठाया और सवाल किया कि क्या वह विदेशी धरती पर हुए अपहरण से जुड़े मामले में फैसला सुना सकता है। जवाब में, वकील ने तर्क दिया कि वाहिद कंबर पाकिस्तान के नागरिक हैं और अपहरण चाहे कहीं भी हुआ हो, कार्रवाई करना राज्य के नाते पाकिस्तान और न्यायपालिका का कर्तव्य है, खासकर जब मौलिक संवैधानिक अधिकार दांव पर हों। न्यायमूर्ति राणा ने वकील के तर्क से सहमत होते हुए गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सचिव को अदालत में उपस्थित होने और अगली सुनवाई में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

रूस में ऑनलाइन चरमपंथी सामग्री की तलाश भी पड़ेगी महंगी, विधेयक पर राष्ट्रपति पुतिन ने किए हस्ताक्षर

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिया, जो ऑनलाइन चरमपंथी सामग्री तक पहुँचने या उसकी तलाश को अपराध घोषित करता है। इसके कानून के तहत दोषी पाए जाने पर 5,000 रूबल (करीब 64 डॉलर) तक जुर्माने का प्रावधान है। यह कानून 1 सितंबर से लागू होगा। रूस की संसद के दोनों सदनों ने ऐसे विधेयक को मंजूरी दी, जिसके तहत इंटरनेट पर चरमपंथी घोषित सामग्री की तलाश अपराध माना जाएगा।दी मॉस्को टाइम्स के मुताबिक इस विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया। यह कानून को रूस में इंटरनेट पर सरकारी नियंत्रण और सख्त करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। जिसमें कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर 'चरमपंथी' मानी जाने वाली सामग्री को तलाशता या एक्सेस करता है तो उस पर करीब 64 अमेरिकी डॉलर (लगभग 5000 रूबल) तक जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसकी निगरानी किस तरह की जा सकेगी। किस तरह सर्च को ट्रैक किया जाएगा या किस आधार पर यह तय होगा कि किसने जानबूझकर ऑनलाइन ऐसी सामग्री खोजी है। रूस में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो वीपीएन का इस्तेमाल कर प्रतिबंधित साइट्स तक पहुंच बनाते हैं। राष्ट्रपति पुतिन गुरुवार को ही वीपीएन सेवाओं के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने वाले एक और विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जो पिछले तीन वर्षों में रूस में व्यापक हो गए हैं। साल 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस में सरकार विरोधी आवाजों को दबाने के लिए ऑनलाइन सेंसरशिप और मीडिया बैन में इजाफा हुआ है। इन कानूनों को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। रूस में चरमपंथ की परिभाषा काफी व्यापक होने के कारण इसके व्यापक प्रभाव की संभावना है।

तुर्की के खॉन जेट से दुनिया हैरान एफ-35 और एसयू-57 को देगा टक्कर

अंकारा। दुनिया की रक्षा तकनीक में जिस फाइटर जेट की सबसे ज्यादा चर्चा है, वह है तुर्की का 5वीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर खॉन है। यह कोई आम जेट नहीं बल्कि हवा में दुश्मनों को खत्म करने वाली मशीन है। 2222 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने वाला यह खॉन जे जब आसमान में गूंजता है तो दुश्मनों के एयरस्पेस में खौफ छा जाता है। 5वीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर की रफ्तार है 2222 किमी प्रति घंटा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने खॉन जेट को अमेरिका के एफ-35 और रूस के एसयू-57 जैसे आधुनिक लड़ाकू विमानों की टक्कर देने के लिए तैयार किया है। खॉन ने फरवरी 2024 में अपनी पहली उड़ान भरी और सिर्फ 13 मिनट की उड़ान में साबित कर दिया कि वह आने वाले वक्त में आसमान का बादशाह होगा। इसके बाद मई 2024 में दूसरी सफल उड़ान ने इसे और मजबूत बना दिया। खॉन जेट की सबसे बड़ी ताकत है इसकी माज 1.8 यानी 2222 किमी प्रति घंटे की स्पीड और स्टील्थ तकनीक। यह रडार की पकड़ में आए बिना उड़ सकता है और दुश्मन पर अटैक करने से पहले उसे खबर तक नहीं होती है। इसके ड्यूल इंजन इसे हवा में स्थिर रखकर लंबी दूरी तक ऑपरेशन करने की क्षमता देते हैं। खॉन जेट को अत्याधुनिक एईएसए रडार, एआई-आधारित टार्गेटिंग सिस्टम और इंटरनल वेपन बे जैसी तकनीकों से लैस किया है। यह हवा से हवा और हवा से जमीन पर वार करने वाली मिसाइलों को एक साथ कैरी कर सकता है। खॉन जेट का डिजाइन इसे इतना खतरनाक बनाता है कि दुश्मन एयर डिफेंस सिस्टम को इसकी भनक तक नहीं लगती। इसकी स्टील्थ क्षमता और सुपरक्रूज मोड इसे बिना आफ्टरबर्नर के सुपरसोनिक उड़ान भरने में सक्षम है यानी खॉन हवा में आते ही दुश्मन के फाइटर जेट्स और राडार को मात दे सकता है।

वैज्ञानिकों ने सूक्ष्मजीव खोजा जो निकाल सकता है सोना

लंदन। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा किया है, जो सोने की उत्पत्ति और उसे निकालने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक सूक्ष्मजीव खोजा है, जो जहरीली मिट्टी में पाया जाता है और सोना निकाल सकता है। इस जीव का नाम कप्रीएविडस मेटालिड्यूरन्स है। यह माइक्रोब ऐसी जमीन में रहता है जहां भारी धातुएं मौजूद होती हैं। खास बात यह है कि यह धातुओं को खाकर उन्हें 24 कैरेट सोने के नन्हें-नन्हें कणों में बदल देता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह जीव एक विशेष रासायनिक प्रक्रिया से इन धातुओं को बेअसर करता है और अपने शरीर पर सोने के कण बनाने लगता है। यह सूक्ष्मजीव एक तरह से प्रकृति का 'अलकेमिस्ट' (धातु को सोने में बदलने वाला) है। इसके जीन में ऐसे एंजाइम होते हैं जो जहरीले आयनों को निष्क्रिय कर देते हैं।

भारत समेत 60 देशों पर अमेरिकी टैरिफ सात अगस्त से होगा प्रभावी,ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन,01 अगस्त (एजेंसियां) ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने गुरुवार को भारत समेत 60 से अधिक अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों के निर्यात पर नए टैरिफ (शुल्क) की घोषणा की। शुल्क की यह दर 07 अगस्त से प्रभावी होगी। इसमें भारत पर 25 फीसद और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप ने वैश्विक व्यापार को फिर से पटरी पर लाने की अपनी क्रांतिकारी योजना को आगे बढ़ाते हुए आधीरात से कुछ पहले इस आशय के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

खबर के अनुसार, 60 से अधिक देशों पर टैरिफ 07 अगस्त की रात 12:01 बजे से प्रभावी होगा। इसका अपवाद सिर्फ कनाडा है, जिसके निर्यात पर 01 अगस्त की रात 12:01 बजे से टैरिफ लागू होगा। कनाडा पर लगने वाले टैरिफ में उन सभी वस्तुओं को छूट दी गई है, जिनका व्यापार अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते के तहत होता है। इस समय कनाडा से अमेरिका के आयात का बड़ा हिस्सा इन्हीं वस्तुओं का है।

कार्यकारी आदेश में कुछ ऐसे देश भी शामिल हैं जिन्होंने प्रशासन के साथ व्यापार समझौते तोड़ दिए हैं और दर्जनों ऐसे देश हैं जिनके बीच अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। सीरिया के लिए यह शुल्क 41 फीसद, लाओस, म्यांमार के लिए 40 फीसद तक हैं। कार्यकारी आदेश में साफ किया गया है कि किसी भी देश के आयात पर 10 प्रतिशत से कम टैरिफ नहीं लगेगा।

सनद रहे ट्रंप ने पहले एक अगस्त की मध्यरात्रि के बाद से उच्च शुल्क लगाने की प्रतिज्ञा की थी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त सात दिनों की मोहलत देने का उद्देश्य सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा को नई टैरिफ दरों को लागू करने के लिए पर्याप्त समय देना है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 90 से अधिक देशों पर मुक्ति दिवस पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। बाद में उसे 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद उन्होंने व्यापार समझौतों के लिए आखिरी समय-सीमा अप्रैल में तय की। फिर 09 जुलाई की समय-सीमा आई और चली गई। व्हाइट हाउस ने फिर मोहलत दी। इसके बाद ट्रंप ने अधिकतर देशों के लिए आखिरी समय-सीमा पहली अगस्त तय की। गुरुवार की हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश की सूची में लगभग 70 व्यापारिक साझेदार शामिल हैं। जो देश सूची में नहीं हैं, उनके उत्पादों पर 10 फीसद टैरिफ लगेगा।

कुछ देशों के लिए गुरुवार की टैरिफ सूची में उन दरों की तुलना में कम दरें हैं जिनकी घोषणा मुक्ति दिवस पर की गई थी। कुछ अन्य देशों के टैरिफ में थोड़ी वृद्धि की गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल में मेडागास्कर पर 47 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा की गई थी। गुरुवार को मेडागास्कर पर सिर्फ 15 फीसद टैरिफ लगाया गया। वहीं स्विट्जरलैंड की दर 31 प्रतिशत से बढ़ाकर 39 फीसद कर दी गई।

हाल के हफ्तों में ट्रंप के साथ समझौते करने वाले कुछ व्यापारिक साझेदारों में जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इनके लिए नई टैरिफ सूची व्यापारिक समझौतों के अनुरूप है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि सूची में अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। उन्होंने कहा कि अगर किसी देश के साथ अमेरिका का व्यापार अधिशेष है (यानी अमेरिका उस देश को आयात से अधिक सामान निर्यात करता है) तो उस देश के सामान पर 10 फीसद टैरिफ दर लागू होगी। अगर अमेरिका का व्यापार घाटा कम है, तो उस देश से आयात पर आम तौर पर 15 फीसद टैरिफ लगेगा। जिन देशों के साथ अमेरिका का घाटा अधिक है, उन्हें ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका के तीन सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में मेक्सिको, कनाडा और चीन हैं। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को घोषणा की कि शुक्रवार से प्रभावी कनाडाई वस्तुओं पर शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत हो जाएगा। ट्रंप मेक्सिको और चीन को भी टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन मेक्सिको को गुरुवार को 90 दिनों का विस्तार मिल गया और चीन के साथ समझौता करने की 12 अगस्त की समय सीमा भी तीन महीने के लिए बढ़ाए जाने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर दस्तखत करने के बाद एक साक्षात्कार में कहा कि जिन देशों ने अभी तक व्यापार समझौता नहीं किया है, उनके लिए नए आयात शुल्क से बचने के लिए बहुत देर हो चुकी है। बावजूद इसके वह बातचीत करने के लिए तैयार हैं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार समझौतों ने अमेरिकी निर्यात के लिए उन अर्थव्यवस्थाओं तक अभूतपूर्व पहुंच खोल दी है जिनका कुल मूल्य 32 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है और जिनकी आबादी 1.2 अरब है।

ईरान की बढ़ती खुफिया गतिविधियों पर अमेरिका और नाटो सहयोगियों की कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन,01 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर ईरान पर यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बढ़ते खतरों के लिए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने ईरान से स्पष्ट रूप से कहा है कि वह विरोधियों, पत्रकारों, यहूदी नागरिकों और पूर्व/वर्तमान अधिकारियों को निशाना बनाने की अपनी खुफिया गतिविधियां तुरंत बंद करे।

गुरुवार को जारी इस संयुक्त बयान में कहा गया कि हम ईरानी खुफिया एजेंसियों द्वारा यूरोप और उत्तरी अमेरिका में लोगों की हत्या, अपहरण और उत्पीड़न के प्रयासों का एकजुट होकर विरोध करते हैं। यह हमारी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है।

बयान में यह भी उल्लेख किया गया कि ईरानी खुफिया एजेंसियां अब अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि वे पत्रकारों, यहूदी नागरिकों और असहमति जताने वालों को निशाना बना सकें — जिसे पूर्णत: अस्वीकार्य बताया गया।

बयान में चेतावनी दी गई है कि ऐसे किसी भी हमले को हमारी संप्रभुता का उल्लंघन माना जाएगा, और हम सब मिलकर इन षड्यंत्रों को नाकाम करने के लिए काम करेंगे।

किन देशों ने किया हस्ताक्षर

इस संयुक्त बयान पर अमेरिका और नाटो के 13 सदस्य देशों अल्बानिया, बेल्जियम, ब्रिटेन, कनाडा, चेक गणराज्य, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और अमेरिका ने हस्ताक्षर किए हैं। ऑस्ट्रिया, जो नाटो का सदस्य नहीं है लेकिन आईएईए (यूएन परमाणु एजेंसी) का मुख्यालय है, वह भी हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल है।

ब्रिटेन और जर्मनी से जुड़े मामले

ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों ने कई बार ईरानी प्रायोजित साजिशों के बारे में चेतावनी दी है। वर्तमान में तीन कथित ईरानी जासूसों पर ब्रिटेन में आरोप है कि वे पत्रकारों की जासूसी और उन पर हमले की योजना बना रहे थे। ब्रिटिश संसद की इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी कमेटी ने हाल ही में कहा, ईरान एक व्यापक, निरंतर और अप्रत्याशित खतरा बन चुका है।

नासा के स्पेस एक्स क्रू के सदस्य

केप केनारवेल में नासा के स्पेस एक्स क्रू सदस्य मिशन विशेषज्ञ ओलेग प्लेटोनोव, अमेरिका के माइक फिनके, कमांडर जेना करडेमान व मिशन विशेषज्ञ किमिया यूई केनेडी स्पेस सेंटर की इमारत से बाहर आते हुए।

हमास ने की स्थायी समाधान की अपील, कहा युद्ध समाप्त करना 'मानवीय और नैतिक कर्तव्य'

न्यूयॉर्क/गाजा,01 अगस्त (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर हुए हालिया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बाद फिलिस्तीनी संगठन हमास ने एक बयान जारी कर कहा है कि गाजा में युद्ध का अंत करना एक मानवीय और नैतिक कर्तव्य है।

हमास ने बयान में कहा कि हम अपने फिलिस्तीनी लोगों और उनके वैध अधिकारों के समर्थन में किए गए किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रयास की सराहना करते हैं और उसका स्वागत करते हैं। हालांकि हमास ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक इजराइल गाजा पर अपना हमला बंद नहीं करता, तब तक किसी भी राजनीतिक समाधान की कोई संभावना नहीं है। उसने इजराइल पर नरसंहार और व्यवस्थित भुखमरी नीति अपनाने का आरोप लगाया।हमास ने संकेत दिया कि वह युद्ध को समाप्त करने और इजराइली बंदियों को रिहा करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए एक स्थायी संघर्षविराम समझौते की जरूरत है। जिसमें गाजा से इजराइली सेनाओं की पूर्ण वापसी, सीमा पारियों (क्रॉसिंग्स) को खोलना और पुनर्निर्माण कार्यों की तत्काल शुरुआत शामिल हो। हमास ने अपने बयान में दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करते हुए कहा कि हमें एक ऐसे राजनीतिक रास्ते की ओर बढ़ना होगा जो कब्जे के अंत की ओर ले जाए और हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करे, जिसमें यरुशलम को राजधानी बनाकर एक पूर्ण संप्रभु स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना हो।

इमरजेंसी खत्मः फिर लोकतंत्र की पटरी पर लौटेगा पड़ोसी देश म्यांमार

यांगून,01 अगस्त (एजेंसियां) ।

2021 में हुए तख्तापलट के बाद म्यांमार में पहला चुनाव होगा। तख्तापलट ने म्यांमार को गृहयुद्ध और अराजकता में धकेल दिया है। इस वजह से संदेह पैदा हो रहा है कि क्या विश्वसनीय मतदान हो पाएगा। बहरहाल, म्यांमार के अधिकारियों ने भी घोषणा की है कि चुनाव दिसंबर 2025 में होंगे, हालाँकि, इसके लिए सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है।

अब सैन्य शासक वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने देश में आपातकाल खत्म करने की घोषणा की है। इसके साथ ही जुंटा शासन ने वहां नयी संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। ताकि अगले छह महीने के अंदर चुनाव कराया जा सके। सैन्य शासक,हलेंग ने गुरुवार (स्थानीय समय) को इस बारे में घोषणा की कि अक्टूबर 2024 में होने वाली राष्ट्रव्यापी जनगणना पूरी होते ही इस साल के अंत तक यानी दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय चुनाव होंगे।

जुंटा शासन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक टेलीविजन संबोधन में मिन आंग हलेंग ने कहा कि मतदान जनगणना पूरी होने के बाद होगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह घोषणा फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सेना द्वारा सत्ता हथियाने के तीन साल से भी अधिक समय बाद हुई है।

इस बीच, वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने अब भंग हो चुकी राज्य प्रशासन परिषद के प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, अब वे एक नई व्यवस्था के तहत व्यापक शक्तियों के साथ कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं, जिससे उनका प्रमुख राजनीतिक प्रभाव बरकरार रहेगा। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार अब यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे।रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद तब के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू मियंट स्वे ने म्यांमार में एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा की थी और संप्रभु शक्तियों को रक्षा सेवा के कमांडर-इन-चीफ को स्थांतरित कर दिया था। कमांडर-इन-चीफ ने बाद में राज्य प्रशासन परिषद का गठन किया और मिन आंग हलेंग इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए। एनडीसी ने इस साल 31 जुलाई तक कई बार छह -छह माह के लिए आपातकाल का विस्तार किया है।

क्रिकेटर कनिष्क चौहान को सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन ने किया सम्मानित

सिरसा,01अगस्त (एजेंसियां)।

सिरसा जैसे छोटे से शहर से उठकर अपनी प्रतिभा और एकाग्रता के माध्यम से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में अपने बेहतर प्रदर्शन के चलते बेस्ट ऑलराउंडर ऑफ द सीरिज रहे कनिष्क चौहान का शुक्रवार को सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले अभिनंदन किया गया।

भारत के इस युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कनिष्क चौहान का सिरसा लौटने पर सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से शाह सतनाम क्रिकेट स्टेडियम में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिलेभर से सैकड़ों युवा क्रिकेटर्स ने अपनी प्रेरणा बने कनिष्क चौहान की झलक पाकर गौरव अनुभव किया। कनिष्क चौहान का अभिनंदन फूलों की बरसात से हुआ, जिसके लिए इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने सभी खिलाडियों, अपने प्रशिक्षकों व विशेष रूप से जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल का आभार जताया।

सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि बहुत आरंभ में ही उन्होंने अपने सहयोगी प्रशिक्षकों जसकरण सिंह व विजय के साथ इस युवा खिलाड़ी के हुनर पर बारीकी से नजर बनाए रखी और उसे आगे निकलने में वो हरसंभव मौका दिया जो किसी भी खिलाड़ी के लिए अपेक्षित होता है। डॉ. वेद बेनीवाल ने कहा कि इस होनहार खिलाड़ी ने अपनी प्रतिभा, लग्न और एकाग्रता से ही देशभर के हजारों युवा खिलाडियों में अपने लिए इंग्लैंड गई भारत के अंडर-19 स्कवैड में अपना स्थान बनाया। डॉ. वेद बेनीवाल ने बताया कि कनिष्क चौहान ने इंग्लेंड में भारत की अंडर-19 क्रिकेट में 5 एक दिवसीय मैचों में 8 विकेट चटकाते हुए 114 रनों का भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर कनिष्क चौहान को पूरी सीरिज में बेस्ट ऑल राउंडर ऑफ द सीरिज का पुरस्कार दिया गया, जो न केवल सिरसा बल्कि पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। क्रिकेटर कनिष्क चौहान ने अपनी कामयाबी के पीछे हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिरुद्ध चौधरी, डॉ. वेद बेनीवाल, अपने दोनों प्रशिक्षकों जसकरण सिंह, विजय कुमार, मुख्य प्रबंधन में शरीक रहे चरणजीत सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपरोक्त सभी ने उसे केवल लक्ष्य पर एकाग्र होकर कड़ी मेहनत करने का जो गुण दिया था, उसी का परिणाम है कि वे इंग्लेंड में भारत के लिए बेहतर कर पाए। अब वे आगामी 21 सितंबर 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक ऑस्ट्रेलिया जाने वाली अंडर-19 भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

महिला ओपन गोल्फ 2025: वोड की धीमी शुरुआत, ओकायामा और ताकेडा पहले दिन संयुक्त बढ़त पर

पोर्थकोल। महिला ओपन गोल्फ 2025 के पहले दिन गुरुवार को इंग्लैंड की लोटी वोड उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं, जबकि जापान की एरी ओकायामा और रियो ताकेडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से बढ़त हासिल की। 21 वर्षीय वोड ने हाल ही में स्कॉटिश ओपन जीतकर प्रोफेशनल करियर की शानदार शुरुआत की थी और इसी कारण उन्हें साल के अंतिम मेजर टूर्नामेंट में फेवरेट माना जा रहा था। लेकिन दक्षिण वेल्स के तटीय मैदान पर उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वे आखिरी होल में बर्डी लगाकर सिर्फ लेवल पार (72) का स्कोर ही बना सकीं। जापानी गोल्फरों ने पहले दिन दबदबा कायम रखा। एरी ओकायामा ने 5-अंडर 67 का स्कोर बनाया और बाद में रियो ताकेडा ने 18वें होल में बर्डी कर उनके साथ संयुक्त बढ़त बना ली। मियु यामाशिता 4-अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि चेम्पियनशिप विजेता माओ साइगो, शिहो कुअकी और चिसातो इवाई 3-अंडर के स्कोर पर हैं। गत विजेता लीडिया को (न्यूजीलैंड) और वर्ल्ड नंबर-1 नेली कोरडा (अमेरिका) भी इस मौके का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। को ने एक ओवर में और कोरडा ने दो अंडर में दिन का खेल समाप्त किया। ओकायामा ने पहले होल में बोगी की लेकिन अगले आठ में से पांच होल में बर्डी कर लय पकड़ ली और 17वें होल में एक और बर्डी लगाकर बढ़त हासिल की। ताकेडा ने नौवें होल में डबल बोगी के बावजूद बैक नाइन में चार बर्डी लगाकर वापसी की। दर्शकों का सबसे ज़्यादा ध्यान दोपहर बाद उस समय गया जब वोड, को और अमेरिका की लीलिया वू के साथ ग्रुप में मैदान में उतरीं। भले ही यह वोड का पहला मेजर टूर्नामेंट था, लेकिन आयरिश ओपन में जीत और एवियन चैंपियनशिप में सिर्फ एक स्ट्रोक से चूकने के बाद वे जब वेल्स पहुंचीं तो उनसे बड़ी उम्मीदें थीं।

थरुन मन्नेपल्ली मकाऊ ओपन बैडमिंटन 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचे

मकाऊ। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थरुन मन्नेपल्ली ने शुक्रवार को मकाऊ ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट

2025 (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300) के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 23 वर्षीय थरुन ने चीन के हू झे एन को रोमांचक मुकाबले में 21-12, 13-21, 21-18 से हराकर अपने करियर के पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। अब थरुन सेमीफाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से भिड़ेंगे। वर्ल्ड नंबर 45 होह ने थाईलैंड के कांटाफोन वांगचारोएन को 21-9, 21-18 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के अन्य मुकाबलों में भारत के लक्ष्य सेन चीन के झू शुआन चेन से क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगे। पुरुष युगल में सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मलेशिया के चूंग हों जियान और मुहम्मद हाइकल के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उतरेंगे ।

टोटनहैम ने एशिया टूर के दौरान आर्सेनल को हराया

हांगकांग। हांगकांग के काई टैक स्पोर्ट्स पार्क में गुरुवार को खेले गए एक दोस्ताना मुकाबले में टोटनहैम हॉटस्पर ने आर्सेनल को 1-0 से मात दी। मैच में आर्सेनल ने मार्टिन ओडेगार्ड, बुकायो साका, काई हैवर्ट्ज़ और डेक्लन राइस जैसे स्टार खिलाड़ियों को मैदान में उतारा, वहीं टोटनहैम की ओर से क्रिस्टियन रोमेरो, मिकी वैन डी वेन और मोहम्मद कुदुस जैसे प्रमुख खिलाड़ी खेले। मैच की शुरुआत में आर्सेनल ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन टोटनहैम ने धीरे-धीरे लय पकड़ते हुए जवाबी हमले किए। 28वें मिनट में विल्सन ओडोबर्ट बॉक्स में घुसे और उनका शॉट पोस्ट से टकरा गया। हाफ टाइम से ठीक पहले, पापे मातर सार ने एक शानदार लॉन्ग-रेंज लॉब शॉट के जरिए टोटनहैम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में आर्सेनल ने हमलों की रफ्तार बढ़ा दी और कई खतरनाक मौके बनाए।

एफ1 : वेरस्टापेन ने की पुष्टि- अगले साल भी रेड बुल के साथ बने रहेंगे

बुडापेस्ट,01अगस्त (एजेंसियां)।

चार बार के फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन ने अगले सीज़न में मर्सिडीज़ में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। वेरस्टापेन ने गुरुवार को हंगेरियन ग्रां प्री से पहले स्पष्ट किया कि वह आगामी वर्ष में भी रेड बुल टीम के साथ ही रेसिंग जारी रखेंगे।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है अब अफवाहों को विराम देने का समय आ गया है। मेरे लिए यह हमेशा स्पष्ट था कि मैं यहीं रहूंगा। टीम में हम लगातार कार के प्रदर्शन को लेकर चर्चा करते रहे हैं। जब आप टीम छोड़ने वाले होते हैं, तो ऐसी बातचीत बंद हो जाती है। लेकिन मैंने ऐसा कभी नहीं किया।

गौरतलब है कि अगले साल से फॉर्मूला वन में इंजन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मर्सिडीज़ के इस नए युग में अग्रणी रहने की संभावना जताई जा रही है, वहीं रेड बुल अपनी नई पावर यूनिट पर काम कर रही है, जो अब होंडा से अलग हो चुकी है। हालांकि वेरस्टापेन के अनुबंध में ब्रेक क्लॉज शामिल हैं, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया गया है। इस सीज़न में 13 रेसों में दो जीत के साथ वह मिड-सीज़न में तीसरे स्थान पर हैं। उनका रेड बुल के साथ अनुबंध 2028 तक है। रेड बुल टीम बॉस क्रिश्चियन हॉर्नर की हालिया बर्खास्तगी को भी वेरस्टापेन को टीम में बनाए रखने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। वेरस्टापेन ने कहा, कुछ लोग सिर्फ नाटक करना पसंद करते हैं, लेकिन मेरे लिए यह हमेशा से साफ था। वहीं, मर्सिडीज़ के बॉस टोतो वोल्फ ने हाल ही में संकेत दिया था कि उनकी प्राथमिकता वर्तमान ड्राइवर लाइनअप - जॉर्ज रसेल और इटालियन ड्राइवर किमी एंटोनेली - को बनाए रखने की है। जॉर्ज रसेल ने भी अलग से कहा, मैं अगले साल मर्सिडीज़ के लिए ही दौड़ूंगा, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन अनुबंध पर दस्तखत अगस्त ब्रेक के बाद ही होंगे। रसेल, जो 16 साल की उम्र से मर्सिडीज़ की मैनेजमेंट के तहत हैं, ने बताया कि वह और वोल्फ इस समय टीम के प्रदर्शन सुधार पर ध्यान दे रहे हैं, न कि अनुबंध पर। उन्होंने कहा, अभी मेरे और मर्सिडीज़ के लिए अनुबंध को लेकर कोई जल्दीबाज़ी नहीं है।

काउंटी चैम्पियनशिप 2025: साई किशोर ने सरे के लिए झटके पांच विकेट, चहल और तिलक वर्मा भी चमके

नई दिल्ली। तमिलनाडु के बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर आर. साई किशोर ने काउंटी चैम्पियनशिप 2025 के मुकाबले में सरे की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके। यह मुकाबला रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जा रहा है। साई किशोर ने मैच के दूसरे दिन दो विकेट चटकाए थे, जिसके बाद तीसरे दिन कोडी यूसुफ, बास डी लीडे और मैथ्यू पॉट्स को आउट कर उन्होंने पांच विकेट (5/72) पूरे किए। उन्होंने मैच में कुल सात विकेट लिए और अब तक दो मैचों में 11 विकेट 24 की औसत से झटके हैं। उनकी शानदार गेंदबाज़ी के दम पर सरे ने डरहम को 344 रनों पर ऑलआउट कर दिया, जिससे जीत के लिए उन्हें केवल 176 रनों का लक्ष्य मिला। डिवीजन टू में खेलते हुए, युजवेंद्र चहल ने नॉर्थहैम्पटनशायर की ओर से डर्बीशायर के खिलाफ चौथे दिन दो विकेट झटके। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और अब मैच में उनके आठ विकेट हो गए हैं। यदि वह अंतिम दिन दो और विकेट लेते हैं तो उनके नाम मैच में 10 विकेट हो जाएंगे। दिलचस्प बात यह रही कि चहल ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर हैट्रिक की स्थिति बना दी थी, लेकिन वेन मैडसेन ने तीसरी गेंद को संभाल लिया।

कनाडियन ओपन 2025: 14 डबल फॉल्ट के बावजूद कोको गॉफ प्री-क्वार्टरफाइनल में

मॉन्ट्रियल,01अगस्त (एजेंसियां)।

नेशनल बैंक ओपन (कनाडियन ओपन) में अमेरिका की टॉप सीड और विश्व नंबर-2 कोको गॉफ ने गुरुवार को एक बार फिर मुश्किल हालात में शानदार जुझारूपन दिखाया। रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा के खिलाफ गॉफ ने 14 डबल फॉल्ट किए, लेकिन इसके बावजूद 4-6, 7-5, 6-2 से जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

मैच के बाद गॉफ ने कहा, यह वाकई कठिन मुकाबला था। मैं मानसिक रूप से मजबूत रही, खासकर रिटर्न गेम में। मेरी सर्विस में सुधार की ज़रूरत है, लेकिन फिलहाल जीत से खुश हूं। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद गॉफ बर्लिन और विम्बलडन में अपने शुरुआती मैच हार चुकी थीं। ऐसे में यह जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। गॉफ ने कहा, जब मेरा एक हिस्सा कमजोर हो और फिर भी मैं मैच जीत रही हूं, तो सोचिए जब सब कुछ सही चलेगा, तो मैं क्या कर सकूंगी। अब गॉफ का सामना 18 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया मबोको से होगा, जिन्होंने मैरी बौजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया। मबोको टूर्नामेंट में बची आखिरी कनाडाई खिलाड़ी हैं। इस बीच, अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने चौथी वरीयता प्राप्त रूस की मिर्रा आंद्रेवा को 7-6 (5), 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अब केसलर का मुकाबला यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक से होगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 15वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसात्किना को 3-6, 6-3, 7-6 (4) से हराया। यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्सका ने आठवीं वरीयता प्राप्त एमा नवारो को 7-5, 6-4 से हराया। अब उनका मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना से होगा, जिन्होंने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-0, 7-6 (5) से हराया। दसवीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना ने रूस की कमिला राखिमोवा को 7-5, 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में भाग लेते हुए फ्रांस के लियोन मारकंड।

खालिद जमील भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नियुक्त, 13 साल बाद एक भारतीय बना टीम का मुख्य कोच

नई दिल्ली,01 अगस्त (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को खालिद जमील को भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया, जिससे वह 2011-12 में सावियो मेडेइरा के बाद यह पद संभालने वाले पहले भारतीय बन गए।

जमील ने मनोलो मार्केज़ का स्थान लिया है, जिन्होंने एक वर्ष से अधिक समय तक प्रतिस्पर्धी मैचों में जीत न मिलने के कारण पिछले महीने पद छोड़ दिया था। जमील का चयन तीन लोगों की शॉर्टलिस्ट में से किया गया था, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्लोवाकिया के मैनेजर स्टीफन टारकोविक शामिल थे। एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने राष्ट्रीय टीम के निदेशक सुब्रत पाल से परामर्श के बाद 22 जुलाई को इस सूची को अंतिम रूप दिया।

समिति ने एक ऐसे भारतीय कोच को प्राथमिकता दी जो टीम के सांस्कृतिक और विकासात्मक परिवेश से जुड़ सके, और यही वह कारक था जिसने जमील को इस सूची में शीर्ष पर पहुंचाया। एआईएफएफ कार्यकारी समिति ने 1 अगस्त को तकनीकी समिति की सिफ़ारिश का समर्थन किया और जमील की नियुक्ति की पुष्टि की।

बजट संबंधी चिंताओं ने भी इस निर्णय को प्रभावित किया। एआईएफएफ की आय 2023 में 137.74 करोड़ से घटकर 2024 में 110.5 करोड़ रह गई, और उसे इगोर स्टिमैक का अनुबंध समाप्त करने के लिए 400,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना पड़ा। इस बीच, मार्केज़ कथित तौर पर प्रति अंतरराष्ट्रीय विंडो 10,000 अमेरिकी डॉलर कमा रहे थे। ऐसे माहौल में एक अनुभवी भारतीय कोच को नियुक्त करना वित्तीय और फ़ुटबॉल दोनों ही दृष्टि से उचित था।

घरेलू ट्रैक रिकॉर्ड

49 वर्षीय इस जमील ने एक खिलाड़ी (2005 में महिंद्रा यूनाइटेड के साथ) और एक कोच (2017 में आइज़ॉल एफसी के साथ) के रूप में भारत के शीर्ष डिवीजन खिताब जीते हैं। एएफसी प्रो लाइसेंस धारक, जमील आई-लीग, आई-लीग 2 और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में कोचिंग कर चुके हैं। अंडरडॉग आइज़ॉल के साथ उनका आई-लीग खिताब जीतना, जो उसका पहला और एकमात्र शीर्ष-स्तरीय खिताब है, भारतीय फुटबॉल की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक है। हाल ही में उन्होंने 2023-24 सीज़न के मध्य में जमशेदपुर एफसी की कमान संभाली और टीम को सुपर कप सेमीफाइनल तक पहुँचाया, फिर उपविजेता और अगले आईएसएल सेमीफाइनल में पहुंचाया।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 का कार्यक्रम घोषित, 22 सितंबर को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

नई दिल्ली,01 अगस्त (एजेंसियां)।

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) ने 15 से 27 सितंबर तक श्रीलंका के कोलंबो में होने वाली अंडर-17 सैफ चैम्पियनशिप के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के 10वें संस्करण में सात देशों को दो समूहों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें भारत और पाकिस्तान एक ही समूह में होंगे।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप ग्रुप:

ग्रुप ए: बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका।
ग्रुप बी: भारत, पाकिस्तान, मालदीव, भूटान।

प्रत्येक ग्रुप की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी, जबकि प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप चरण के बाद के सभी मैच सिंगल-लेग एलिमिनेटर होंगे, जिनमें अतिरिक्त समय और निर्धारित समय के बाद ड्रॉ होने की स्थिति में पेनल्टी शूटआउट का प्रावधान होगा। मेज़बान श्रीलंका पहला मैच नेपाल के खिलाफ खेलेगा और टूर्नामेंट के सभी मैच रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएँगे।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप कार्यक्रम:

ग्रुप चरण:

- 15 सितंबर - शाम 7:00 बजे - नेपाल बनाम श्रीलंका - ग्रुप ए
- 16 सितंबर - दोपहर 3:00 बजे - भारत बनाम मालदीव - ग्रुप बी
- 16 सितंबर - शाम 7:00 बजे - पाकिस्तान बनाम भूटान - ग्रुप बी
- 18 सितंबर - शाम 7:00 बजे - बांग्लादेश बनाम नेपाल - ग्रुप ए
- 19 सितंबर - दोपहर 3:00 बजे - पाकिस्तान बनाम मालदीव - ग्रुप बी
- 19 सितंबर - शाम 7:30 बजे - भूटान बनाम भारत - ग्रुप बी
- 21 सितंबर - शाम 7:00 बजे - बांग्लादेश बनाम श्रीलंका - ग्रुप ए
- 22 सितंबर - दोपहर 3:00 बजे - भारत बनाम पाकिस्तान - ग्रुप बी
- 22 सितंबर - शाम 7:30 बजे - भूटान बनाम मालदीव - ग्रुप बी

नॉकआउट:

सेमीफाइनल 1 - 25 सितंबर - दोपहर 3:00 बजे - ग्रुप ए का विजेता बनाम ग्रुप बी का उपविजेता

सेमीफाइनल 2 - 25 सितंबर - शाम 7:30 बजे - ग्रुप बी का विजेता बनाम ग्रुप ए का उपविजेता

फाइनल - 27 सितंबर - शाम 6:00 बजे - सेमीफाइनल 1 का विजेता बनाम सेमीफाइनल 2 का विजेता

गत विजेता भारत अपने अभियान की शुरुआत मालदीव के खिलाफ करेगा। ब्लू कोल्ट्स ने भूटान में पिछले संस्करण में बांग्लादेश को हराया था, जिसमें मोहम्मद कैफ और मोहम्मद अरबाश ने पिछले साल सितंबर में 2-0 से जीत हासिल की थी।

स्टील महाकुंभ रोडशो का आयोजन, ग्रीन स्टील और क्षेत्र की स्थिरता पर जोर

हैदराबाद, 01 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी महाकुंभ मेला 2025 के लिए एक पूर्वाभ्यास के रूप में, जो इस सितंबर में मुंबई में निर्धारित है, स्टील महाकुंभ रोडशो का आयोजन शुक्रवार को हैदराबाद में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख हितधारक, विशेषज्ञ और उद्योग जगत के नेता, भारत के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर परिदृश्य में स्टील क्षेत्र के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए।

एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि तेलंगाना आयरन एंड स्टील मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीआईएसएमए) द्वारा एआईआईएफए सस्टेनेबल स्टील मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के तहत, इस्पात मंत्रालय और यूएनडीपी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का फोकस ग्रीन स्टील, ऊर्जा दक्षता और बाजार के रुझानों पर था।

एआईआईएफए के अध्यक्ष योगेश मंधानी ने कहा कि देश के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की तैयारी के बीच, लचीला बुनियादी ढाँचा बनाने में स्टील की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, हमारे उद्योग को स्थिरता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भी विकसित होना चाहिए।

प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रकाश गोयनका ने एक हरित स्टील इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में रोडशो श्रृंखला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्टील बार के लिए बीआईएस (बीआईएस) के ड्राफ्ट मानकों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि –खखत्रऋ– के हस्तक्षेप से फिलहाल ड्राफ्ट को रोक दिया गया है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो से आग्रह किया कि वह मानकों को भारत की अनूठी जलवायु परिस्थितियों और लौह अयस्क की विशेषताओं के अनुरूप बनाए।

गोयनका ने माध्यमिक स्टील क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो इंडक्शन भट्टियों के माध्यम से देश के 65 प्रतिशत स्टील बार का उत्पादन करता है।

यह क्षेत्र हज़ारों करोड़ रुपये का कर राजस्व देता है, लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, एमएसएमई को सहायता देता है और आयात पर निर्भरता कम करता है।

उन्होंने कहा, इस क्षेत्र से मिलने वाला किफायती स्टील लाखों मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए घर का मालिक बनने के सपने को संभव बनाता है। उन्होंने बीआईएस हैदराबाद के निदेशक पी.वी. श्रीकांत से राष्ट्रीय निकाय को अनुकूल सिफारिशें भेजने की अपील की।

भारत, अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक है, जो सालाना 151 मिलियन टन से अधिक कच्चे स्टील का उत्पादन करता है और स्पंज आयरन उत्पादन में सबसे आगे है। 2016 और 2024 के बीच, देश का स्टील उत्पादन 5 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ा, जो चीन और वैश्विक औसत से अधिक है। वर्तमान स्थापित क्षमता 205 एमटीपीए है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 300 एमटीपीए और 2047 तक 500 एमटीपीए तक पहुँचना है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने बिजली में एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना के लिए समर्थन दिया और कुछ बड़े खिलाड़ियों के हाथों में व्यापार के केंद्रीकरण का विरोध किया।

दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल ने कहा कि इंडक्शन फर्नेस-आधारित माध्यमिक स्टील क्षेत्र को मजबूत करना भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य और 'विकसित भारत 2047' की दृष्टि के लिए आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

कम रोशनी में भी बेहतर क्वालिटी की तस्वीरें खींचेंगा वॉट्सऐप कैमरा

वाशिंगटन। वॉट्सऐप यूजर्स अब कम रोशनी में भी बेहतर क्वालिटी की तस्वीरें खींच सकेंगे। इसके लिए वॉट्सऐप में अब नाइट मोड फीचर जोड़ा गया है। यह नया फीचर खासकर उन यूजर्स के लिए है जो कम रोशनी में बेहतर क्वालिटी की तस्वीरें लेना चाहते हैं। इस फीचर की जानकारी वाबेटाइंफो द्वारा दी गई है, नए फीचर के तहत अब जब यूजर वॉट्सऐप कैमरा ओपन करेगा और उसके आसपास का माहौल कम रोशनी वाला होगा, तो कैमरा स्क्रीन के टॉप पर एक चंद्रमा के आकार का बटन दिखाई देगा। यही बटन नाइट मोड का है। इस बटन को टैप करते ही नाइट मोड ऑन हो जाएगा और फिर यूजर कम रोशनी में भी क्लियर और ब्राइट तस्वीरें खींच सकेगा। यह फीचर फोटो की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सॉफ्टवेयर बेस्ड ऑप्टिमाइजेशन का इस्तेमाल करता है। यह न केवल ब्राइटनेस और क्लैरिटी को बढ़ाता है, बल्कि इमेज में नॉइज को भी कम करता है और एक्सपोजर को एडजस्ट करता है, जिससे फोटो ज्यादा डिटेल्ड और साफ नजर आती है। इस फीचर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह इमेज को जरूरत से ज्यादा प्रोसेस नहीं करता, जैसे अन्य विजुअल इफेक्ट्स करते हैं। यह फोटो को नेचुरल रखते हुए उसमें केवल जरूरी सुधार करता है। हालांकि यह फीचर अपने आप एक्टिवेट नहीं होता, बल्कि यूजर को इसे खुद मैन्युअली ऑन करना होता है। यह उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा जो बिना एक्सटर्नल लाइट या फ्लैश के रात में अच्छी तस्वीरें लेना चाहते हैं।

मस्क की स्टारलिंक को इंटरनेट सेवा शुरू करने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की

मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे सेटअप का ढांचा भी तैयार कर लिया गया है ताकि सेवाओं की लॉन्चिंग में कोई दिक्कत न आए। यह जानकारी केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दी। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब देश में पहली बार मोबाइल कॉल किए जाने के 30 साल पूरे हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंधिया ने कहा कि स्टारलिंक को यूनिफाइड लाइसेंस मिल गया है। स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे की रूपरेखा तैयार है, जिससे सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का रोलआउट आसानी से हो सके। स्टारलिंक के साथ ही भारती ग्रुप समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस भी अपने सैटकॉम सर्विसेज शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट का इंतजार कर रही है। सिंधिया ने कहा कि पिछले 11 साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की डिजिटल यात्रा ऐतिहासिक रही है। टेलीफोन कनेक्शन अब 1.2 अरब हो गए हैं, जबकि इंटरनेट सब्सक्रिप्शन करीब 286 फीसदी से बढ़कर 97 करोड़ हो गया है।

तेल विपरण कंपनियों ने घटाई कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमत

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। 1 अगस्त 2025 से यह कटौती लागू होगी। अब दिल्ली में 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 33.50 रुपए सस्ता मिलेगा। नए दामों के मुताबिक दिल्ली में 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1,631.50 में मिलेगा। घरेलू उपयोग के लिए 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। 1 अगस्त से लागू, होटल, रेस्टोरेंट व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को मिलेगी राहत बता दें यह लगातार दूसरा महीना है जब कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में कटौती की गई है। इससे पहले 1 जुलाई को इनकी कीमत 58.50 घटाई गई थी। तेल कंपनियों ने कहा है कि यह संशोधन देशभर में 1 अगस्त से लागू हो गया है। कमर्शियल सिलेंडरों की कीमत में कटौती से होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर अब 1631 रुपए में मिलेगा। जुलाई में यह 1665 रुपए मिल रहा था। कॉमर्शियल सिलेंडर 34 रुपए सस्ता हुआ है। जबकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले की तरह भी आपको 853 रुपए में ही मिलेगा। कोलकाता में 1 अगस्त से कॉमर्शियल सिलेंडर 1734 रुपए में मिलेगा। जुलाई में 1769 रुपए में मिल रहा था। जबकि जून में यह 1826 रुपए में मिलता था।

टैरिफ के टेंशन में टूटा शेयर बाजार गिरकर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों को 1 दिन में 5.21 लाख करोड़ की लगी चपत

नई दिल्ली,01अगस्त (एजेंसियां)।

दुनिया के तमाम देशों पर थोपे गए अमेरिकी टैरिफ से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में लगातार तनाव का माहौल बना रहा। के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी रिकवर करके लाल निशान में भी पहुंचे, लेकिन इसके बाद टैरिफ के टेंशन में शुरू हुई बिकवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल लगातार गिरती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल, डिफेंस, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 444.51 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,169 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,313 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,703 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,667 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 632 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,035 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 111.17 अंक की कमजोरी के साथ 81,074.41 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से सुबह 10:30 बजे के करीब सेंसेक्स 131.93 अंक की मजबूती के साथ 81,317.51 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 720 अंक से अधिक टूट कर 690.01 अंक की कमजोरी के साथ 80,495.57 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 585.67 अंक की गिरावट के साथ 80,599.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 33.45 अंक लुढ़क कर 24,734.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। सुबह 10 के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये सूचकांक अगले आधे घंटे में ही हरे निशान में 24,784.15 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में पूरी तरह से बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब ढाई सौ अंक फिसल कर 233.30 अंक की गिरावट के साथ 24,535.05 अंक के स्तर तक गिर गया।

वाणिज्यिक खनन के लिए 12वें दौर में सात कोयला ब्लॉकों की हुई नीलामी

नई दिल्ली,01 अगस्त (एजेंसियां)।

कोयला मंत्रालय ने वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉक नीलामी के 12वें दौर में 28 जुलाई से 31 जुलाई तक कुल सात कोयला ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें तीन पूरी तरह से अन्वेषित और चार आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉक शामिल हैं। इन कोयला ब्लॉकों में करीब 1,761.49 मिलियन टन का संयुक्त भूवैज्ञानिक भंडार है।

कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉक नीलामी का 12वां दौर शुरू 27 मार्च को किया गया। इसके बाद 28 जुलाई से 31 जुलाई तक तीन पूर्णत: अन्वेषित और चार आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉकों की नीलामी की गई है। इन सात कोयला ब्लॉकों में लगभग 1,761.49 मिलियन टन का संयुक्त भूवैज्ञानिक भंडार है। पूर्णत: अन्वेषित कोल ब्लॉकों की संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 5.25 एमटीपीए है। इन कोयला ब्लॉकों की नीलामियों में औसतन 26.70 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी हासिल हुई। मंत्रालय ने कहा कि इन ब्लॉकों से लगभग 719.90 करोड़ रुपये (आंशिक रूप से खोजे गए ब्लॉकों को छोड़कर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। इसके अलावा लगभग 787.50 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने और 7,098 रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

देश में 2020 में वाणिज्यिक कोयला खनन की शुरुआत के बाद से अबतक कुल 131 कोयला ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है, जिनकी उत्पादन क्षमता 277.31 मिलियन टन प्रति वर्ष है। चालू होने पर ये कोयला ब्लॉक घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाने और देश को कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन ब्लॉकों से सामूहिक रूप से 39,359 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व, 41,597 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश और कोयला-उत्पादक क्षेत्रों में 3,74,916 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भागवत और योगी ...

दोनों सैन्य अधिकारियों ने गवाही दी कि बागड़े ने वहां चुपचाप आरडीएक्स जैसे खतरनाक विस्फोटक पदार्थ रखे थे और यह बात किसी को न बताने की धमकी दी थी। दो दिन बाद एटीएस की टीम ने उस घर पर छापा मारा और आरडीएक्स मिलने का दावा किया। एनआईए की जांच और कोर्ट में दी गई जानकारी से यह स्पष्ट हुआ कि बागड़े ने घर में जबरन घुसकर फर्जी सबूत रखे थे। कोर्ट ने कहा कि एटीएस की तरफ से इस मामले में कोई संतोषजनक सफाई नहीं दी गई और पूरे मामले में सबूतों की प्लांटिंग की आशंका है। इतना ही नहीं, कोर्ट को यह भी पता चला कि विस्फोट के कथित घायलों के मेडिकल सर्टिफिकेट बिना मान्यता प्राप्त डॉक्टरों से बनवाए गए थे। कुछ सर्टिफिकेट जानबूझकर बदले भी गए थे। कोर्ट ने इस पर भी जांच का आदेश दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही 2017 में कर्नल पुरोहित को जमानत देते हुए बागड़े की संदिग्ध भूमिका पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि आर्मी की जांच में भी अलग कहानी सामने आई थी और बागड़े का आरोपी के घर में जाना सवाल खड़ा करता है। अब कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा है कि एटीएस और एनआईए दोनों ही आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं ला सके और पूरा मामला संदेह के घेरे में है। कोर्ट का 1000 पन्नों का यह फैसला महाराष्ट्र के डीजीपी, एटीएस प्रमुख और एनआईए को भेजा गया है ताकि फर्जी सबूत और मेडिकल रिकॉर्ड की गहराई से जांच हो सके।

कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) किसी भी आरोपित के खिलाफ ठोस सबूत पेश नहीं कर पाया। कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि एटीएस यह साबित नहीं कर पाई कि धमाके में इस्तेमाल की गई बाइक प्रज्ञा ठाकुर की थी। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिलाया कि प्रज्ञा ठाकुर धमाके से कम से कम दो साल पहले ही साध्वी बन चुकी थीं और अभियोजन यह नहीं दिखा सका कि उनका धमाके की साजिश से कोई संबंध था। कर्नल पुरोहित के मामले में भी अदालत ने कहा कि कोई ऐसा सबूत नहीं मिला जिससे यह साबित हो कि उनके घर में कभी विस्फोटक सामग्री रखी गई थी।जांच एजेंसी ने मूलभूत जांच प्रक्रियाओं का भी पालन नहीं किया। उदाहरण के तौर पर, जिस कमरे में विस्फोटक रखने का दावा किया गया, उसकी स्केच तक नहीं बनाई गई और फॉरेंसिक सैंपल भी दूषित पाए गए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अभिनव भारत नाम की जिस दक्षिणपंथी संस्था की बात की गई थी, जिसे प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल पुरोहित से जोड़ा गया था, उसके बारे में भी यह साबित नहीं हो सका कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल थी या उसके फंड का इस्तेमाल इस तरह के कामों के लिए हुआ था।

भारत-रूस की...

हम इस पर करीब से नजर बनाए हुए हैं और जरूरत के हिसाब से सभी मदद दे रहे हैं। हम कुछ मित्र देशों के संपर्क में भी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में इस मामले को लेकर जो दावे किए गए हैं, वे गलत हैं। कृपया हमारे आधिकारिक अपडेट का इंतजार करें। हम सभी से अपील करते हैं कि अफवाहों से बचें।

अमेरिका से...

इस वर्ष फरवरी में पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच वार्ता में इन विमानों को खरीदे जाने की बात हुई थी। ट्रंप ने मीडिया के सामने भी भारत को एफ-35 बेचने के प्रस्ताव की बात कही थी। लेकिन भारत ने कभी इसके लिए हामी नहीं भरी। उस समय दोनों देशों के बीच अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने और इसके लिए अमेरिका से बड़ी मात्रा में रक्षा खरीद की बात कही गई थी। इसी के तहत ट्रंप ने एफ-35 विमान भारत को बेचने का प्रस्ताव दिया था। भारत ने हाल के समय में अमेरिका से रक्षा खरीद बढ़ाई है और इनमें एमएच 60आर सीहॉक हेलिकॉप्टर और पी-8आई समुद्री निगरानी विमान शामिल हैं। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका से उच्च तकनीक वाली खरीद करने में तब तक अनिच्छा जताई जबतक भारत में निर्माण की शर्त न पूरी हो।

उल्लेखनीय है कि जुलाई महीने में ही रूस ने भारत को अपना पांचवीं पीढ़ी का स्टिल्थ फाइटर जेट एसयू-57 ई बेचने का प्रस्ताव दे दिया था। खास बात यह है कि रूस ने इसके लिए तकनीक के हस्तांतरण समेत भारत में निर्माण का प्रस्ताव भी दिया है। इसे नासिक के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के प्लांट में बनाने का प्रस्ताव है। रूस के प्रस्ताव के अनुसार भारत में बनने वाले एसयू-57ई में 60 फीसदी पुर्जे भारतीय होंगे और इससे भारत इस विमान में स्वदेश निर्मित मिसाइलों को खुद तैनात कर पाएगा। इससे भारत इनकी मारक क्षमता को अपनी जरूरतों के अनुसार ढाल पाएगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा के...

तो क्या केंद्र और राज्य सरकारें उन्हें कानून के तहत वापस भेजने के लिए बाध्य हैं? और चौथा, अगर वे अवैध हैं, तो क्या उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकता है, या उन्हें कुछ शर्तों के साथ रिहा करने का अधिकार है?

रोहिंग्या म्यांमार के राखाइन प्रांत से ताल्लुक रखने वाला एक अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय है, जिसे वहां भारी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। मानवाधिकार संगठन उन्हें दुनिया के सबसे सताए गए समुदायों में से एक मानते हैं। भारत में करीब 40,000 रोहिंग्या बिना दस्तावेजों के रह रहे हैं। 14,000 रोहिंग्या संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग के साथ पंजीकृत हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि रोहिंग्या को गैर-वापसी (नॉन-रिफाउलमेंट) के सिद्धांत के तहत म्यांमार नहीं भेजा जा सकता, जहां उनकी जान को खतरा है।

सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा कि जो रोहिंग्या हिरासत में नहीं हैं और शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, क्या उन्हें बुनियादी सुविधाएं जैसे पीने का पानी, स्वच्छता और शिक्षा मिल रही है? वकीलों ने बताया कि कई शिविरों में हालात बदतर हैं, जहां भोजन, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। केंद्र सरकार का कहना है कि भारत 1951 के शरणार्थी सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। इसलिए रोहिंग्या को शरणार्थी मानने की बाध्यता नहीं है। सरकार उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानती है और विदेशी अधिनियम 1946 के तहत कार्रवाई की बात करती है।

उपराष्ट्रपति पद...

बहरहाल, उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। यह चुनाव एकल संक्रमणीय मत (सिंगल ट्रांसफरेबल) वोट के जरिए समानुपातिक प्रतिनिधित्व से होता है। उपराष्ट्रपति बनने के लिए जो योग्यता जरूरी है उसके तहत उसे भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए। वह राज्यसभा का सदस्य चुने जाने के योग्य होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति केंद्र या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण में लाभ के किसी पद पर हो तो वह उपराष्ट्रपति पद पर नहीं चुना जा सकता।

संख्या बल के लिहाज से उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास विपक्ष से काफी ज्यादा सांसद हैं। अभी यह भी तय नहीं है कि विपक्ष उपराष्ट्रपति के चुनाव में उतरेगा या नहीं। हालांकि उसने 2017 और 2022 के चुनाव में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा था। उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में केवल लोकसभा और राज्यसभा के सांसद होते हैं। भाजपा के लोकसभा में 240 और राज्यसभा में 99 सदस्य हैं। संसद के दोनों सदनों में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार के पास 457 से ज्यादा सदस्य हैं। कांग्रेस के लोकसभा में 99 और राज्यसभा में 27 सदस्य हैं। इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों के दोनों सदनों में मिलाकर 300 से ज्यादा सदस्य हैं।

भारत के चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि देश के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर 2025 को होगा। इसी दिन मतगणना भी की जाएगी। यह पद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुआ था। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से त्यागपत्र दिया था।चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार (01 अगस्त 2025) को जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त तय की गई है। उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपने नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित और मनोनीत सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत के माध्यम से होगा, जिसमें गुप्त मतदान किया जाएगा। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। यह सूची सांसदों के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अनुसार वर्णानुक्रम में तैयार की गई है। संविधान के अनुसार, इस्तीफे या मृत्यु जैसे कारणों से खाली हुए पदों को जल्द से जल्द भरा जाना चाहिए। निर्वाचित उपराष्ट्रपति अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पद ग्रहण करने की तिथि से शुरू करेगा।

गैर जिम्मेदाराना...

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी वोट चोरी के आरोप पर चुनाव आयोग (ईसी) ने सभी चुनाव अधिकारियों से कहा है कि वे ऐसे गैर-जिम्मेदाराना और निराधार बयानों पर ध्यान न दें और पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपना काम करते रहें। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के आरोप आजकल रोजाना लगाए जाते हैं और इनका कोई ठोस आधार नहीं होता। ऐसे में अधिकारियों को चाहिए कि वे इन बयानों से प्रभावित हुए बिना, ईमानदारी से चुनाव प्रक्रिया को अंजाम दें। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए वह लगातार निगरानी कर रहा है और जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि हाल ही में राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में वोट की चोरी हो रही है और चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। इसी के जवाब में चुनाव आयोग ने यह बयान जारी किया है।

अगस्त में 3 ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2025 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब अगस्त का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है इस महीने में सूर्य, बुध और शुक्र ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योति शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिसके कारण हर एक माह में कोई न कोई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं जिसे ज्योतिष में ग्रहों का गोचर कहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अगस्त के महीने में ग्रहों का बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जिससे इस महीने एक नहीं बल्कि दो राजयोग प्रभाव में आएंगे। अगस्त के महीने की शुरुआत गजलक्ष्मी राजयोग के साथ होगा। दरअसल, महीने में आरंभ में ही गुरु और शुक्र की युति मिथुन राशि में होने से गजलक्ष्मी राजयोग बनेगा। वहीं 11 अगस्त को बुध कर्क राशि में मार्गी होंगे। जबकि 16 अगस्त को सूर्य सिंह राशि में गोचर करेंगे। वहीं 21 अगस्त को शुक्र का गोचर कर्क राशि में होगा जिससे लक्ष्मी नारायण राजयोग बनेगा। लेकिन, मिथुन राशि में शुक्र और गुरु की युति महीने के आरंभ से रहेगी और 20 अगस्त तक इस युति से गजलक्ष्मी राजयोग बनेगा।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की विशेष भूमिका होती है। सभी ग्रह एक नियमित अंतराल पर अपनी राशि परिवर्तन करते हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन के अलावा सभी ग्रह की समय-समय पर चाल बदलती रहती है जिसका भी प्रभाव जातकों के जीवन पर पड़ता है। ऐसे में आने वाला अगस्त का महीना काफी महत्वपूर्ण रहने वाला होगा। अगस्त में कई ग्रह अपनी राशि तो बदलेंगे ही साथ ही कुछ ग्रह की चाल में बदलाव भी देखने को मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह के परिवर्तन से जातकों के जीवन के साथ देश-दुनिया में भी काफी हलचल देखने को मिल सकती है।

अगस्त में ग्रह गोचर

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, अगस्त माह में ग्रह बुध की चाल महत्वपूर्ण रहेगी। महीने की शुरुआत में बुध कर्क राशि में वक्री अवस्था में रहेंगे, लेकिन 11 अगस्त से वे मार्गी होकर कर्क राशि में उदित होंगे। अंत में 30 अगस्त को बुध सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इस दौरान बुध पुष्य, अश्लेषा और मघा नक्षत्रों में रहेंगे, जो उनके प्रभाव को और भी प्रभावशाली बनाएंगे। दूसरी ओर, दैत्यों के गुरु शुक्र अगस्त की शुरुआत में मिथुन राशि में रहेंगे और यहाँ गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण करेंगे। 21 अगस्त को वे कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और बुध के साथ युति कर लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण करेंगे। शुक्र आर्द्रा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्रों में विराजमान रहेंगे। सूर्य भी माह के आरंभ में कर्क राशि में रहेंगे, जबकि 17 अगस्त को अपनी स्वराशि सिंह में प्रवेश कर केतु के साथ युति कर ग्रहण योग बनाएंगे। शनि मीन राशि में वक्री रहेंगे, और राहु-केतु क्रमशः कुंभ और सिंह राशि में विराजमान रहेंगे, जो इस माह के ज्योतिषीय परिवर्तनों को और भी खास बनाएंगे।

बुध का सिंह राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। महीने की शुरुआत में बुध कर्क राशि में वक्री अवस्था में रहेंगे, लेकिन 11 अगस्त से वे मार्गी होकर कर्क राशि में उदित होंगे। अंत में, 30 अगस्त को बुध सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इस दौरान बुध पुष्य, अश्लेषा और मघा नक्षत्रों में रहेंगे, जो उनके प्रभाव को और भी प्रभावशाली बनाएंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ और मीन

सूर्य का सिंह राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। सूर्य भी माह के आरंभ में कर्क राशि में रहेंगे, जबकि 17 अगस्त को अपनी स्वराशि सिंह में प्रवेश कर केतु के साथ युति कर ग्रहण योग बनाएंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

शुक्र का कर्क राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र अगस्त की शुरुआत में मिथुन राशि में रहेंगे और यहाँ गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण करेंगे। 21 अगस्त को वे कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और बुध के साथ युति कर लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण करेंगे। शुक्र आर्द्रा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्रों में विराजमान रहेंगे।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - वृश्चिक, कुंभ और मीन

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

भविष्यवक्ता ने बताया कि व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शनिवार को यह उपाय करने से शनिदेव प्रसन्न होकर मनोकामना करते है पुरी

शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित होता है। इस दिन शनि महाराज की विशेष पूजा-अर्चना करने से जातक को शनि के अशुभ प्रभावों से राहत मिल सकती है और शनिदेव की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में शनिवार के कुछ विशेष उपायों का वर्णन भी मिलता है जिन्हें विधिपूर्वक और पूरी श्रद्धा से करने से जातक को जीवन के दुखों से छुटकारा मिल सकता है और धन-दौलत की प्राप्ति भी होती है। आज हम आपको इनमें से कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हें करने से शनिदेव जल्दी प्रसन्न हो सकते हैं और जीवन से दुर्भाग्य व धन की कमी को दूर करते हैं।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए करें यह काम

शनिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें और शनिदेव के मंदिर जाकर विधि-पूर्वक पूजा करें। साथ ही, उन्हें सरसों के तेल भी अर्पित करें। अब पीपल के वृक्ष के नीचे भी एक सरसों के तेल का दीपक जलाएं और कम से कम 7 बार पेड़ की परिक्रमा जरूर लगाएं। शनिवार के दिन इस उपाय को करने से शनिदेव जल्दी प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा भक्तों पर बनी रहती है। साथ ही, इससे जीवन से नकारात्मकता दूर होती है और सफलता में आने वाली बाधाएं भी धीरे-धीरे दूर होनी शुरू हो सकती हैं।

जीवन के दुखों से छुटकारा पाने के लिए करें यह उपाय

अगर आप जीवन में आने वाले दुखों और बाधाओं से परेशान हैं, तो शनिवार को एक छोटा सा उपाय आजमा कर देख सकते हैं। इसके लिए शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ शनि चालीसा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को जरूरी कार्यों में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। साथ ही, मानसिक शांति भी मिलती है। वहीं, शनिवार को शाम के समय हनुमान चालीसा का पाठ भी जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को भय से मुक्ति मिल सकती है और जीवन में खुशियां आने लगती हैं।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए और धन से जुड़ी समस्याओं के लिए आप शनिवार को आक के फूल का एक उपाय कर सकते हैं।

इसके लिए शनिवार के दिन आक के 7 ताजा पुष्प लेकर शनिदेव के मंदिर में अर्पित करने चाहिए। इस दौरान शनिदेव के मंत्र का जाप भी अवश्य जरूर करें। अब एक काले रंग के कपड़े में आक के फूल और जड़ को बांधकर अपने घर के मुख्य द्वार पर बांध लें। ऐसा करने से आपको शनि दोष से राहत मिल सकती है और आर्थिक तंगी से भी निजात मिल सकती है। शनिवार को आक के फूल का उपाय करने से शनि का बुरा प्रभाव कम होता है और धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है।

जीवन में तरक्की पाने का उपाय

माना जाता है कि शनिवार के दिन शनिदेव को कुछ विशेष चीजों का भोग लगाना और उन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण करना बहुत फलदायी होता है। ऐसे में शनिवार को शनि महाराज को काले तिल का प्रसाद चढ़ाना चाहिए और उन्हें खाना भी चाहिए। इस उपाय को करने से जातक को सभी पापों से मुक्ति मिल सकती है और शनिदेव जल्दी प्रसन्न होते हैं। शनिवार के दिन काले तिल के इस उपाय से शनिदेव आपको जीवन में तरक्की दिला सकते हैं और कारोबार में भी सफलता के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

माया किसे कहते हैं, व्यक्ति कैसे फंसा रहता है मायाजाल में

पैसों की वृद्धि करने में ही इंसान अपना सारा जीवन बिता देता है, इसी को माया कहते हैं, इंसान मायाजाल में फंसा रहता है। माया का जाल यह है कि जहां दौलत बढ़ती है वहां चैन घटता है। एक अमीर आदमी के पास करोड़ों का कारोबार है, करोड़ों का कारोबार चलाने के बावजूद, उसे पैसों की तंगी हमेशा रहती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अधिक पैसे कमाते-कमाते वह नए-नए कारोबार शुरू कर देता है।

लेकिन, उसके जीवन का एक सच है कि वह चैन की नींद नहीं सो पाता, हर रात उसे चिंता घेरे रहती है, कल किसे कितना भुगतान करना है, बैंक की किश्त कैसे चुकानी है, उधारी कहां से भरनी है और नई योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। ये तनाव हर रात उसे घेर लेते हैं, कारण, वह जितना कमाता है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने और नए काम शुरू करने की लालसा में रहता है, इसलिए वह व्यकित दुःखी रहता है। दूसरी ओर एक व्यापारी है जो संतोष और समझदारी के साथ जीता है। उसके पास भी व्यापार, गाड़ी, मकान हैं, पर साथ ही वित्तीय स्थिरता और संतुलन भी है। उसकी नींद, उसका आत्मविश्वास और उसका संतुलन, यही उसकी असली दौलत है।

पहला व्यक्ति अपने ही पैसों का गुलाम है। वह उस खजांची की तरह है, जो बैंक में करोड़ों रुपयों का लेन-देन करता है, लेकिन उन्हें भोग नहीं सकता है। वह एक रखवाले की तरह अपना धन और संपत्ति का ध्यान रखता है, पर उनका इस्तेमाल नहीं कर सकता है। पैसों की वृद्धि करने में ही वह अपना सारा जीवन बिता देता है। वह अभागा, सचमुच समझदार नहीं है, इसी को 'माया' कहते हैं, वह मायाजाल में फंस गया है।

हम अपने साथ वापसी का टिकट लेकर इस दुनिया में आए हैं। हम एक दिन अवश्य वापस जाने वाले हैं। उस टिकट पर हमारी वापसी की तारीख भी लिखी होती है। जब हम मृत्यु को प्राप्त होते हैं, तो अपने साथ कुछ नहीं ले जाते हैं। किसी ने सही ही कहा है, जब तुम मरोगे तो तुम्हारे साथ टूटी हुई सुई भी नहीं आएगी। टूटी हुई सुई एक बेकार वस्तु है, अपने साथ बेकार वस्तु भी नहीं ले जा सकते हैं तो और क्या ले जा पाएंगे, कुछ भी नहीं। सारी जिंदगी अपनी समझकर जिस संपत्ति को बटोरा, वह आपके मौत के समय काम नहीं आती और उसे आप अपने साथ लें भी नहीं जा सकते। आपके साथ जो आता-जाता है, वह है जीवन में आपके द्वारा संचित पुण्य और पाप। इन्हीं के आधार पर ईश्वर यह तय करते हैं कि किस जीव का अगला जन्म किस घर में होगा, मां-बाप अमीर होंगे या गरीब, यह एक विचारणीय बात है।

हिंडोले में ही क्यों बिठाए जाते हैं बांके बिहारी? जानें इसके पीछे की मान्यता

वृंदावन की पावन भूमि पर कण-कण में राधारानी और श्रीकृष्ण का वास माना जाता है। यहां के हर मंदिर और हर प्रथा का अपना एक विशेष महत्व और आध्यात्मिक गहराइयां हैं। इन्हीं में से एक अनूठी परंपरा है ठाकुर बांके बिहारी जी को हिंडोले में बिठाना। सावन के महीने में तो हिंडोला उत्सव की छटा देखते ही बनती है, जब लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य को झूलते हुए देखने के लिए दूर-दूर से खिंचे चले आते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर क्यों ठाकुर बांके बिहारी जी को हिंडोले में ही बिठाया जाता है?

हिंडोले में बिठाने के पीछे की प्रमुख मान्यताएं

श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण

सबसे प्रमुख कारण यह है कि हिंडोला श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का अभिन्न अंग रहा है। गोकुल और वृंदावन में बाल गोपाल को यशोदा मैया और गोपियां अक्सर हिंडोले में झुलाया करती थीं। यह उनकी आनंदमयी और चंचल बाल अवस्था का प्रतीक है। ठाकुर बांके बिहारी जी का स्वरूप ही अत्यंत मनमोहक और बाल सुलभ है। उन्हें हिंडोले में बिठाकर भक्त उस वात्सल्य और प्रेम का अनुभव करते हैं, जो यशोदा मैया को अपने कान्हा के प्रति था। यह भक्तों को भगवान की दिव्य बाल लीलाओं से जोड़ता है।

प्रकृति और वर्षा ऋतु से जुड़ाव

सावन का महीना वर्षा ऋतु का होता है, जब चारों ओर हरियाली छा जाती है और मौसम सुहाना हो जाता है। ऐसे समय में झूले झूलना एक स्वाभाविक और आनंददायक गतिविधि रही है। भगवान को हिंडोले में बिठाना इस प्राकृतिक सौंदर्य और सुखद वातावरण के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि भगवान भी प्रकृति के इस मनोरम रूप का आनंद लेते हैं।

भक्तों के प्रति प्रेम और सुख प्रदान करने की इच्छा

यह भी माना जाता है कि ठाकुर बांके बिहारी जी भक्तों को सुख और आनंद प्रदान करने के लिए स्वयं हिंडोले में विराजमान होते हैं। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चे को झूले में झुलाकर उसे प्रसन्न करती है, उसी प्रकार भगवान भी अपने भक्तों को प्रसन्नता और शांति प्रदान करने के लिए यह लीला करते हैं। भक्तों का मानना है कि हिंडोले में झूलते हुए बांके बिहारी जी का दर्शन करने से समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं और मन को असीम शांति मिलती है।

'झूला-झुली' की पारंपरिक अवधारणा

भारत की संस्कृति में, विशेषकर ग्रामीण अंचलों में, सावन के महीने में झूला झूलने की परंपरा सदियों पुरानी है। यह मनोरंजन का एक साधन होने के साथ-साथ एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव भी है। भगवान को हिंडोले में बिठाना इस सांस्कृतिक परंपरा को दिव्य स्वरूप प्रदान करता है। यह लोक संस्कृति और भक्ति के संगम का एक सुंदर उदाहरण है।

श्रृंगार और सौंदर्य का अनूठा प्रदर्शन

हिंडोला उत्सव ठाकुर जी के श्रृंगार और सेवा का एक भव्य अवसर भी होता है। हिंडोले को विभिन्न प्रकार के फूलों, रत्नों, सोने-चांदी और कीमती वस्त्रों से सजाया जाता है। यह भगवान के प्रति भक्तों के अगाध प्रेम और उनकी सेवा भावना को दर्शाता है। इस दौरान ठाकुर जी का स्वरूप और भी दिव्य और आकर्षक लगता है।

इस प्रकार मिला भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र, शिव कृपा से होती है सभी की कामना पूर्ण

जब दैत्य अत्यंत प्रबल होकर धर्म का लोप करने लगे तब श्री हरि भगवान विष्णु ने कैलाश पर जाकर भगवान शिव की विधि पूर्वक आराधना की। वे हजारों नामों से शिव की स्तुति करते और प्रत्येक नाम पर एक कमल चढ़ाते थे। तब शिव ने विष्णु के भक्तिभाव की परीक्षा के लिए उनके लाये हुए एक हजार कमलों में से एक को छिपा लिया। अर्पण करते हुए फूल कम होने पर जब खोज की गई तो सारी पृथ्वी भ्रमण करके भी वह फूल न मिला तो विष्णु जी ने फूल की पूर्ति के लिए कमल सदृष एक नेत्र को निकालकर चढ़ा दिया।

कथा विस्तार से- एक समय की बात है, दैत्य अत्यन्त प्रबल होकर लोगों को पीड़ा देने और धर्म का लोप करने लगे। उन महाबली और पराक्रमी दैत्यों से पीड़ित हो देवताओं ने देवरक्षक भगवान विष्णु से अपना सारा दुःख कहा। तब श्रीहरि कैलाश पर जाकर भगवान् शिव की विधिपूर्वक आराधना करने लगे। वे हजार नामों से शिव की स्तुति करते तथा प्रत्येक नाम पर एक कमल चढ़ाते थे।

जब शिव ने ली परीक्षा- भगवान शंकर ने श्रीहरि विष्णु के भक्ति भाव की परीक्षा करने के लिए उनके लाए हुए एक हजार कमलों में से एक को छिपा दिया। शिव की माया के कारण घटित हुई इस अद्भुत घटना का भगवान विष्णु को पता नहीं लगा। उन्होंने एक फूल कम जानकर उसकी खोज आरम्भ की। दृढ़तापूर्वक उत्तम व्रत का पालन करने वाले श्रीहरि ने भगवान शिव की प्रसन्नता के लिये उस एक फूल की प्राप्ति के उद्देश्य से सारी पृथ्वी पर भ्रमण किया, परंतु कहीं भी उन्हें वह फूल नहीं मिला। तब श्रीहरि विष्णु ने एक फूल की पूर्ति के लिये अपने कमलसदृश एक नेत्र को ही निकालकर चढ़ा दिया। यह देख सबका दुःख दूर करने वाले भगवान शंकर बड़े प्रसन्न हुए और वहीं उनके सामने प्रकट हो गये।सदाशिव ने प्रकट होकर कहा- 'मैं आप पर बहुत प्रसन्न हूं, इच्छानुसार वर मांगिए, मैं मनोवाञ्छित वस्तु दूंगा, मेरे लिये कुछ भी अदेय नहीं है।' श्री हरि विष्णु बोले, 'आपके सामने मुझे क्या कहना है, आप अन्तर्यामी हैं, अतः सब कुछ जानते हैं, तथापि आपके आदेश का गौरव रखने के लिये कहता हूं, दैत्यों ने सारे जगत को पीड़ित कर रखा है। सदाशिव, मेरे अपने अस्त्र-शस्त्र दैत्यों के वध में काम नहीं दे रहे, इसीलिये मैं आपकी शरण में आया हूं।'

सूतजी कहते हैं- श्रीविष्णु का यह वचन सुनकर देवाधिदेव महेश्वर ने अपना सुदर्शन चक्र उन्हें दे दिया। उसको पाकर भगवान विष्णु ने उन समस्त प्रबल दैत्यों का उस सुदर्शन चक्र के सरलतापूर्वक संहार कर डाला।

सोनू सूद ने जन्मदिन पर किया बड़ा ऐलान

बनाएंगे 500 वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम

असल ज़िंदगी के हीरो सोनू सूद ने फिर जीता दिल, अपने जन्मदिन पर 500 बुज़ुर्गों के लिए वृद्धाश्रम बनाने की घोषणा किए। अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे देश के सबसे दयालु और संवेदनशील व्यक्तित्वों में से एक क्यों माने जाते हैं। अपने जन्मदिन के अवसर पर सोनू सूद ने एक और सराहनीय और दिल को छू लेने वाली पहल की घोषणा की है, एक वृद्धाश्रम की निर्माण जो 500 बुज़ुर्गों को आश्रय और देखभाल प्रदान करेगा।

सालों से सोनू सूद ने फिल्मी दुनिया की सीमाओं से बाहर निकलकर समाजसेवा को अपनी प्राथमिकता बनाया है। महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों की मदद से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों और मरीजों को सहयोग देने तक, उन्होंने करोड़ों लोगों के लिए उम्मीद की एक किरण बनकर उभरे हैं। यह नया प्रयास उनके उस विश्वास को और मज़बूत करता है कि असली सफलता समाज को लौटाने में है।

यह आगामी वृद्धाश्रम उन बुज़ुर्गों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और स्नेहमय वातावरण तैयार करने का लक्ष्य रखता है, जिन्हें उपेक्षा का सामना करना पड़ा है या जिनका कोई सहारा नहीं है। सोनू सूद की यह योजना केवल आश्रय ही नहीं, बल्कि मेडिकल सुविधाएं, पौष्टिक भोजन और भावनात्मक समर्थन भी उपलब्ध कराएगी, ताकि उनके जीवन के अंतिम पड़ाव को गरिमा और सुकून लाने की उम्मीद करते हैं।

इस घोषणा की खबर फैलते ही देशभर से प्रशंसकों और शुभचिंतकों की ओर से जन्मदिन की बधाइयों का तांता लग गया है। लोग सिर्फ उनका जन्मदिन नहीं मना रहे, बल्कि उनके अंतहीन करुणा और सेवा के जज़्बे को भी सलाम कर रहे हैं। इस पहल के साथ सोनू सूद एक बार फिर यह साबित कर देते हैं कि असली हीरो वो होते हैं जो अपने कर्मों से पहचान बनाते हैं, न कि केवल प्रसिद्धि से।

मेरे लिए 125 करोड़ नहीं, 100 रुपए और दर्शकों का प्यार मायने रखता है: आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सितारे जमीन पर' को दिल के करीब बताया। ये भी कहा कि उनके लिए दर्शकों का प्यार और उनकी सराहना सबसे बड़ी पूंजी है। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म को लेकर कई बड़े ऑफर मिले थे लेकिन उन्होंने दर्शकों के लिए इसे ठुकरा दिया।आमिर खान ने बताया कि कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने बड़े ऑफर दिए, लेकिन उन्होंने इन ऑफर्स को ठुकरा दिया। बोले कि उनके लिए पैसों से ज्यादा वो प्यार मायने रखता है जो दर्शकों से मिलता है। प्रोड्यूसर-एक्टर आमिर खान ने कहा, मैं अपने दर्शकों को बहुत सम्मान देता हूं। उनके लिए मैं कड़ी मेहनत करता हूं ताकि वे मेरी फिल्मों को देखें और उसका आनंद लें। मेरे लिए यही सबसे ज्यादा मायने रखता है।

उन्होंने अपनी नई फिल्म 'सितारे जमीन पर' के बारे में भी बात की, जो उनके दिल के बेहद करीब है। यह फिल्म सामाजिक मुद्दों को मनोरंजन के साथ पेश करने की उनकी खास शैली को दिखाती है।

आमिर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से मिल रहे भारी-भरकम ऑफर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मुझे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से 100 करोड़ और 125 करोड़ रुपए के कई बड़े ऑफर मिल रहे थे, लेकिन मैं ऐसा नहीं चाहता। मेरे लिए दर्शकों का 100 रुपए का टिकट ज्यादा कीमती है, जो वे खुशी-खुशी मेरी फिल्म देखने के बाद देते हैं।उन्होंने आगे बताया, मुझे लगता है कि सिनेमा के लिए ये ज्यादा महत्वपूर्ण है कि लोग सिनेमाघरों में आपकी फिल्म देखें और फिर उससे जो पैसे आएं वो ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि फिर लोग परिवार के साथ फिल्म देखने जाते हैं, तो ये और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बन जाता है। मेरा कॉन्सेप्ट क्लियर है कि सराहना के तौर पर दर्शकों से आपको पैसे मिले, मुझे बिजनेस में रूचि होती तो मैं 125 करोड़ ले लेता। मुझे पैसे तो चाहिए, मगर वो ऑडियंस से खुशी-खुशी चाहिए, और मुझे लगता है कि मेरे लिए और सिनेमा के लिए भी यही सही है।

सोनाली बेंद्रे ने बताया सफल शादी का राज

सम्मान सबसे जरूरी

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों 'पति-पत्नी और पंगा' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं।

आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सोनाली से पूछा गया, वो आज के यंग कपल्स को क्या सलाह देना चाहेंगी? सोनाली ने कहा, आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं।

सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा, मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है।

बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है।उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बराबरी का मतलब हर छोटे काम में बराबरी नहीं बल्कि लंबे सफर में एक-दूसरे की इज्जत और परवाह सबसे जरूरी है। यानि शादी में हर चीज बराबर नहीं होती, लेकिन प्यार, सम्मान और सहयोग सबसे अहम होते हैं।

सोनाली बेंद्रे मानती हैं कि इंटरनेट अपने साथ दुनिया और रिश्तों में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, अब बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है। पहले एक जेनरेशन बदलने में 20-25 साल लगते थे, लेकिन अब ऐसा लगता है कि हर 3 साल में चीजें बदल जाती हैं। सब कुछ एकदम उल्टा हो गया है। इंटरनेट ने लोगों के जीने और जुड़ने के तरीके ही बदल दिए हैं।

बता दें, अभिनेत्री कलर्स टीवी के नए शो 'पति, पत्नी और पंगा' में नजर आएंगी। इस शो में सोनाली के साथ कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी भी को-होस्ट के रूप में होंगे।

अभिषेक बच्चन की स्ट्रीमिंग में सफलता और स्मार्ट चुनाव

ऐसे इंडस्ट्री में जहाँ अटेन्शन क्षण भर के लिए होता है और डिजिटल दर्शकों को खुश करना बेहद कठिन माना जाता है, अभिषेक बच्चन उन गिने-चुने अभिनेताओं में से हैं जिन्होंने न केवल ओटीटी के दौर में खुद को बनाए रखा है, बल्कि इस माध्यम को बख़ूबी साधा भी है। हाल ही में विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उनके एक से बढ़कर एक प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित कर रहे हैं कि आज की सफलता शोर मचाने में नहीं, बल्कि सही चुनाव करने में है। चाहे वह तीखी व्यंग्यात्मक फिल्म हो, भावनात्मक ड्रामा हो या फिर दिल को छू लेने वाली हल्की-फुल्की कहानी-अभिषेक ने ऐसी कहानियों के साथ तालमेल बिठाया है जो दिल को छूती हैं और ऐसे किरदार निभाए हैं जो सीमाओं को चुनौती देते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो की हिट फिल्म बी हैप्पी को ही ले लीजिए, जो रिलीज़ होते ही नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगी। इस फिल्म की गर्मजोशी, हास्य और रिलैटेबिलिटी ने हर उम्र वर्गों के लोगों को प्रभावित किया, और कई लोगों ने इसे साल की सबसे सुकून देने वाली फिल्मों में से एक बताया। इससे पहले नेटफ्लिक्स पर आई वांट टू टॉक आई थी, जो न केवल स्ट्रीमिंग पर सफल रही, बल्कि हर जगह चर्चा का विषय बन गई, और अभिषेक को उनके बहुस्तरीय, संयमित अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले।

शिक्षा व्यवस्था पर आधारित सामाजिक कॉमेडी दसवी नेटफ्लिक्स इंडिया के चार्ट में टॉप पर पहुँच गई और अपने तीखे संदेश और कॉमिक टाइमिंग के लिए जानी गई। वहीं कालीधार लापता ने उनकी डिजिटल जर्नी को एक और बेहतरीन और समीक्षकों द्वारा सराही गई भूमिका के साथ पूरा किया, जो दिखाता है कि वह किस तरह से सहजता से विभिन्न शैलियों और माध्यमों के बीच बदलाव करते हैं।इस बारे में बात करते हुए, अभिषेक कहते हैं, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे आई वांट टू टॉक, बी हैप्पी, हाउसफुल 5, कालीधर लापता जैसी फ़िल्में करने का मौका मिला। यह वाकई सुखद है कि हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब दर्शक इतनी विविधता को खुले दिल से अपना रहे हैं। मैं शुक्रगुज़ार हूँ कि निर्माता मुझ पर इतना भरोसा करते हैं - दर्शकों की तरफ़ से यह आज़ादी बहुत मायने रखती है।

इन सभी प्रोजेक्ट्स को जोड़ने वाली कड़ी सिर्फ़ अभिषेक का अभिनय नहीं है, बल्कि वह आत्मविश्वास है जिसके साथ उन्होंने ऐसी कहानियाँ चुनीं जो दिखावे से ज़्यादा कुछ कहती हैं। इस डिजिटल दौर में, अभिषेक बच्चन एक ऐसा सफर गढ़ रहे हैं जो सार्थकता और निरंतरता पर टिका है-जहाँ काम बोलता है और दुनिया देखती है। दर्शक, समीक्षक और व्यापार जगत-सब उनकी ओर ध्यान दे रहे हैं। अभिषेक बच्चन अब सिर्फ़ ट्रेंड नहीं कर रहे-वे 2025 में स्ट्रीमिंग सफलता की परिभाषा तय कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा. इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी .

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 07:25 तक
नक्षत्र : विशाखा अहोरात्र
योग : शुक्ल अहोरात्र
करण : बव प्रातः 07:25 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 11:25 तक
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 ,सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आश्लेषा में रवि रात्रि 04:08 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तकनीक से तरक्की की ओर राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में सूचना प्रौद्योगिकी में नए कीर्तिमान

जयपुर, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार सूचना प्रौद्योगिकी और संचार के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ रही है। सरकार की प्रगतिशील नीतियों और नवाचारों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता ने राज्य को तकनीकी प्रगति के मानचित्र पर ऊंचा स्थान दिलाया है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार जल्द ही 'राजस्थान एआई पॉलिसी 2025' को लागू करने जा रही है। इस नीति के तीन प्रमुख स्तंभ हैं– पहला, नैतिक और जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए सरकारी स्तर पर विशेष प्रयास किए जाएंगे। दूसरा, राज्य में कौशल विकास और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। तीसरा, मजबूत और व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। इसके क्रियान्वयन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई (सीओई–एआई) की स्थापना की जाएगी, जो स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर नवाचार को गति देगा। यह नीति नेशनल इंडिया एआई मिशन के साथ संरेखित है और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का प्रयास है।

राज्य सरकार द्वारा जारी एवीजीसी–एक्सआर पॉलिसी ने राज्य को एनिमेशन, गेमिंग और विजुअल इफेक्ट्स जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। साथ ही, राज्य सरकार ने 1000 करोड़ रुपये की लागत से चार अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलेरेटर्स की स्थापना का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ एग्रीकल्चर एक्सेलेरेटर मिशन की शुरुआत की गई है, जिससे तकनीक और कृषि का समावेश होगा।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी–2025 जारी की गई है। इस पॉलिसी

का उद्देश्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित करना है एवं राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र में प्रमुख गंतव्य बनाना है। यह नीति राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावी बनायेगी।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करे और राजस्थान को क्रिएटिव टेक्नोलॉजी का हब बनाया जा सके। साथ ही, इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रमुख उद्यमियों के साथ एमओयू के माध्यम से सहयोग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

राजस्थान स्टेट डेटा सेंटर (आरएसडीसी) देश का सबसे बड़ा सरकारी स्वामित्व वाला डेटा सेंटर है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप यह सेंटर अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। इसमें जयपुर में चार और जोधपुर में एक डीआर साइट सम्मिलित हैं। इसकी कुल क्षमता 800 रैक है, जिनमें आरएसडीसी–पी4 में 600 रैक के साथ टियर–4 डिजाइन उपलब्ध है, जो 99.995 प्रतिशत अपटाइम की गारंटी देता है। यह सेंटर जी2जी, जी2सी और जी2बी सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जिससे डिजिटल राजस्थान का सपना साकार हो रहा है। इसके माध्यम से डेटा प्रबंधन, केंद्रीय संग्रहण और आईटी संचालन की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग आमजन को राहत पहुंचाने और शासन की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निरंतर नवाचार कर रहा है। चाहे एआई हो, एवीजीसी हो या डेटा प्रबंधन हर क्षेत्र में राजस्थान तकनीक के बल पर जन–सेवा का नया अध्याय लिख रहा है।

राजस्थान विधानसभा में युवा संसद – 13 राज्यों के 168 युवा जुटेंगे

जयपुर, 01 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा के सदन में तेरह राज्यों के 168 युवा देश की सुरक्षा से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर संवाद करेंगे।

विधान सभा के यू–ट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण– राजस्थान विधान सभा में शनिवार को प्रातः 10 बजे इस एक दिवसीय युवा संसद का राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शुभारम्भ करेंगे। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित इस युवा संसद का राजस्थान विधान सभा के यू–ट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण किया जायेगा।

तेरह राज्यों के 168 युवा जुटेंगे राजस्थान विधान सभा में– देवनानी ने बताया कि देश के दस राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक, गुजरात और तीन केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर, चंडीगढ़ व नई दिल्ली के 55 विद्यालयों के कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के चयनित 168 युवा छात्र–छात्राएं आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करवाने के प्रयासों पर संवाद कर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों के हल का मार्ग खोजने का प्रयास करेंगे। विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे।

युवाओं को संसदीय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के प्रोत्साहन का सशक्त मंच– देवनानी ने बताया कि युवा संसद एक ऐसा मंच है जो छात्रों को संसदीय प्रक्रिया और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के बारे में सिखाने के लिए आयोजित किया जाता है। यह छात्रों को राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों पर बहस करने, अपने विचार व्यक्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

युवाओं को सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनाने का माध्यम–देवनानी ने बताया कि युवा संसद का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व, सार्वजनिक भाषण, गंभीर सोच और नागरिकता की भावना को बढ़ावा देना है। युवा संसद युवाओं को सिर्फ आलोचक नहीं, बल्कि भागीदार बनने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे सामाजिक परिवर्तन के वाहक बन सकें।

निर्वाचन आयोग और आईपीएफटी प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक

भीलवाड़ा, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में त्रिपुरा की आदिवासी जनजातियों की पार्टी इंडिजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार रियांग के नेतृत्व में आयोग को अपने सुझाव सौंपे। सहायक निदेशक अपूर्व कुमार सिंह ने बताया कि बैठक भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्षों से हो रही श्रृंखलाबद्ध बैठकों का हिस्सा है इन संवादों का उद्देश्य सकारात्मक चर्चा को प्रोत्साहन देना है, जिससे दलों के अध्यक्ष सीधे आयोग के समक्ष अपने विचार, सुझाव और चिंताएं रख सकें।यह पहल आयोग की उस व्यापक दृष्टि के अनुरूप है, जिसमें सभी हितधारकों की भागीदारी से कानूनी ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाना है। पिछले 150 दिनों में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें 40 बैठकें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा, 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा तथा 3,879 बैठकें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आयोजित की गईं। इन बैठकों में कुल 28 हजार से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हरियाणा विधानसभा का सत्र 22 अगस्त से, लाडो लक्ष्मी योजना का पोर्टल जल्द शुरू होगा: सैनी

चंडीगढ़, 01 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने आज चंडीगढ़ में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में बताया कि हरियाणा विधानसभा का आगामी सत्र 22 अगस्त से शुरू होगा, जिसकी अवधि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी तय करेगी। मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि सरकार गरीबों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और हरियाणा सरकार ने पिछले 11 वर्षों में गरीब–केंद्रित योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि

उनकी सरकारें केवल बड़े आदमियों के लिए नीतियां बनाती थीं, जबकि भाजपा सरकार का लक्ष्य गरीब और वंचित वर्ग को मजबूत बनाना है।

कानून–व्यवस्था के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकार इस मामले में पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों से निपटने के लिए मौके पर ही उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस दुष्प्रचार करने में माहिर है और केवल हरियाणा पर उंगली उठाती है, जबकि अपने शासित राज्यों कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना की बात नहीं करती।

सैनी ने कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्रों को केवल हथकंडा बताया और कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव या क्षेत्रवाद के तीन गुना गति से विकास कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि लाडो लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है और इसके लिए जल्द ही एक पोर्टल भी जारी किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में लिए गए फैसलों की भी चर्चा की और बताया कि 2 अगस्त को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की जाएगी, जिससे लाखों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग और मीडिया सचिव प्रवीन आत्रे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शासन–प्रशासन के लिए सबसे अहम होनी चाहिए बच्चों की सुरक्षा : सैलजा

चंडीगढ़, 01 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था की बदहाल तस्वीरें आज पूरे प्रदेश के जनमानस को झकझोर रही हैं। छतों से टपकता पानी, दरकती दीवारें, दीमक से खोखले हो चुके दरवाज़े और फर्श पर बैठकर पढ़ने को मजबूर बच्चे, ऐसे हालात किसी दूरदराज के परित्यक्त भवन के नहीं, बल्कि प्रदेश के मॉडल कहे जाने वाले सरकारी स्कूलों का है। भाजपा सरकार को राजस्थान के झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद सबक लेते हुए सभी जर्जर स्कूल भवनों की तत्काल मरम्मत कराई जाए या उन्हें नए भवनों में स्थानांतरित किया जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने प्रदेश के सभी जर्जर स्कूल भवनों की हालात पर गहरा दुख और रोष व्यक्त करते हुए कहा कि शायद प्रदेश की भाजपा सरकार किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है? राजस्थान में स्कूल की छत गिरने से जो मासूम जानें गई, क्या हरियाणा सरकार उससे कोई सबक नहीं ले रही? कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में अधिकतर गरीब, श्रमिक और दलित वर्ग के बच्चे ही पढ़ते है क्योंकि इन वर्ग के लोग प्राइवेट स्कूलों की बड़ी फीस भरने में असमर्थ होते है। भाजपा सरकार का इनकी ओर ध्यान न देना स्पष्ट करता है कि भाजपा की प्राथमिकता में गरीब बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा नहीं है। वैसे भी प्रदेश सरकार प्राइवेट स्कूलों को बढ़ावा देकर सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश कर रही है। सांसद ने कहा कि 60 साल पुराने भवनों में बिना मरम्मत के बच्चों को बैठाया जा रहा है, भवनों को 'जर्जर' घोषित करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है और मॉडल स्कूल कहे जाने वाले संस्थानों की दीवारें भी गिरने के कगार पर हैं।

पश्चिमी यमुना नहर में गिरी कार, महिला की मौत

करनाल, 01 अगस्त (एजेंसियां)। करनाल में देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। यह हादसा कैथल पुल के पास हुआ, जब एक कार पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई। बताया जा रहा है कि कार में पति–पत्नी सवार थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। हादसे में महिला की मौत हो गई। गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद महिला के शव को नहर में डूबी हुई कार से बाहर निकाला। महिला की सीट बेल्ट बंधी हुई थी, जिस वजह से उसे तुरंत बाहर निकालना मुश्किल हुआ। वहीं, कार में मौजूद पति की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस और गोताखोर नहर में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। मौके पर हाइड्रा मशीन की मदद से कार को भी बाहर निकाला गया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर करनाल थाना सिविल लाइन इंचार्ज श्रीभगवान पहुंचे। उन्होंने बताया कि गाड़ी में सवार लोग करनाल के सेक्टर 13 में रहने वाले हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पति–पत्नी दोनों को रात करीब 9:30 बजे कलंदरी गेट के पास देखा गया था। इसके बाद कैसे और क्यों वे कैथल पुल के पास पहुंचे, यह जांच का विषय है। पुलिस को गाड़ी से दो मोबाइल फोन भी मिले हैं, जो संभवतः पति–पत्नी के हो सकते हैं।

गाड़ी के एक तरफ का शीशा टूटा हुआ था और अंदर चाबी लगी हुई मिली। इससे हादसे की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

गोताखोर कर्ण, जिन्होंने महिला का शव निकाला, ने बताया कि उन्होंने पहले कार को नहर में देखा और तुरंत अपनी बाइक छोड़कर पानी में कूद गए। उन्होंने कार को पकड़ा और महिला को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन सीट बेल्ट के कारण सफल नहीं हो पाए। फिर रस्सी और गोताखोरों की मदद से महिला को बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि गाड़ी के अंदर दोनों लोग जोर–जोर से चिल्ला रहे थे, हमें बचाओ, हमें बचाओ।

हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि परिवार में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी और न ही कोई विवाद था।

असंध से भाजपा विधायक योगेंद्र राणा भी घटना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन, पुलिस और गोताखोरों की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के शव को बाहर निकाला और पति की तलाश अभी जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों पति–पत्नी घूमने के लिए निकले थे, जिसके बाद यह दुखद घटना सामने आई। हादसा किस कारण हुआ, इसकी जांच अभी चल रही है।

सीएम नीतीश कुमार भी पीला बस से प्रचार करने जा रहे इनका भी अगला रास्ता जनसुराज है : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसियां)।

जनसुराज के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने फिर से सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। उन्होंने कहा कि नवंबर के बाद जदयू के सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं का आखिरी रास्ता जन सुराज में ही होना है। ऐसा इसलिए कि अब नीतीश कुमार भी पीला रंग के बस में घूमने लगे हैं। सभी जगह जो पोस्टर लग रहे हैं वो भी पीला रंग का ही है। यह देखकर लोग समझ रहे हैं कि इनका अगला रास्ता जनसुराज में है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि हम किसी के विरोध में नहीं हैं। जन सुराज में वो लोग आ रहे जो बेहतर व्यवस्था बनाना चाहते हैं।

हम चाहते हैं कि बिहार सुधरे। हम चाहते हैं कि कर्नाटक-गुजरात की तरह बिहार में भी विकास हो। हमलोग उपरवाले की प्रेरणा से काम कर रहे हैं। भाजपा में जिस चाल चरित्र चेहरा की बात होती थी, उस चेहरे वाले लोग अब जन सुराज में दिख रहे हैं। अभिमन्यु का

उदाहरण देते कहा कि उसके बलिदान की ही चर्चा होती है, उसे घेर कर मारने वालों की चर्चा नहीं होती

दरअसल, जनसुराज पार्टी ने आज पटना के बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में बड़ा मिलन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की मौजूदगी में भाजपा के महामंत्री रहे सुधीर शर्मा, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रहीं विनीता मिश्रा और समस्तीपुर निवासी युवा उद्यमी चेतना झांब समेत कई राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं और विभिन्न जिलों के गणमान्य सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों ने जनसुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने सभी को पीला गमछा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। उदय सिंह ने कहा कि आज बिहार भर के लोग यह जान रहे हैं कि उनकी समस्याओं का समाधान जन सुराज ही कर सकती है। इसलिए सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र की बड़ी-बड़ी हस्तियां हमसे जुड़ रही हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर मैं इससे गौरवान्वित हूं।

वहीं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि भाजपा ने देश के लिए कुछ भी किया हो, बिहार के लिए कुछ नहीं किया। इसलिए सभी पार्टियों खासकर भाजपा के इतने सारे नेता हमारे साथ आ रहे हैं।

जन सुराज से जुड़कर भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री व भूमिहार-ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट के कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने कहा कि मैंने अपनी जवानी भाजपा को आगे बढ़ाने में लगा दी। लेकिन यह पार्टी अब जमीनी कार्यकर्ताओं की कत्लगाह हो गई है। बिहार में अब राजद एक और राजद एक के बीच सत्ता की लड़ाई हो रही है। लेकिन अब जन सुराज बिहार की जनता का अगला विकल्प बनने जा रही है।

वहीं भाजपा की महिला प्रदेश उपाध्यक्ष रहीं विनीता मिश्रा ने जनसुराज से जुड़ने को लेकर प्रशांत किशोर और उदय सिंह को धन्यवाद दिया। साथ ही समस्तीपुर निवासी युवा उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता चेतना झांब ने कहा कि बिहारी अब सिर्फ बिहार में ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व कर रहे हैं। अब प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार को पाटलिपुत्र को उसका पुराना गौरव वापस दिलाना है।

जनसुराज पार्टी में आज शामिल हो-नेवालों में अन्य लोगों में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी पल्लव कुमार सिंह गोपालगंज के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ शशि शेखर शर्मा, सीतामढ़ी निवासी दिल्ली यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ सोमेंद्र कुमार सिंह, पटना महावीर मंदिर के मुख्य पुजारी रहे उमाशंकर दास शास्त्री, सारण निवासी अकादमिक स्तर पर सक्रिय रहे अमितेश कुमार, कटिहार के सामाजिक कार्यकर्ता विश्वजीत भारती, उद्यमी रिंकू गिरी, पटना हाई कोर्ट के वकील राजेश कुमार मिश्रा, पश्चिम चंपारण के कांग्रेस जिलाध्यक्ष रहे अजय गिरी शामिल हैं। इनके साथ ही विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के सैकड़ों कार्यकर्ता भी जन सुराज में शामिल हुए।

तेलडीहा मंदिर के पास बनेगी 85 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा

सम्राट चौधरी ने किया ऐलान

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऐलान किया है कि मुंगेर जिले के तारापुर प्रखंड स्थित प्रसिद्ध तेलडीहा मंदिर के पास भगवान शिव की एक विशाल प्रतिमा और आधुनिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल 29 करोड़ 88 लाख 45 हजार रुपये खर्च होंगे। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने जानकारी दी कि यह क्षेत्र कांवरिया परिपथ का महत्व-पूर्ण पर्यटक गंतव्य है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्माण से न सिर्फ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना के तहत भगवान शिव की भव्य प्रतिमा, चह-ारदीवारी, पार्किंग स्थल, पैदल पुल (ब्रिज) और अन्य आवश्यक ढांचागत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस योजना का क्रियान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। तेलडीहा मंदिर के पास 15.44 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए 528.17 लाख रुपये की अलग से योजना स्वीकृत की गई है, जिसकी प्रक्रिया जिला पदाधिकारी, मुंगेर द्वारा की जा रही है। इस पूरी परियोजना को अगले 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार धार्मिक स्थलों के विकास और सांस्कृतिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने इसे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार सृजन और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी अहम कदम बताया।

जेडीयू का बैनर लगी गाड़ी से विदेशी शराब बरामद, दो युवक गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के कोतवाली थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लाल दरवाजा के समीप एक स्कॉर्पियो गाड़ी से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। हैरानी की बात यह रही कि उक्त वाहन पर जेडीयू का बैनर लगा हुआ था। पुलिस ने मौके से दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र स्थित फूलमलिक गांव निवासी नीतीश कुमार और सोनू कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाना लाया और तलाशी के दौरान झोले में रखी हरियाणा निर्मित विभिन्न ब्रांड की दो दर्जन से अधिक विदेशी शराब की बोतलें बरामद कीं।

पूछताछ में नीतीश कुमार ने बताया कि वह रौशन नामक

व्यक्ति की गाड़ी भाड़े पर चलाता है।

घटना के दिन वह बेगूसराय के ज़ीरो माइल के पास चाय पी रहा था, तभी सोनू आया और गाड़ी को 500 में किराये पर लेकर मुंगेर चलने को कहा। नीतीश ने दावा किया कि उसे झोले में शराब होने की जानकारी नहीं थी।

वहीं, सोनू कुमार ने पुलिस को बताया कि शराब उसी की है और वह इसे मुंगेर के पोलो मैदान के पास किसी को डिलिवर करने वाला था। उसने यह भी कहा कि नीतीश को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध अवैध शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है और बरामद शराब की कुल मात्रा 17.4 लीटर बताई गई है।

इस मामले में मुंगेर के एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस आगे की छानबीन में जुटी है।

सुपरवाइजर की मनमानी पर बवाल : सफाईकर्मी हड़ताल पर, महिला कर्मियों से मारपीट का आरोप

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के हरनौत नगर पंचायत में शुक्रवार को सुपरवा-इजर द्वारा सफाईकर्मियों से मोबाइल जमा करवाने के निर्देश ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। आदेश का विरोध करने पर सफाईकर्मियों के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई, जिसके बाद दर्जनों कर्मी हड़ताल पर चले गए। इस घटना से न केवल नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है, बल्कि कर्मचारियों की गरिमा और अधिकारों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार सुबह जब सफाईकर्मी नगर पंचायत कार्यालय में दैनिक कार्य के लिए आवश्यक सामग्री लेने पहुंचे, तो सुपरवाइजर बंटी कुमार ने सभी कर्मियों को मोबाइल फोन

जमा करने का निर्देश दिया। अचानक आए इस आदेश का कर्मियों ने विरोध किया, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। आरोप है कि सुपरवाइजर और उसके समर्थकों ने विरोध कर रहे कर्मियों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

इस मारपीट में कई सफाईकर्मी घायल हो गए, जिनमें महिला कर्मी भी शामिल हैं। घायल कर्मियों ने काम बंद कर नगर पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन किया और फिर हरनौत थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में सुपरवाइजर बंटी कुमार के साथ-साथ बबलू यादव, जामुन यादव, छोटू यादव, रोशन कुमार और बाबू ठाकुर के नाम शामिल हैं।

घटना में महिला कर्मियों के साथ बदसलूकी का आरोप भी लगाया गया है। पीड़िता आशा कुमारी ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब उन्हें प्रताड़ना का सामना करना पड़ा हो। ङ्गहमेशा धमकी और दबाव झेलते हैं, पहले भी शिकायत की गई, लेकिन केवल आश्वासन मिला,उन्होंने कहा। शुक्रवार की घटना ने सभी सीमाएं लांघ दीं।

कर्मियों ने बताया कि वे लंबे समय से कार्यस्थल पर शोषण और दुर्व्यवहार का सामना कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। घायल कर्मी त्रिदेव कुमार ने कहा कि कई सफाईकर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं। हड़ताल पर गए कर्मियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आरोपी सुपरवाइजर और प्रबंधक को निलंबित नहीं किया जाता, वे काम पर नहीं लौटेंगे। एक कर्मी ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, हम मार खाएं या शहर को साफ करें? सम्मान नहीं मिलेगा तो काम कैसे होगा? इस पूरे मामले में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी या संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया अब तक नहीं आई है। वहीं, हरनौत थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि पुलिस को शिकायत मिली है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पटना में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में आगामी चुनाव को देखते हुए अभ्यर्थी नीतीश सरकार से अपनी मांगें मनवाना चाहते है। इसी को लेकर पटना में सैकड़ों छात्र फिर से सड़क पर उतर गए। बुधवार को पटना कॉलेज गेट से अभ्यर्थी पैदल मार्च के लिए थे। सभी अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना चाहते रहे हैं। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों हाथों में तिरंगा लेकर सीएम हाउस जाने के लिए गांधी मैदान से निकले थे। लेकिन, जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस ने उन्हें रोक लिया गया। अभ्यर्थी आगे न जा पाए इसके लिए

पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है। अभ्यर्थी बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी करने लगे। उनका कहना है कि बिहार सरकार जल्द से जल्द डोमिसाइल नीति लागू करें। पुलिसकर्मी छात्रों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं।

छात्रों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीतीश कुमार उनकी बातों को सुनेंगे और बिहार में भी अन्य प्रदेशों की तरह डोमिसाइल नीति लागू होगी। छात्राओं का कहना है कि 33% आरक्षण सिर्फ बिहार की महिला अभ्यर्थियों को है यह 2016 से चला रहा है सिर्फ उसका स्पष्टीकरण दिया गया है और यह डोमिसाइल नहीं है। उन्हें स्पष्ट दो मिसाइल नीति चाहिए और बिहार की प्रतियोगी परीक्ष-ाओं में एक प्रश्न पत्र बिहार से संबंधित पूछे जाने चाहिए।

छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि डोमिसाइल बिहार के छात्रों का हक है। बिहार से बाहर कुछ राज्यों मे प्रत्यक्ष, जबकि कुछ राज्यों मे अप्रत्यक्ष रूप से डोमिसाइल लागू है। इस वजह से बिहार के अभ्यर्थियों को दूसरे राज्यों में नौकरी पाने में नुकसान हो रहा है। कुछ राज्यों मे परीक्षा की प्रक्रिया और सिलेबस ऐसा बनाया गया है, जिससे उस राज्य से संबंधित प्रश्न अधिक पूछकर उस राज्य के अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया जाता है। इसलिए छात्रों की मांग है कि बिहार मे भी बिहार से संबंधित अधिक प्रश्न पूछकर अप्रत्यक्ष डोमिसाइल लागू किया जाए। छात्र नेता दिलीप कुमार ने मांग करते हुए कहा है कि 90 प्रतिशत डोमिसाइल प्रत्यक्ष रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह 10 प्रतिशत सीट खुली रही जाए, जिसमे बिहार से बाहर के अभ्यर्थियों का चयन हो सके तथा मेरिट के आधार पर बिहार के अभ्यर्थी भी चयनित हो सकते हैं।

मुंगेर में छह अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर खड़गपुर प्रखंड के गंगटा थाना क्षेत्र स्थित पोकरडी बहियार में गोढ़िया नदी के किनारे छापेमारी कर पुलिस ने छह अवैध मिनी गन फैक्ट्रियों का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में हथियार और हथियार निर्माण के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य फरार हो गए।

पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गंगटा थानाध्यक्ष राहुल कुमार को सूचना मिली थी कि गोढ़िया नदी के किनारे कुछ लोग छिपकर अवैध हथियार बना रहे हैं। इसके बाद खड़गपुर अनुमंडल पुलिस अधिकारी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई और छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो लोगोंङ्घबबलू प्रसाद सिंह उर्फ बबलू मंडल और राजेंद्र प्रसाद सिंहङ्को गिरफ्तार किया। वहीं, तीन अन्य लोग पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वहां से तीन देशी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित कट्टा, एक अर्धनिर्मित रायफल, चार अर्धनिर्मित बैरल, अठारह अर्धनिर्मित ट्रिगर, तीन मैगजीन, सात जिंदा कारतूस, दो खोखा, एक ड्रिल मशीन और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि ये सभी आरोपी पिछले डेढ़ माह से गुप्त रूप से मिनी गन फैक्ट्री चला रहे थे और तैयार हथियारों को आस-पास के क्षेत्रों में बेचने का काम कर रहे थे। गिरफ्तार बबलू प्रसाद पूर्व में भी अवैध हथियार निर्माण के आरोप में जेल जा चुका है और हाल ही में वह सजा काटकर बाहर आया था।

सासाराम में भूमि विवाद को लेकर भाकपा माले का विरोध प्रदर्शन

तीन घंटे तक चक्का जाम

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के बेलवइया गांव में गुरुवार को भूमि विवाद को लेकर हुई हिंसक घटना के बाद पुलिस-प्रशासन की कथित दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा और भाकपा माले ने सासाराम में जन आक्रोश मार्च निकाला।

जन आक्रोश मार्च की अगुवाई भाकपा माले के सचिव अशोक बैठा ने की। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने कुशवाहा भवन से धर्मशाला मोड़, पोस्ट ऑफिस चौराहा, करगहर मोड़, कचहरी होते हुए जिला समाहरणालय तक मार्च किया और वहां पहुंचकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गिरफ्तार निर्दोष ग्रामीणों को तत्काल रिहा करने की मांग की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अशोक बैठा ने कहा कि प्रशासन भूमि विवाद में भूधारी पक्ष का झूठा समर्थन कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि भूधारी के पक्ष में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं

है, बल्कि अपर समाहर्ता ने सामंतवादी ताकतों के दबाव में निर्णय दिया है, जिसकी जानकारी पर्चाधारियों को नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने कानूनन प्रक्रिया का पालन किए बिना पर्चाधारियों को बेदखल करने की कोशिश की।

प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट के सामने पुरानी जीटी रोड को पूरी तरह से जाम कर दिया, जिससे सासाराम शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। बौलिया मोड़ से लेकर फजलगंज और लालगंज नहर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई। स्कूली बच्चों, अधिकारियों, वाहन चालकों और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सड़क जाम और विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही सदर एसडीएम आशुतोष रंजन और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वन दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे। भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई, लेकिन प्रदर्शनकारी टस से मस नहीं हुए। अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास करते रहे, मगर वे अपनी मांगों पर अड़े रहे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

करीब तीन घंटे बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकी। हालांकि प्रदर्शन के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, लेकिन पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। पुलिस-प्रशासन सतर्क नजर आया और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com